रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail.com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:82 | शुक्रवार,28 नवम्बर | Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

514 युवाओं के फर्जी सरेंडर केस पर हाईकोर्ट में सुनवाई

संवाददाता

रांची : 514 आदिवासी युवाओं को फर्जी नक्सली बता कर सरेंडर करने के मामले में झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कनीय पुलिस अधिकारी द्वारा शपथ पत्र दाखिल किए जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने डीजीपी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मौखिक में कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में उच्च पुलिस अधिकारियों द्वारा शपथ पत्र दाखिल किया जाना चाहिए था, ताकि केस की वास्तविकता जाना जा सके और इसके तह पहुंचा जा सके। लेकिन कनीय पुलिस अधिकारी द्वारा शपथ पत्र दाखिल किया गया सुनवाई के द्वारान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने कोर्ट को बताया कि उच्च पुलिस अधिकारियों को बचाने के लिए डीएसपी रैंक के अधिकारीद्वारा शपथ पत्र दाखिल की गई है।

हत्या के दोषी को सश्रम आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता

दुमका : हत्या के अभियुक्त दुर्गा टुडू को अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ योगेश सिंह के न्यायालय ने दोषी करार देते हुए सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने मामले में 9 गवाहों की गवाही पर अभियुक्त को दोषी करार दिया। न्यायालय ने दोषी पर 20 हजार रुपये का जुमार्ना किया। मामले की जानकारी देते हुए सहायक लोक अभियोजन भवेंद्र सोरेन ने बताया कि 9 गवाहों की गवाही पर अभियुक्त को न्यायालय ने दोषी करार दिया। जानकारी के अनुसार मामले में घटना के तीन माह बाद प्राथमिकी दर्ज हुई थी। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में शव को कब्र से निकाल पोस्टमार्टम सहित अन्यकानूनी प्रक्रिया हुई थी।

छत्तीसगढ़ में होने वाले डीजीपी-आईजी सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट परिसर में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षकों के 60वें राष्ट्रीय सम्मेलन (डीजीपी-आईजी कॉन्फ्रेंस) में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री 29-30 नवंबर को इस सम्मेलन में पूरे समय उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक 28-30 नवंबर तक आयोजित हो रहे इस सम्मेलन का मकसद पुलिसिंग की मुख्य चुनौतियों से निपटने में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करना और विकसित भारत के राष्ट्रीय विजन के हिसाब से सुरक्षितभारत बनाने के लिए एक आगेका रोडमैप बनाना है।

झारखंड में हेमंत सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा, आज युवाओं को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को लेकर रांची के ट्रैफिक में बदलाव

एजेंसी

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर लिया है। इस अवसर को सरकार नियुक्ति वर्ष के रूप में मना रही है। इसी क्रम में 28 नवंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में राज्यस्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर हेमंत सोरेन को समारोह में शामिल होने के लिए आधिकारिक निमंत्रण सौंपा। यह कार्यक्रम सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। मोरहाबादी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंच का निर्माण किया गया है और करीब 10 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों को विभागों द्वारा पहले ही सूचना भेजी जा चुकी है। कितने पदों पर होंगी नियुक्तियां : कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न विभागों में नियुक्तियों का वितरण किया जाएगा। पदों का विवरण इस प्रकार है। सहायक आचार्य-8000, उप समाहर्ता-207, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी)-35, राज्य कर पदाधिकारी- 56, काराधीक्षक-02, झारखंड शिक्षा सेवा श्रेणी-दो-10, जिला समादेष्टा-01, सहायक निबंधक-08, श्रम अधीक्षक-14, प्रोबेशन पदाधिकारी-06, निरीक्षक उत्पाद-03, कीटपालक -150।

कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न विभागों में नियुक्तियों का वितरण किया जाएगा

सहायक आचार्य 8000 उप समाहर्ता 207 पुलिस उपाधीक्षक 35 राज्य कर पदाधिकारी 56 काराधीक्षक 02 झारखंड शिक्षा सेवा श्रेणी-दो-10 जिला समादेष्टा 01 सहायक निबंधक 08 श्रम अधीक्षक 14 प्रोबेशन पदाधिकारी 06 निरीक्षक उत्पाद 03कीटपालक 150

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर कानून व्यवस्था की समीक्षा,

रांचीः झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार के दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने पर 28 नवंबर को राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में भव्य नियुक्ति पत्र वितरणसमारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को रांची में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रांची जोन के पुलिस महारिरीक्षक (आईजी) मनोज कौशिक ने की। इस दौरान आईजी और रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। अधिकारियों को कार्यक्रम के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अपने पैतृक गांव नेमरा पहुंचे सीएम, 68वीं पुण्यतिथि पर दादा सोबरन सोरेन को दी श्रद्धांजलि

हमारे महान पुरखों की संघर्ष गाथा हमेशा हम सभी का करती रहेगी मार्गदर्शन : हेमंत सोरेन

अपनी जान की परवाह किए बिना झारखंड के वीर शहीदों ने शोषण के विरुद्ध बुलंद की आवाज

एजेंसी

गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पैतृक गांव रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा पहुंचे। यहां उन्होंने अपने दादा शहीद सोबरन सोरेन की 68वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नेमरा से 5 किलोमीटर दूर लुकैयाटांड़ में शहीद सोबरन सोरेन की समाधि स्थल है। मौके पर लोगों को संबोधित करते मुख्यमंत्री कहा कि झारखंड के वीर शहीदों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर होने वाले शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद की थी। ऐसे लोगों ने स्थानीय आदिवासी और मूल निवासियों के अधिकार को छीनने वालों के खिलाफ संघर्ष किया। वीर सपूतों को सामंती विचार वालों ने फांसी दे दी। कई लोगों को जेल में डाल दिया गया। हमारे ऐसे महान पुरखों की संघर्ष गाथा हमेशा हम सभी का मार्गदर्शन करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 5 साल में सरकार की आंख, नाक, कान हर गांव तक पहुंचा रहेगा। लेकिन, आम नागरिकों को दलालों के लिए दरवाजा बंद करना होगा। कुछ दलाल आम लोगों के बीच से आते हैं और कुछ दलालों को सरकारी अधिकारी पैदा करते हैं। सरकार की नजर अधिकारियों पर है। जो गलत काम करेगा, ऐसे लोगों पर सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी ।सीएम ने कहा कि हमारे नौजवान साथियों के लिए भी अलग-अलग तरीके से उन्हें आगे बढ़ाने के लिए हम कार्ययोजना बना कर काम कर रहे हैं। 2050 तक राज्य को खुशहाल झारखंड बनाने की ओर भी तेजी से बढ़ रहे हैं। हमने पहले भी कहा है हमारी सरकार रांची से नहीं, गांव से चलने वाली सरकार है। सीएम ने कहा कि राज्य की महिलाएं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ ले रही हैं और स्वावलंबी बन रही हैं। युवाओं के लिए भी कई कार्य योजना को सरकार ने बनाई है। इसके साथ ही अगले 50 वर्षों में राज्य को वहां पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है, जहां दिल्ली,

पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन को याद कर हुए भावुक

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिशोम गुरु पिता शिबू सोरेन को भी याद किया और उन्हें याद करते हुए भावुक भी हो गए। हेमंत ने कहा कि हम सभी के मार्गदर्शक रहे दिशोम गुरु शिबू सोरेन हमारे बीच नहीं हैं। उनके नहीं रहने से एक युग का अंत हो गया है। एक लंबे सफर को मंजिल तक पहुंचाकर, हमें ताकत देते हुए, हक-अधिकार को पहचानने की शक्ति देते हुए वे विदा हो गए।

2050 तक राज्य को खुशहाल बनाने की ओर भी तेजी से बढ़ रहा झारखंड

सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट में बड़े बदलाव के दिये संकेत

एजेंसी

नई दिल्ली : देश के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में बड़े बदलावों का संकेत देते हुए कहा है कि 1 दिसंबर से सुधारों का पहला चरण लागू होगा। केस मेंशन करने आए एक वकील की दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 1 दिसंबर तक इंतजार कीजिए, हम कुछ प्लान कर रहे हैं। हम आपकी चिंता जानते हैं, इसे बार-बार बताने की जरूरत नहीं है। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के केस मेंशनिंग सिस्टम में बड़े बदलाव की ओर स्पष्ट इशारा मानी जा रही है। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी संकेत दिया कि वकीलों को अब मेंशनिंग के लिए कोर्टरूम में बार-बार नहीं आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सुधारों के पहले फेज में केस मेंशनिंग की प्रक्रिया को सरल एवं सुव्यवस्थित किया जाएगा, ताकि वकीलों का कीमती समय बच सके और एक पारदर्शी व्यवस्था विकसित हो सके। नए सीजेआई सूर्यकांत ने कार्यभार ग्रहण करने के दिन ही केस मेंशनिंग के मौजूदा तौर-तरीकों पर सख्त असहमति जताई थी। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा था, कि कई वकील मामलों को उसी दिन मेंशन कर लिस्टिंग की मांग करते हैं, जो स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था, कि मौत की सजा या अभिव्यक्ति की आजादी जैसे बेहद जरूरी मामलों को छोड़कर किसी भी केस को उसी दिन सूचीबद्ध करने की मांग नहीं मानी जाएगी ।नए सीजेआई सूर्यकांत ने कार्यभार ग्रहण करने के दिन ही केस मेंशनिंग के मौजूदा तौर-तरीकों पर सख्त असहमति जताई थी। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा था,

बिहार की हार पर कांग्रेस की बैठक में हंगामा

दो प्रत्याशी भिड़े, गोली मारने की धमकी

संवाददाता

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद दिल्ली में कांग्रेस की ओर से बुलाई गई समीक्षा बैठक गुरुवार को भारी हंगामे का अखाड़ा बन गई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक की शुरूआत राहुल गांधी के पहुंचने से पहले ही विवादों से हो गई। बिहार के वैशाली से कांग्रेस प्रत्याशी रहे इंजीनियर संजीव और पूर्णिया से चुनाव लड़ने वाले जितेंद्र यादव के बीच तीखी नोकझोंक इस कदर बढ़ गई कि माहौल तनावपूर्ण हो गया। जानकारी के अनुसार, इंजीनियर संजीव ने आरोप लगाया कि हाल ही में पार्टी में शामिल हुए 18 नए चेहरों की वजह से कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ और अनुभवहीन लोगों पर टिकट का दांव लगाना पार्टी के लिए घातक साबित हुआ। उन्होंने कहा कि संगठन की जमीनी हकीकत को नजरअंदाज कर नए लोगों को उम्मीदवार बनाने के चलते कांग्रेस की कई सीटों पर लड़ाई कमजोर हुई। इस पर पूर्णिया के उम्मीदवार जितेंद्र यादव ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम भी नए हैं। जो आज पुराने नेता हैं, वे भी एक समय पर नए ही थे। नए लोगों को हार का कारण बताना गलत है। इसी बात को लेकर दोनों नेताओं के बीच बहस बढ़ गई और देखते ही देखते मामला गर्मागरम विवाद में बदल गया।

बैठक में मौजूद सूत्रों ने दावा किया कि बहस इतनी बढ़ गई कि इंजीनियर संजीव की ओर से जितेंद्र यादव को कथित तौर पर गोली मारने जैसी धमकी देने की बात तक सामने आई। हालांकि बाद में इंजीनियर संजीव ने सफाई दी कि बातचीत को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और उनकी किसी बात का गलत अर्थ निकाला गया। उन्होंने कहा कि उनका इरादा किसी को डराने या धमकाने का नहीं था। हालांकि कांग्रेस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

हांगकांग में 77 सालों में सबसे भीषण आग 75 लोगों की गई जान, 280 लापता

हांगकांग के 'ताई पो' जिले में एक बड़े रिहायशी कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। यह पिछले 77 सालों में लगी सबसे भीषण आग बताई जा रही है। आग इतनी तेज थी कि 24 घंटे बाद भी 8 में से सिर्फ 5 इमारतों पर काबू पाया गया। 3 इमारतों की ऊपरी मंजिलों में आग अभी भी जल रही है। इस हादसे में अब तक 75 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 76 गंभीर रूप से घायल हैं। 280 लापता हैं। ये कॉम्प्लेक्स आठ इमारतों का था, जिनमें हर इमारत 35 मंजिलों की थी।

डब्ल्यूपीएल

खिलाड़ियों की मेगा ऑक्शन में करोड़ों रुपए की धनवर्षा

दीप्ति शर्मा रहीं सबसे महंगी, 3.20 करोड़ में यूपी ने खरीदा

एजेंसी

नई दिल्ली : महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए खिलाड़ियों की मेगा नीलामी गुरुवार को नई दिल्ली के जेडब्ल्यू मैरियट होटल में आयोजित हुई। सभी 5 फ्रेंचाइजी टीमों के साथ ही फैन्स को भी इस मेगा ऑक्शन का बेसब्री से इंतजार था। महिला प्रीमियर लीग के लिए इस मेगा ऑक्शन में कुल 277 खिलाड़ियों पर बोली लगी। हालांकि 67 खिलाड़ी ही ऑक्शन में सोल्ड हुए, जिसमें 23 विदेशी प्लेयर्स शामिल रहे। कुल मिलाकर 40.8 करोड़ रुपये ऑक्शन में खर्च किए गए। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा सबसे महंगी खिलाड़ी (3.20 करोड़ रुपये) रहीं, जबकि विदेशी खिलाड़ियों में एमेलिया केर (3 करोड़ रुपये) सबसे ज्यादा में बिकीं। कंगारू टीम की कप्तान एलिसा हीली अनसोल्ड रहीं, जिनका बेस प्राइस 50 लाख रुपये था। वहीं कीवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। भारतीय टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को यूपी वॉरियर्स ने आरटीएम (राइट टू मैच) कार्ड के जरिए 3.20 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा। जबकि मुंबई इंडियंस ने आरटीएम कार्ड के जरिए एमेलिया केर को 3 करोड़ रुपये में अपने साथ दोबारा जोड़ा। सोफी, दीप्ति और एमेलिया तीनों का बेस प्राइस 50-50 लाख रुपये था। भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह 60 लाख रुपये में गुजरात जायंटस में शामिल हुईं। इंग्लिश ऑलराउंडर सोफी एक्लेस्टोन (85 लाख रुपये) और ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग (1.9 करोड़ रुपये) यूपी वॉरियर्स के लिए खेलेंगी। साउथ अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोलवार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने 1.1 करोड़ रुपये में अपने साथ जोड़ा। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड 1.10 करोड़ रुपये में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से जुड़ीं। चिनेल हेनरी और श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने एक समान 1.30 करोड़ रुपये में खरीदा। स्पिनर आशा शोभना (1.10 करोड़ रुपये) को भी अच्छी खासी रकम मिली, जिन्हें यूपी वॉरियर्स ने अपनी टीम से जोड़ा। उधर भारतीय टीम के लिए खेल चुकीं शिखा पांडे को यूपी वॉरियर्स ने ही 2.40 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया।

- 11 खिलाड़ी बने करोड़पति
- कुल 277 खिलाड़ियों पर लगी बोली
- 67 खिलाड़ी ही ऑक्शन में हुए सोल्ड
- 23 विदेशी प्लेयर्स रहे शामिल
- 40.8 करोड़ रुपये ऑक्शन में किए गए खर्च
- लैनिंग, शिखा चमकी

व्यापार मेले 2025 में झारखंड का उत्कृष्ट प्रदर्शन, मिला स्वर्ण पदक

एजेंसी

नई दिल्ली : 44वें आईआईटीएफ 2025 में फोकस स्टेट झारखंड को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्णपदक से सम्मानित किया गया, जिससे झारखंड पवेलियन पूरे मेले का प्रमुख आकर्षण बन गया। यह सम्मान झारखंड की नवाचार क्षमता, सांस्कृतिक विविधता और अद्भुत प्रस्तुति कौशल का प्रतीक है, जिसने आगंतुकों और निर्णायकों दोनों का दिल जीता। यह उपलब्धि झारखंड के प्रयासों, कौशल और उत्कृष्ट प्रस्तुति का मजबूत प्रमाण है और राज्य के लिए गौरव का क्षण प्रस्तुत करती है। फोकस स्टेट झारखंड ने अपनी विशिष्ट थीम, विविध उत्पादों, नवाचारपूर्ण सज्जा और आकर्षक लाइव डेमो के माध्यम से आगंतुको पर गहरा प्रभाव छोड़ा। गुरुवार को देश के सबसे बड़े व्यापार प्रदर्शनी आयोजन आईआईटीएफ 2025 का भारत मंडपम में भव्य समापन हुआ। इस वर्ष फोकस स्टेट झारखंड ने अपनी विशिष्ट थीम, विविध उत्पादों, नवाचारपूर्ण सज्जा और आकर्षक लाइव डेमो के माध्यम से आगंतुकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। मेले के अंतिम दिन झारखंड पवेलियन में भारी भीड़ उमड़ी, जहां दर्शकों ने कला, संस्कृति, उद्योग और तकनीक का जीवंत संगम देखा और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी का भरपूर आनंद लिया। इस वर्ष झारखंड पवेलियन के स्टॉल ऑपरेटरों ने अपने उत्कृष्ट उत्पादों और सेवाओं से दर्शकों को विशेष अनुभव प्रदान किया। करियातपुर ब्रास, झारक्राफ्ट, तसर उत्पाद, हस्तशिल्प, बांस शिल्प, फ्यूजन ज्वेलरी, आदिवासी हस्तनिर्मित उत्पादों सहित कई स्टॉल पर पूरे मेले के दौरान शानदार बिक्री हुई ।अंतिम दिन आकर्षक छूट और ऑफरों के चलते खरीदारों की कतारें लगी रहीं।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 44वें व्यापार मेले 2025 में चमका झारखंड

सखी मंडल की महिलाओं ने 30 लाख के पलाश ब्रांड उत्पादों की बिक्री की

झारखंड की ग्रामीण महिलाओं को मिली राष्ट्रीय पहचान, आदिवा ज्वेलरी और रागी लड्डू की सबसे अधिक मांग

पलाश-आदिवा ब्रांड ने जीता दिल्ली का दिल, झारखंड की सखी मंडलों ने रचा नया कीर्तिमान 14 लाख से ज्यादा के आदिवा ज्वेलरी की बिक्री।

रांची, संवाददाता।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 से 27 नवंबर 2025 तक आयोजित आईआईटीएफ 2025 में जेएसएलपीएस से जुड़े सखी मंडलों की महिलाओं ने अत्यंत प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज की। झारखंड सरकार और जेएसएलपीएस का लक्ष्य है कि सखी मंडल की महिलाएँ अपने पैरों पर खड़ी होकर सफल उद्यमी बनें। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी विकास और आजीविका सशक्तिकरण का मजबूत संकेत है।

झारखंड की ग्रामीण महिलाओं ने पलाश और आदिवा ब्रांड के हस्तनिर्मित खाद्य एवं गैर-खाद्य उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शन किया

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 44वें व्यापार मेले (क्क्ष्ळक्र)2025 में झारखंड की ग्रामीण महिलाओं ने पलाश और आदिवा ब्रांड के अंतर्गत अपने हस्तनिर्मित खाद्य एवं गैर-खाद्य उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शन किया। पलाश ब्रांड के उत्पादों में रागी/तिल के लड्डू, रागी मिक्सचर, अचार, अरहर दाल, सरसों का तेल इत्यादि शामिल रहे, वहीं आदिवा ब्रांड के अंतर्गत पारंपरिक चांदी व ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी, तसर सिल्क साड़ियाँ, प्राकृतिक ब्यूटी उत्पाद और डोकरा कला जैसी वस्तुओं ने खास आकर्षण बटोरा।

दिल्ली के लोगों ने विशेष रूप से आदिवा ब्रांड के आभूषणों को पसंद किया

दिल्ली के लोगों ने विशेष रूप से आदिवा ब्रांड के आभूषणों को पसंद किया, जिससे 14.84 लाख रुपये से अधिक की ज्वेलरी बिक्री दर्ज हुई। खाद्य उत्पादों में सिमडेगा की ह्यकॉलेबिरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनीह्ल की महिलाओं द्वारा बनाए गए रागी और तिल के लड्डू स्वाद और गुणवत्ता के कारण काफी सराहे गए और इनकी बिक्री भी उल्लेखनीय रही। इसी तरह, जमशेदपुर की मीनू रक्षित के नैचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स, गोड्डा जिला के तसर सिल्क और दुमका जिला के डोकरा कला को भी लोगों ने काफी पसंद किया।

सखी मंडल की महिलाओं ने 30 लाख से ज्यादा के उत्पादों की बिक्री की

इस राष्ट्रीय मंच ने ग्रामीण महिला कारीगरों को अपने कौशल, परंपरा और उत्पादों को देशभर के उपभोक्ताओं के सामने प्रस्तुत करने का अवसर दिया। मेले के दौरान झारखंड की महिला उद्यमियों ने कुल रु 30.72 लाख का व्यापार किया, जो उनके उत्पादों की गुणवत्ता और बाजार में बढ़ती मांग को दशार्ता है। जेएसएलपीएस, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण, बाजार से जुड़ाव और उद्यमिता विकास के माध्यम से लगातार सशक्त बनाया जा रहा है। इसी पहल के परिणामस्वरूप अब तक 9.82 लाख ग्रामीण महिलाएँ लखपति दीदी के रूप में उभर चुकी हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा और गति मिली है।

भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच की पूरी टिकट बिकी, आज से काउंटर बंद

रांची, संवाददाता।

राजधानी रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में 30 नवंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले वनडे मुकाबले को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है. टिकट बिक्री शुरू होने के बाद लगातार दो दिनों से स्टेडियम के काउंटरों पर भारी भीड़ उमड़ रही थी. इसी बीच झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने साफ कर दिया है कि अब सभी टिकट पूरी तरह बिक चुके हैं. अब टिकट काउंटर नहीं खोले जाएंगे.

वनडे मैच के सभी टिकट बिके

जेएससीए ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि दर्शकों से मिली अपार प्रतिक्रिया की वजह से टिकटें कुछ ही समय में बिक गईं. स्टेडियम के बाहर सुबह से ही लंबी-लंबी कतारें दिखाई दे रही थीं, जहां लोग मैच का टिकट पाने के लिए घंटों तक इंतजार कर रहे थे. भीड़ को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा था कि टिकटें जल्दी खत्म हो सकती हैं और आखिरकार वही हुआ. सभी सीटें बुक हो चुकी हैं. इस बार रांची में खेले जाने वाले मुकाबले का रोमांच पहले ही चरम पर है, क्योंकि टीम इंडिया के बड़े खिलाड़ी रांची पहुंच चुके हैं. विराट कोहली बुधवार की सुबह पहुंचे. जबकि कप्तान रोहित शर्मा देर शाम शहर पहुंचे, जिनके स्वागत में भारी भीड़ जमा हो गई. खिलाड़ियों के लगातार रांची पहुंचने और मैच का दिन नजदीक आने से फैंस का उत्साह और बढ़ गया है.

अब लोगों को 30 नवंबर का इंतजार

दूसरी ओर, टिकटों के पूरी तरह बिक जाने के बाद अब दर्शकों की नजरें मैच दिवस पर टिक गई हैं. खरउअ ने दर्शकों के उत्साह के लिए आभार जताते हुए कहा कि 30 नवंबर को रांची में होने वाला यह मुकाबला विश्वस्तरीय आयोजन होगा. स्टेडियम की तैयारियां भी लगभग पूरी कर ली गई हैं. पिच, आउटफील्ड और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है. इधर, प्रशासन की ओर से सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर पहले ही विस्तृत व्यवस्था की गई है. टिकट कालाबाजारी रोकने के लिए भी पुलिस को सख्त निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी दर्शक को परेशानी न हो. टिकटों के बिक जाने के बाद अब यह साफ है कि 30 नवंबर को जेएससीए स्टेडियम में दर्शकों की खचाखच भरी भीड़ देखने को मिलेगी।

शीतलहरी से कांप रहा झारखंड, सरकार बोली, हर जरूरतमंद तक पहुंचाएंगे राहत

रांची, संवाददाता।

झारखंड में लगातार बढ़ रही ठंड और शीतलहरी की स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार सक्रिय हो गई है. गुरुवार को आपदा प्रबंधन प्रभाग के मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने एक बड़ा फैसला लेते हुए सभी 24 जिलों के उपायुक्तों को कुल 79 लाख रुपये त्वरित राहत राशि के रूप में आवंटित कर दी गई हैं. यह राशि हर जिले में आवश्यकता अनुसार वितरित की जाएगी, ताकि हर जिला प्रशासन तुरंत अलाव की व्यवस्था कर सके और जरूरतमंद लोगों तक राहत पहुंचाई जा सके. मंत्री ने साफ कहा कि ठंड का सबसे ज्यादा असर उन परिवारों पर पड़ रहा है, जिनके पास बचाव के साधन कम हैं. इसलिए किसी को भी ठंड में कष्ट न हो, यह सरकार की जिम्मेदारी है. मंत्री अंसारी ने उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि मुख्य चौक, बाजार, स्टेशन और उन जगहों पर जहां रात के समय लोग आसरा लेते हैं, वहां अलाव की व्यवस्था तुरंत की जाए. साथ ही टीमों को रात में गश्त करने के लिए कहा गया है, ताकि सड़क पर रहने वाले या जरूरतमंद लोगों को तुरंत गर्म कपड़े और मदद दी जा सके. उन्होंने कहा कि सरकार जनता की तकलीफ समझती है और इस वक्त ठंड से बचाव सबसे जरूरी है. अंसारी ने यह भी कहा कि अगर ठंड से किसी व्यक्ति की मौत होती है, तो इसकी जिम्मेदारी उनकी होगी.

रांची में आईआईएसएफ का कर्टेन रेजर कार्यक्रम आयोजित, छात्रों ने समझी मौसम पूवार्नुमान में विज्ञान की भूमिका

रांची, संवाददाता।

हरियाणा के पंचकूला में 6 दिसंबर से 9 दिसंबर तक आयोजित होने वाले भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का कर्टेन रेजर कार्यक्रम रांची के मौसम केंद्र में आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया और आज के समय में जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान के बढ़ते महत्व के साथ साथ मौसम पूवार्नुमान से जुड़ी जानकारियां हासिल की. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रांची एयरपोर्ट निदेशक अनिल कश्यप शामिल हुए. 2015 से हर साल आयोजित किये जा रहे इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल के कर्टेन रेजर से संबंधित वीडियो को बच्चों को दिखाया गया और यह बताया गया कि कैसे यह फेस्टिवल हमें विज्ञान को जानने, समझने के साथ-साथ हमें साइंस एंड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने का मौका देता है. रांची स्थित मौसम केंद्र में आयोजित आईआईएसएफ कर्टेन रेजर कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय के माध्यमिक क्लास के बच्चों ने जाना कि कैसे विज्ञान की सहायता से मौसम वैज्ञानिक हवा की गति, वर्षा की मात्रा, आसमान में होने वाली गतिविधि, चक्रवात, सर्दी-गर्मी की तमाम जानकारी पूवार्नुमान जारी करते हैं. केंद्रीय विद्यालय की नौंवी क्लास की छात्रा विनीता और अयुक्ता ने बताया कि आज का कार्यक्रम बहुत जानकारी भरा रहा और हम लोगों ने जाना कि कैसे विज्ञान की वजह से जीवन सुगम हो रहा है. बच्चों ने बताया कि देश को विज्ञान के क्षेत्र में आगे ले जाकर एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं को निभानी है.

जिसने विज्ञान को आत्मसात किया वही देश विकसित हुआ: अनिल कश्यप

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निदेशक अनिल कश्यप ने कहा कि विज्ञान को आत्मसात किये बिना कोई भी देश तरक्की नहीं कर सकता है. उन्होंने बच्चों को विज्ञान के प्रति जिज्ञासु होने का आह्वान करते हुए कहा कि एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए विज्ञान को आगे ले जाने का दायित्व नई पीढ़ी पर ही है. अगर आप मजबूत इच्छाशक्ति रखें तो रास्ते खुद आसान हो जाते हैं. हमारे मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को आज दुनिया सैल्यूट करती है. मौसम केंद्र के निदेशक ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के वाक्य को दोहराते हुए बच्चों से ऊंचे सपने देखने का आह्वान किया.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी से मिटती है अमीर–गरीब के बीच की दूरी: अभिषेक आनंद

रांची मौसम केंद्र के वरीय मौसम पूवार्नुमान वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि क्क्त्रक्रकी शुरूआत वर्ष 2015 से हुई थी. हर वर्ष यह आयोजन किसी न किसी शहर में होता रहा है. इस साल यह 6 से 9 दिसंबर तक हरियाणा के पंचकूला में आयोजित होगा.

ठंड बढ़ते ही बाजार में रूम हीटर व गर्म कपड़ों की बढ़ी मांग

रांची, संवाददाता।

नवंबर खत्म होने को है, लेकिन ठंड ने रांची में समय से पहले ही दस्तक दे दी है. गुरुवार को तापमान लुढ़ककर 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया. कड़कड़ाती ठंड से बचने के लिए लोग अब हर तरह के इंतजाम में जुट गए है. बाजारों में रंग-बिरंगे मखमली कंबलों के साथ-साथ बिजली चालित रूम हीटरों की मांग अचानक बढ़ गई है. दुकानों में नए-नए मॉडल की लंबी कतारें सज चुकी हैं. लोग अपनी जरूरत और बजट के हिसाब से रूम हीटर चुन रहे हैं. वहीं, दुकानदारों ने बताया कि इस बार पीलर हीटर और ब्लोवर हीटर की बिक्री तेजी से बढ़ रही है. साथ ही, पानी गर्म करने वाली इलेक्ट्रिक रॉड की खरीद भी पिछले सप्ताह की तुलना में काफी ज्यादा है.

पीलर हीटर की मांग सबसे ज्यादा

दुकानदार समीर ने बताया कि ठंड की दस्तक के साथ ही गर्म कपड़ों और रूम हीटरों की खरीदारी में तेजी आई है. पीलर हीटर और लैम्प हीटर के दाम पिछले साल की तुलना में कम है. जीएसटी के लाभ भी दी जा रही है. खरीदने पर दस प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है. बावजूद इसके ग्राहक मोलभाव करते हुए अपनी पसंद का मॉडल चुन रहे हैं.

जानें बाजार के दाम

लैम्प हीटर - 4200 से 5000 रुपये, पीलर हीटर - 3000 से 4500 रुपये, टू-रॉड हीटर - 1500 से 2000 रुपये, ब्लोवर हीटर (पंखा वाला) - 1200 से 1500 रुपए, फोर-रॉड हीटर - 3000 से 4500 रुपये, एसी मॉडल हीटर - 5000 से 6000 रुपये.

भारतीय स्कूली वॉलीबॉल टीम के प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों का रांची में हुआ सम्मान

रांची, संवाददाता।

रांची में झारखंड वॉलीबॉल संघ की ओर से चल रहे भारतीय स्कूली वॉलीबॉल टीम के प्रशिक्षण शिविर में आज प्रशिक्षक वैशाली पारदरे, डॉ. शैलेश कुमार, डॉ. संतोष पवार और जीवा (साई प्रशिक्षक) को सम्मानित किया गया. शिविर में प्रशिक्षण ले रहे सभी खिलाड़ियों को भी सम्मान मिला. सम्मान मिलने पर प्रशिक्षक वैशाली पारदरे, जो 22 साल तक भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं, ने अपने अनुभव साझा किए. उन्होंने बताया कि उनकी खेल यात्रा झारखंड वॉलीबॉल संघ के वरिष्ठ सदस्य शेखर बोस की देखरेख में सब-जूनियर वर्ग से शुरू हुई थी. उन्होंने कहा कि गुरु के हाथों मिला यह सम्मान उनके लिए सम्मान और गर्व की बात है. डॉ. शैलेश कुमार ने कहा कि वर्ष 2021 में उन्होंने झारखंड में एक विभागीय प्रतियोगिता में खिलाड़ी के रूप में भाग लिया था. आज भारतीय स्कूली टीम के प्रशिक्षक के रूप में योगदान देना उनके लिए बड़ी खुशी की बात है. उन्होंने कहा कि झारखंड वॉलीबॉल संघ हमेशा खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करता आया है. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं. संघ के संरक्षक शेखर बोस ने प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि झारखंड से जो खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, वे देश का नाम रोशन करेंगे. उन्होंने कहा कि खिलाड़ी और प्रशिक्षक ही संघ की असली ताकत हैं. कार्यक्रम के दौरान रांची के बालक खिलाड़ियों और भारतीय स्कूली टीम के बीच एक प्रदर्शनी मैच भी खेला गया.

राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पूनम कुमारी ने जीता कांस्य पदक

रांची, संवाददाता।

69वीं राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में झारखंड की उभरती धाविका पूनम कुमारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य को पहला पदक दिलाया. हरियाणा के भिवानी के भीम स्टेडियम में आयोजित 400 मीटर दौड़ में पूनम ने 55.66 सेकंड का समय दर्ज कर कांस्य पदक अपने नाम किया. यह प्रतियोगिता 26 से 30 नवंबर 2025 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें झारखंड की अंडर-19 बालक एवं बालिका टीम स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची की अगुवाई में हिस्सा ले रही है. टीम का नेतृत्व कोच और मैनेजर ज्ञान प्रकाश, हिमाद्री मुर्मू और सिद्धू किस्कू कर रहे हैं. पूनम कुमारी की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी तिग्गा, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग और राज्य खेल कोषांग के सदस्यों ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

बैंकों में जमा 24 करोड़ रुपये का कोई नहीं है दावेदार, अनक्लेम्ड डिपॉजिट निस्तारण के लिए खूंटी में लगेगा शिविर

रांची, संवाददाता।

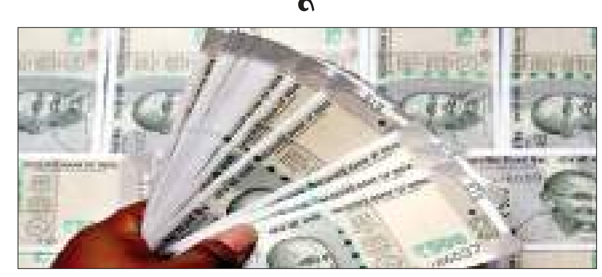

वित्तीय सेवा विभाग भारत सरकार के निदेर्शानुसार खूंटी जिले में बैंकों में अनक्लेम्ड डिपॉजिट से संबंधित जागरूकता एवं निस्तारण के उद्देश्य से एक जिला स्तरीय विशेष शिविर शुक्रवार को नगर पंचायत कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया जाएगा. इस शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक के उपमहाप्रबंधक विनोद बिहारी मिश्रा, विमला भगत एवं उप सहायक प्रबंधक अरविंद एक्का समेत रांची, खूंटी जिला के सभी बैंक समन्वयक तथा एलआईसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे.

60 हजार खातों में लंबे समय से कोई लेनदेन नहीं

बैंक प्रतिनिधि अपने-अपने संस्थानों में पड़े निष्क्रिय या अनुपयोगी खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट, पीपीएफ तथा अन्य जमा योजनाओं से संबंधित स्थिति की जानकारी उपलब्ध कराएंगे. साथ ही इन खातों की राशि प्राप्त करने की आवश्यक प्रक्रिया के बारे में भी लोगों को अवगत कराएंगे. खूंटी जिले के विभित्र 11 बैंकों के 60 हजार खातों में करीब 24 करोड़ रुपये लंबे समय नम से अनक्लेम्ड हैं. साथ ही लंबे समय से इन बैंक खातों में कोई लेनदेन नहीं हुआ है या यूं कहें इसके कोई दावेदार नहीं हैं. कहा तो यह भी जाता रहा है कि ये वे खाते है, जिनके खाताधारक या तो अपने खाते के बारे में भूल गए या वे दूसरी जगह चले गए या फिर खाताधारक की मृत्यु हो गई है और उनके कानूनी उत्तराधिकारियों को इन खातों की जानकारी नहीं है. इसमें सब से अधिक खाते एसबीआई, दूसरे नंबर पर ग्रामीण तथा तीसरे नंबर पर बीओई में हैं.

अनक्लेम्ड खातों के लिए अवेयरनेस कैंप

अग्रणी जिला प्रबंधक ऋषिकेश कुमार ने बताया कि अनक्लेम्ड खातों के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा निस्तारण के लिए खूंटी में एक विशेष कैंप 28 नवंबर को लगाया जा रहा है. इसके माध्यम से राशि वापस दिलाने का अभियान शुरू किया जाएगा. अग्रणी जिला प्रबंधक ऋषिकेश कुमार ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लोगों को उन जमा राशियों के बारे में जागरूक करना है, जो लंबे समय से उनके या उनके परिजनों के बैंक खातों में निष्क्रिय पड़ी है. उन्होंने जिलेवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने पुराने खातों, जमा योजनाओं या मृतक परिजनों के खातों से संबंधित जानकारी लेकर शिविर में अवश्य पहुंचें और इस पहल का लाभ उठाएं. ऐसे शिविरों के आयोजन से बैंकिंग व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ती है और जनता की निष्क्रिय पूंजी पुनः सक्रिय वित्तीय प्रणाली में लौटकर आर्थिक प्रवाह को सुदृढ़ करती है.

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मैच के दौरान कैसा रहेगा रांची का मौसम

रांची, संवाददाता।

झारखंड में सर्दी का सितम शुरू हो गया है. पिछले दो दिनों से कड़ाके की ठंड पड़ रही है. सिमडेगा जिला में न्यूनतम पारा 5.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है. हालांकि गोड्डा का अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है. राज्य के 10 जिले ऐसे हैं जहां का न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे चला गया है. सिमडेगा के बाद सबसे ज्यादा सर्दी गुमला में पड़ रही है. यहां पिछले 24 घंटों में न्यूनतम पारा 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है. वहीं 30 नंवबर को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच रांची में क्रिकेट मैच होना है. इस दौरान भी मौसम पर सबकी निगाहें टिकी हैं.

10 जिलों की न्यूनतम पारा 10 डिग्री से नीचे

मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक, उत्तर और उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही ठंडी हवाओं की वजह से न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज हुई है. पछुआ हवाएं निचले वायुमंडलीय स्तर पर सक्रिय हैं. इसकी वजह से पिछले 24 घंटे के भीतर सिमडेगा के बाद गुमला में 5.8 डिग्री सेल्सियस, खूंटी में 6 डिग्री सेल्सियस, लोहरदगा में 7.3, हजारीबाग में 7.5, डाल्टनगंज में 8.0, लातेहार में 8.2, रांची में 8.4, पश्चिमी सिंहभूम में 9.0 और बोकारो में 9.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ है.

कल से सर्दी से राहत मिलने की है ये वजह

राहत की बात है कि 28 नवंबर से हवाओं का रुख बदलने की संभावना है. इसकी वजह से न्यूनतम पारा में 2-4 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हो सकता है. मौसम केंद्र के मुताबिक, यह सिलसिला 2 दिसंबर तक चल सकता है. इसका मतलब है कि कल से ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी. इस दौरान सुबह के वक्त कोहरा और धुंध देखने को मिलेगा. इसके बाद आंशिक बादल छा सकते हैं.

ज्यादातर जिलों का अधिकतम पारा 30 से 25 डिग्री के बीच

अधिकतम तापमान की बात करें तो पिछले 24 घंटे में गोड्डा के बाद चाईबासा में 28.2, पाकुड़ में 28.0, डाल्टनगंज में 27.4, जमशेदपुर में 26.6, देवघर में 26.5, सिमडेगा में 26.4 और पश्चिमी सिंहभूम में 26.2 डिग्री सेल्सियस रहा है. वहीं बोकारो में 23.5 और रांची में 22.4 डिग्री अधिकतम तापमान रहा है. सिर्फ लातेहार, गुमला, लोहरदगा, रांची और हजारीबाग ऐसे जिले हैं जहां अधिकतम तापमान 25 डिग्री से नीचे है. खास बात है कि अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच अच्छा खासा गैप होने की वजह से दिन के वक्त ज्यादा ठंड नहीं महसूस हो रही है. लेकिन सुबह धूप निकलने से पहले और शाम को सूर्य ढलने के बाद थोड़ी भी लापरवाही स्वास्थ्य के लिहाज से मुसीबत खड़ी कर सकती है. फिलहाल, लातेहार एक मात्र ऐसा जिला है जहां दिन में ठंड का एहसास हो रहा है. इसकी वजह है कि दिन में अधिकतम पारा 18 डिग्री और न्यूनतम पारा 8.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है. 30 नवंबर को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाले वन डे इंटरनेशनल क्रिकेट मैच के दौरान रांची में मौसम के बारे में मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 30 नवंबर को मैच के दौरान आसमान में बादल छाए रहेंगे।

झारखंड में ठंड का कहर जारी न्यूनतम तापमान पहुंचा पांच डिग्री

ठंड से राहत के लिए 79 लाख रुपये जारी, मंत्री ने दिए अलाव की व्यवस्था के निर्देश

संवाददाता । रांची

रांची : झारखंड में इन दिनों पछुआ हवाओं के कारण ठंड कहर बरपा रही है। राज्य में न्यूनतम तापमान गिरकर पांच डिग्री तक पहुंच गया है। गुरुवार को सिमडेगा में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह राज्य के अन्य जिलों में भी न्यूनतम तापमान में गिरावट लगातार जारी है। खूंटी में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री, लोहरदगा में 7.3 डिग्री, डालटेनगंज में 8 डिग्री और रांची में एक डिग्री की गिरावट के साथ तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दिन भी पछुआ हवाएं चलीं जो तीर की तरह लोगों को चुभ रही थी। राजधानी में ठंड की स्थिति ऐसी रही कि दिन में भी धूप के बावजूद भारी कनकनी महसूस की गई। इसके चलते लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई। लोगों को भारी ठंड के चलते दैनिक के काम में देरी हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान गोडडा में 29.7 डिग्री और सबसे कम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस सिमडेगा में रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची में अधिकत तापमान 22.4 डिग्री, जमशेदपुर में 26.6 डिग्री, डालटेनगंज में 27.4, बोकारो में 23.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री, खूंटी में 24.9, लोहरदगा में 21.7, लातेहार में 18.2 डिग्री, सरायकेला में 36.3, गोडडा में 29.7 डिग्री और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।झारखंड में बढ़ती ठंड और शीतलहरी को देखते हुए राज्य सरकार सक्रिय हो गई है। गुरुवार को आपदा प्रबंधन प्रभाग के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने समीक्षा बैठक कर सभी 24 जिलों के उपायुक्तों को कुल 79 लाख रुपये की त्वरित राहत राशि आवंटित की है। मंत्री ने निर्देश दिया कि मुख्य चौक-चौराहों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक जगहों पर तुरंत अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही रात्रि में जिला प्रशासन की चलंत टीमों को तैनात करने का आदेश दिया गया है, ताकि बेघर, बुजुर्ग और गरीबों को तत्काल सहायता मिल सके। डॉ. अंसारी ने कहा कि सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा - ठंड से किसी व्यक्ति को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जरूरतमंदों को तुरंत राहत मिले, यही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि आवंटित राशि को जिला।

थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों का जनप्रतिनिधियों के द्वार अभियान में माननीय सांसद महुआ माझी के द्वार'

लहू बोलेगा रक्तदान संगठन

संवाददाता । रांची

झारखंड थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों एवं रक्तवीरों का जनप्रतिनिधियों के द्वार अभियान में माननीय सांसद महुआ माझी के द्वार लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची,झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन एवं झारखंड राज्य स्वैच्छिक रक्तदान संगठन कॉर्डिनेशन कमेटी के द्वारा आज झारखंड के जनप्रतिनिधियों के द्वार कार्यक्रम के तहत जेएमएम सांसद महुआ माजी के द्वार थैलेसीमिया पीड़ित,परिजन एवं रक्तवीरों का प्रतिनिधिमंडल द्वारा 14 सूत्री थैलेसीमिया पर मांग पत्र एवं 19 सूत्री झारखंड एवं देशव्यापी रक्तदान पर दो स्मार पत्र माननीय सांसद महुआ माजी पुत्र सोनित माजी को दिया गया।सांसद पुत्र ने कहा कि इस पर माँ से बातचीत कर लूंगा पर संसद में प्रश्न हेतू अधिवक्ता अमन कुमार को दोनों स्मार-पत्र दिया और आगे बढ़ने के लिए कहा।प्रतिनिधिमंडल में नदीम खान,संजय टोप्पो,देवकी देवी,संजय महतो,सीमा देवी,रोयान सुरंजन बाड़ा,फारे अह बिलकिस,सानिया परवेज,जयनाथ महतो,पंडित अजीत कुमार मिश्रा शामिल थे।झारखंड थैलेसीमिया पीड़ितों/परिजनों,रक्तवीरों एवं सामाजिक चिंतको का झारखंड के जनप्रतिनिधियों के द्वार अभियान झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र एवं सांसद शीतकालीन सत्र तक चलेगा।जिसमें माननीय मुख्यमंत्री,मंत्री,विधायक,सांसद एवं राजनैतिक दलों के अध्यक्ष से मिला जाएगा।....लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची/झारखंड थैलेसीमिया पीड़ित एसोसिएशन....(संस्थापक नदीम खान,संयोजक संजय टोप्पो, देवकी देवी)

लालपुर थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर सिगरेट पीने वाले पर लगाया जा रहा है जुमार्ना '

संवाददाता । रांची

रांची:लालपुर थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर सिगरेट पीने वालों पर तुरंत जुमार्ना लगाया जा रहा है। पीने वाले व्यक्ति पर 1000 का जुमार्ना लगया जा रहा है 'तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003' के तहत यह कार्रवाई की जा रही है, जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान गैरकानूनी है। इस अधिनियम के उल्लंघन पर भारी जुमार्ना लगाया जा सकता है। कारणः सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर रोक लगाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।कानूनी आधारः यह 'तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन प्रतिषेध तथा व्यापार एवं वाणिज्य, उत्पादन, प्रदाय एवं वितरण विनियमन) अधिनियम, 2003' की धारा 4 के तहत दंडनीय अपराध है, जो सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान को प्रतिबंधित करती है।जुमार्नाः इस कानून का उल्लंघन करने पर ?50,000 तक का जुमार्ना हो सकता है।

संविधान बचाने की रैली रद्द - हिन्दू राष्ट्र बनाने की यात्रा जारी

सरदार पटेल ने हिन्दू राज के विचार को पागलपन कहा था

संवाददाता । रांची

नई दिल्ली, 26 नवंबर, 2025.डॉ उदित राज, पूर्व सांसद और राष्ट्रीय चेयरमैन- दलित, ओबीसी, माइनॉरिटीज और आदिवासी संगठनों का परिसंघ (डोमा परिसंघ) ने कहा कि आज प्रेस वार्ता के माध्यम से देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएँ दी और कहा कि एक तरफ संविधान दिवस मनाया जा रहा है तो दूसरी तरफ सत्ता में बैठी शक्तियां इसे कमजोर करने में लगी हैं। ऐसा प्रमाणित भी हो रहा है। डोमा परिसंघ ने 30 नवंबर को दिल्ली की रामलीला मैदान में संविधान और वोट बचाने की रैली करने का निर्णय लिया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने एनओसी देने से इनकार कर दिया।संविधान बचाने की रैली रद्द करने का मतलब हिंदू राष्ट्र बनाने की साज़िश। सरदार पटेल ने ह्यहिन्दू राजह्न के विचार को पागलपन कहा था लेकिन उनके विचारों के ठीक विपरीत मोदी सरकार कर रही है।एक तरफ संविधान बचाने के आंदोलन पर प्रतिबंध लगाने का कृत्य किया जा रहा है तो दूसरी तरफ संविधान खत्म करने की साज़िश। धीरेंद्र शास्त्री को उसी तरह से पीछे से बीजेपी और आरएसएस समर्थन कर रहे हैं जैसे अन्ना आंदोलन को किया था। अन्ना आंदोलन के द्वारा फर्जी भ्रष्टाचार का भ्रम फैला कर कांग्रेस की सरकार को बेदखल किया था और उसी तरह से अपने पालतू - धीरेंद्र शास्त्री, रामभद्राचार्य सहित कुछ मीडिया के द्वारा षड्यंत्र कराया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार ने निजीकरण और ठेकेदारी प्रथा से बहुत सीमा तक आरक्षण को खत्म कर दिया है। सरकारी प्रतिष्ठानों और विभागों को औने पौने कीमत पर बेच दिया ताकि सरकारी नौकरी रहे हीं न। लेटरल एंट्री के द्वारा बिना आरक्षण के आईएएस बनाने का कार्य इसी सरकार ने किया। संविधान की धारा 15(5) को न लागू करके अच्छी और गुणवत्ता वाली शिक्षा से दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी को वंचित कर दिया है। धर्मांतरण के नाम पर ईसाइयों और मुसलमानों को निरंतर प्रताड़ित किया जा रहा है। जबसे एहर लागू हुआ है, तबसे ज्यादातर नौकरियाँ उनको ही मिल रहीं जो पहले से विकसित थे। जिन पदों पर आरक्षण नहीं है, जैसे कुलपति,

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का आवास खाली कराने का नोटिस देना नीतीश सरकार ने परंपरा व मयार्दा तोड़ा : कैलाश यादव

बीजेपी के दबाव में अहंकारी एवं बदले की भावना वाली राजनीतिक फैसला, ओछी कदम

संवाददाता । रांची

आज दिनांक 27/11/25 को प्रदेश राजद प्रवक्ता कैलाश यादव ने नीतीश बीजेपी एनडीए सरकार द्वारा बिहार विधान परिषद में नेता विरोधी दल एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी का पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड सरकारी आवास खाली कराने का नोटिस देने पर प्रदेश राजद की ओर से कड़ी निंदा व्यक्त किया है ! विदित है विगत दिनों बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठित एनडीए सरकार के कुछ ही दिन बीते है लेकिन नीतीश सरकार ने बदले की भावना वाली राजनीति शुरू कर दिया है ! ज्ञातव्य है कि पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड सरकारी आवास में श्रीमती राबड़ी आजाद हाई स्कूल में संविधान दिवस मनाया गया रांची। हमारे विद्यालय प्रांगण पीएम श्री आजाद उच्च विद्यालय रांची में संविधान दिवस मनाया गया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ,सभी शिक्षकगण तथा सभी बच्चों के बीच संविधान प्रस्तावना का आयोजन किया गया। साथ ही विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मो.कुर्बान अली द्वारा बच्चों को संविधान दिवस का महत्त्व तथा डॉ भीम राव अम्बेडकर के संवैधानिक विचारों से अवगत कराया गया।इस अवसर पर विद्यालय के अंतर्गत विद्यालय के सभी बच्चों के बीच क्विज प्रतियोगिता , निबंध ,पेंटिंग प्रतियोगिता ,भाषण प्रतियोगिता आदि विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस शुभ अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक कुर्बान अली ने कहा कि संविधान हमारे देश की रीढ़ है ।जो हमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है।इस मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण , रूबी सिंह,श्वेता साहू, मो.अनवर अंसारी , अतिकूर रहमान ,राकेश कुमार, अफराज अहसन , तथा बीएड प्रशिक्षु शिक्षक भी मौजूद रहें।

माही का ठंड से जंग जारी: ठिठुरते बच्चों को भेंट किये गर्म स्वेटर

संवाददाताी

राँची, 27 नवंबर 2025: सर्द हवाओं के बीच राँची के पुंदाग क्षेत्र में जरूरतमंद बच्चों के लिए सुखद पल आया। मौलाना आजाद ह्यूमेन इनिशिएटिव (माही) ने इलाही नगर, दीपा टोली स्थित मदरसा खादिमुल इस्लाम के 24 बच्चों को गर्म स्वेटर उपहार स्वरूप भेंट किए। अब ठंड की मार इन नन्हे बच्चों को परेशान नहीं करेगी।यह पहल माही के वार्षिक अभियान ळ्ँ उङ्ग'ि२ इङ्ग'ि,अल्ल ल्ल३ं३५ीु८ टअल्ककका हिस्सा है, जो हर साल भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती (11 नवंबर) के मौके पर शुरू होता है।इस बार ठंड जल्दी और ज्यादा होने की वजह से अभियान को पूरे नवंबर महीने तक बढ़ा दिया गया है।माही का संकल्प है कि यूनिफॉर्म, स्वेटर या जूतों की कमी की वजह से कोई भी जरूरतमंद और बसलाहियत बच्चा पढ़ाई से वंचित न रहे। इसी संकल्प के तहत अब तक सैकड़ों बच्चों तक गर्म कपड़े पहुँचाए जा चुके हैं।कार्यक्रम में मुख्य रूप से मदरसा के मोहतमिम कारी मोनाजिर हुसैन,हाफिज मोहम्मद, कारी अबु अशजद, फिरदौश, कारी मोहम्मद,गौशिया नूर पंचायत के सदर मोहम्मद फिरोज, अंजुमन के कार्यकारिणी शाहिद अख़्तर टुकलु, मोहम्मद नजीब, शम्सु खान, तौसीफ खान, व अशफाक बबलू आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।बच्चों की चमकती आँखें और उनके चेहरों पर आई रौनक ही इस अभियान की सबसे बड़ी कामयाबी थी।

ब्रीफ न्यूज

एयरटेल एमडी का अलटर्ः मुख्य बैंक खाते से वढकभुगतान करना बढ़ा रहा है डिजिटल फ्रॉड का जोखिम

संवाददाता ।

रांचीः डिजिटल फ्रॉड और ऑनलाइन स्कैम तेजी से बढ़ते हुए भारत के लिए एक बड़ी चिंता बन गए हैं। हर रोज कोई ना कोई डिजिटल धोखाधड़ी का मामला जगह जगह देखने को मिल रहा है, जिसका शिकार छोटे बड़े सभी लोग हो रहे हैं। ऐसे में डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव का एक तरीका सेकंड बैंक अकाउंट हो सकता है जिससे आप रोजमर्रा के लेनदेन कर सकते हैं और जिसमें आवश्यकता अनुसार थोड़ा धन सेविंग के रूप में रखा जा सकता है, और जिसमें ग्राहकों को ब्याज भी मिलेगा।इसी का एक बेहतर विकल्प एयरटेल पेमेंट बैंक के रूप में एयरटेल ने ग्राहकों के लिए पेश किया है। जो ग्राहकों की वित्तीय सुरक्षा को और मजबूत करने के साथ ही पूरी तरह से सुरक्षित और आसान बैंकिंग सुविधा मुहैया कराएगा।कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे अपने डिजिटल भुगतान के लिए एक सुरक्षित ह्लसेकंड अकाउंटह्व बनाएं, जिससे मुख्य बैंक खाते को किसी भी ऑनलाइन खतरे से बचाया जा सके।एयरटेल के वाईस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री गोपाल विट्टल ने अपने ग्राहकों को डिजिटल फ्रॉड से सजग रहने की अपील करते हुए एक चिट्ठी लिखी है जिसमें उन्होंने कहा कि डिजिटल ठगी आजकल फर्जी पार्सल डिलीवरी, पुरस्कार जीतने के नाम पर लिंक भेजने तथा डिजिटल गिरफ्तारी के डर जैसी नई-नई तरकीबों के सहारे बढ़ रही है। उन्होंने कहाःह्लएयरटेल नेटवर्क पर होने वाला कोई भी धोखाधड़ी का मामला हमें दुख पहुंचाता है। इसलिए आपकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम दुनिया के पहले टेल्को हैं जो अकआधारित स्पैम कॉल और मैसेज अलर्ट उपलब्ध कराते हैं। हमने फर्जी लिंक को क्लिक होने पर भी ब्लॉक करने की तकनीक विकसित की है।उन्होंने आगे कहा कि फ्रॉड का एक बड़ा कारण यह है कि अधिकांश लोग हर भुगतान के लिए अपने मुख्य बैंक खाते का उपयोग करते हैं। इससे छोटी-सी गलती भी पूरी बचत को जोखिम में डाल सकती है।

झारखंड उच्च न्यायालय ने टीजीटी नियुक्ति से जुड़ी 363 याचिकाओं का एक साथ किया निपटारा

संवाददाता ।

रांचीः : झारखंड उच्च न्यायालय ने टीजीटी (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर) नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित सभी 363 लंबित याचिकाओं पर गुरुवार को एक साथ फैसला सुनाते हुए उन्हें निपटा दिया। इन सभी मामलों की सुनवाई न्यायमूर्ति आनंदा सेन की एकल पीठ में हुई। अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि सभी याचिकाओं में तथ्य और कानूनी बिंदु समान हैं। इसलिए इनका निपटारा मीना कुमारी बनाम झारखंड कर्मचारी चयन आयोग मामले में पारित आदेश के आधार पर किया जा रहा है। इन याचिकाओं में अधिवक्ता चंचल जैन, अजय कुमार पाठक, तेजस्विता सफलता, शुभम मिश्रा, अमृतांश वत्स, अभिजीत इंद्र गुरु समेत कई अन्य वकीलों की ओर से दाखिल मामले भी शामिल थे। अदालत ने सभी पर समान निर्णय लागू करते हुए अंतिम रूप से निस्तारण कर दिया। उच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान यह भी स्पष्ट किया कि यदि मीना कुमारी केस में आगे अपील के दौरान कोई संशोधन या नया आदेश आता है, तो उसका प्रभाव स्वतः इन सभी निस्तारित याचिकाओं पर भी लागू होगा। झारखंड उच्च न्यायालय का यह फैसला टीजीटी अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि न्यायालय ने सभी मामलों पर एकसमान निर्णय देकर न्यायिक स्थिरता और पारदर्शिता सुनिश्चित की है।

रांची में बुजुर्ग से छिनतई, बाइक सवार अपराधी 1.13 लाख लेकर फरार

संवाददाता ।

रांचीःरांची : रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक बुर्जुग से छिनतई का मामला प्रकाश में आया है। बाइक सवार दो अपराधियों ने एक लाख 13 हजार रुपये से भरा बैग छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, कोकर के पाहन टोली निवासी फिलमोन बा (70) कोकर स्थित बैंक ऑफ इंडिया से रुपये निकालकर टोटो से पंजाब नेशनल बैंक मेन रोड में जमा करने जा रहे थे। जैसे ही टोटो लालपुर थाना के पास पहुंची, उसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार दो अपराधियों ने टोटो को ओवरटेक किया और पैसे से भरा बैग छीन कर फरार हो गये। मामले की जानकारी मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक (सिटी एसपी) पारस राणा मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। सिटी एसपी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश की जा रही है। पीड़ित व्यक्ति बैंक ऑफ इंडिया से पैसे निकाल कर जा रहे थे। इसी दौरान इस वारदात को अंजाम दिया गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पीड़ित ने आरोपितों की पहचान की है। उसके आधार पर अपराधियों के धर-पकड़ के लिए प्रयासकिए जा रहे हैं। उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मांडर पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता ।

मांडर : मांडर प्रखंड के मांडर पंचायत में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। शिविर में सुबह से ही ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। अधिकारियों ने मौके पर ही लोगों की समस्याएं सुनीं और कई आवेदनों का त्वरित निपटारा किया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी-सहअं चल अधिकारी चंचला कुमारी, प्रमुख फिलिप सहाय एक्का, उपप्रमुख अमानत अंसारी, चिकित्सा प्रभारी किशोर कुल्लू, जेईई आशुतोष श्रीवास्तव, मुखिया प्रकाश खलखो सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।शिविर में वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, आय-आवास-जाति प्रमाण पत्र, मनरेगा, आवास योजना, स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाओं सहित कई सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन स्वीकार किए गए। मौके पर ही कई मामलों का समाधान किया गया,

आसनबनी में 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम का विधायक संजीव सरदार ने किया शुभारंभ

जमशेदपुर, संवाददाता

झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' के तहत गुरुवार पोटका प्रखंड अंतर्गत आसनबनी पंचायत प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां विधायक संजीव सरदार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की।इस दौरान अपने संबोधन में विधायक संजीव सरदार ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार द्वारा संचालित यह कार्यक्रम जनता और सरकार के बीच की दूरी को समाप्त करने का माध्यम है। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे पेंशन, आवास, राशन, कृषि-लाभ, स्वास्थ्य सेवाएं, आय-सृजन योजना आदि की विस्तृत जानकारी भी ग्रामीणों को दी। साथ ही उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना ही इस कार्यक्रम की आत्मा है। उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं का समाधान मौके पर प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रत्येक स्टॉल का निरीक्षण कर योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी लेते हुए लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार की नीतियां और सुविधाएं सीधे जनता तक पहुंचाना ही सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। मौके पर सीओ निकिता बाला, बीडीओ अरुण कुमार मुंडा, झामुमो प्रखंड कमिटी अध्यक्ष सुधीर सोरेन, झारखंड

आंदोलनकारी सुनील महतो, बबलू चौधरी, पूर्व जिला परिषद सदस्य चन्द्रावती महतो, हितेश भगत समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद थे।

भाजपा ने स्कूल किए बंद, हेमंत सरकार शिक्षा को दे रही है नई ऊंचाई : संजीव सरदार

1 करोड़ 3 लाख की लागत से 10 कमरों का दो मंजिला बनेगा भवन, 15 माह में पूरा होगा निर्माण

- पोटका में शिक्षा का नया अध्याय, विधायक संजीव सरदार ने किया प्लस-2 उच्च विद्यालय भवन का शिलान्यास
- जल्द पोटका को मिलेगा 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस'

जमशेदपुर, संवाददाता

पोटका प्रखंड अंतर्गत सानग्राम में गुरुवार विधायक संजीव सरदार की अनुशंसा पर स्वीकृत +2 उच्च विद्यालय के भवन के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास पूजा अर्चना कर सम्पन्न हुआ। जहां ग्रामीणों ने गाजे-बाजे के साथ विधायक का गर्मजोशी से स्वागत भी किया।झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा स्वीकृत इस निर्माण कार्य पर कुल 1 करोड़ 3 लाख

रुपए व्यय होगी। जिसके तहत 10 कमरे (5+5 कमरों का दो तल्ला भवन) तैयार किया जाएगा। यह कार्य आरकेसीपीएल कंस्ट्रक्शन द्वारा 15 महीनों में पूरा किया जाएगा। इस दौरान अपने संबोधन विधायक संजीव सरदार ने कहा कि भाजपा की सरकार ने पूरे राज्य में कई हजार सरकारी स्कूल बंद किए थे। लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार शिक्षा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

उनका सपना है कि राज्य के हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। उन्होंने बताया कि पोटका में जल्द ही 'सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस' खोला जाएगा और जिससे स्थानीय विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा का लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि उनके निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि पोटका के इतिहास में पहली बार छह माध्यमिक विद्यालयों को प्लस-2 में उत्क्रमित किया जा रहा है। जिनमें माध्यमिक विद्यालय शंकरदा, डोमजुड़ी, राजदोहा, जहातु, जामडीह और माध्यमिक विद्यालय मांगडू शामिल है। जबकि अन्य विद्यालय भी जल्द ही +2 में उत्क्रमित होंगे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय पोटका के हजारों बच्चों के भविष्य को बदलने वाला साबित होगा। मौके पर मुखिया अभिषेक सरदार, पीएसएस बिनोती सी, प्रधानाध्यापिका बीबी रानी मुंडा, शिक्षक अनिल मुंडा, खगे सरदार, प्रखंड अध्यक्ष सुधीर सोरेन, झारखंड आंदोलनकारी सुनील महतो, बबलू चौधरी, पूर्व जिप सदस्य चन्द्रावती महतो और हितेश भगत समेत अन्य भी मौजूद थे।

पति की हत्या मामले में पत्नी सावित्री देवी को आजीवन कारावास

तेनुघाट (बोकारो) : तेनुघाट व्यवहार न्यायालय के जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी ने पति की हत्या के आरोप में दोषी पाई गई सावित्री देवी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मामला जरीडीह थाना क्षेत्र के गोपालपुर का है, जहाँ सूचक परमेश्वर मांझी ने थाने में बयान दिया था कि उसके पुत्र की शादी सावित्री देवी से हुई थी और उनके दो बच्चे भी हैं। पत्नी का किसी अन्य पुरुष से संबंध होने की बात को लेकर कई बार पंचायत भी हुई थी, लेकिन स्थिति नहीं सुधरी। आरोप है कि इसी अवैध संबंध के कारण सावित्री देवी ने उस युवक के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। बयान के आधार पर जरीडीह थाना में केस दर्ज हुआ और आरोप पत्र दाखिल होने के बाद मामला जिला जज सूर्य मणि त्रिपाठी की अदालत में पहुंचा। उपलब्ध साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अदालत ने सावित्री देवी को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद दोषी को तेनुघाट जेल भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक विजय कुमार साहू और आशीष कुमार लोहरा ने बहस की।

एकड़ा नदी में भूधसान और दरार की खबर सुनकर पहुंचे बीसीसीएल अधिकारी, अस्थायी मरम्मत शुरू की

- नदी से छेड़छाड़ मतलब प्रकृति से छेड़छाड़, एनजीटी में करेंगे शिकायत-ग्रामीण

धनबाद, संवाददाता

एकड़ा नदी में भूधसान और दरार की खबर मिलने के बाद बीसीसीएल पीबी एरिया प्रबंधन तुरंत मौके पर पहुंचा और उक्त स्थल की अस्थायी मरम्मत शुरू करा दी। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल बालू की बोरियों से बहाव मोड़ा जा रहा है। उसके बाद दरार वाले हिस्से पर आरसीसी करने की प्रक्रिया की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि यह उपाय कुछ दिनों के लिए राहत देगा, स्थायी समाधान आईआईटी - आईएसएम की रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा। निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारियों ने कहा कि यह इलाका पुरानी भूमिगत खदानों का है। यहां वर्षों पहले कोयला उत्पादन हुआ था, जिससे नीचे की जमीन

खोखली हो चुकी है। नदी का पानी भीतर रिसता रहा और जमीन कमजोर होकर धंसती गई। इसी वजह से एकड़ा नदी में बार-बार दरारें और भूधसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं एकड़ा हरिजन बस्ती के ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पास में चल रही आउटसोर्सिंग सिंह नेचुरल कंपनी द्वारा लगातार की जा रही हेवी ब्लास्टिंग से यह भयावह स्थिति पैदा हुई है। ग्रामीणों के अनुसार नदी ही नहीं, घरों, मंदिरों और स्कूलों की दीवारों में भी दरारें साफ साफ दिखाई देती हैं। हमलोग कई बार सिजुआ एरिया प्रबंधन को आवेदन और मौखिक शिकायत देकर कहा है कि हमें किसी सुरक्षित स्थान पर बसाया जाए। हमारी जमीन रैयती है, मगर फिर भी हमारी बातों को अनसुना किया जा रहा है। प्रबंधन को हमलोगों की जान-माल का कोई परवाह नही है।

आईआईटी-आईएसएम से मांगी गई तकनीकी सलाह

पीबी एरिया ने अस्थायी समाधान के रूप में एचडीपी होम पाइप लगाने का प्रस्ताव मुख्यालय को भेजा है। मुख्यालय ने प्रस्ताव को आईआईटी-आईएसएम भेजकर इसकी तकनीकी जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने के बाद स्थायी समाधान को लेकर आगे की कार्रवाई तय होगी। वही स्थानीय लोग उम्मीद जता रहे हैं कि इस बार वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर एकड़ा नदी और हरिजन बस्ती की समस्या का स्थायी और सुरक्षित समाधान निकलेगा।

नदी का बहाव थमने से बड़ी आबादी पर पड़ रहा है गंभीर असर

ग्रामीणों ने बताया कि आसपास के घरों की पूरी जरूरतें इसी नदी के पानी से पूरी होती हैं। पानी का स्त्रोत नीचे जाने से अब नहाने-धोने, पशु-पानी, खेती सब प्रभावित हैं। इसके अलावा, नदी के किनारे ही स्थित श्मशान घाट भी प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों ने कहा कि चिताएं जलाने में समस्या आ रही है।नदी से छेड़छाड़, प्रकृति से छेड़छाड़ के बराबर है। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा है कि वे लोग इस पूरे मामले को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में शिकायत करेंगे। जो भी अधिकारी या कंपनी इसमें दोषी होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे।

लोहे की उखड़ी पट्टियां और उखड़े टाइल्स ने आरपीएफ हेड कांस्टेबल की ले ली जान, लोगों में आक्रोश

धनबाद, संवाददाता

बुधवार की देर रात गोमो स्टेशन पर हुई एक दर्दनाक दुर्घटना हादसा ने रेलवे प्लेटफॉर्म निर्माण और मरम्मत कार्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बात दरअसल यह है कि धनबाद-फिरोजपुर लुधियाना एक्सप्रेस की चपेट में आने से गोमो में कार्यरत आरपीएफ हेड कांस्टेबल श्रीपती बास्की (40) की मौके पर मौत हो गई। लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान ने मामले का रुख ठेकेदार की लापरवाही और असुरक्षित प्लेटफॉर्म की ओर मोड़ दिया है। यात्रियों ने बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या 3 पर लोहे की पट्टी उखड़ी हुई थी, टाइल्स टूटी पड़ी थीं और सतह बेहद असुरक्षित थी। कई यात्रियों का आरोप है कि प्लेटफॉर्म पर महीनों से मरम्मत का काम चल रहा है, लेकिन ठेकेदार हो या इंजीनियर किसी ने भी सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि हेड

कांस्टेबल श्रीपती बास्की हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस से स्कॉट ड्यूटी के लिए गया जाने वाले थे। जैसे ही वह ब्रिज से उतरकर प्लेटफॉर्म पर आए, उसी समय प्लेटफॉर्म संख्या 3 से लुधियाना एक्सप्रेस खुल रही थी। उखड़ी हुई पट्टी पर पैर फिसलने और प्लेटफॉर्म की खराब स्थिति के कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और वे ट्रेन की चपेट में आ गए। यात्रियों का कहना है अगर प्लेटफॉर्म ठीक होता, लोहे की पट्टी और टाइल्स नहीं उखड़ी होतीं, तो हादसा नहीं होता, यह सीधे सीधे ठेकेदार की लापरवाही का परिणाम है। घटना की जानकारी मिलते ही आरपीएफ कमांडेंट, आरपीएफ इंस्पेक्टर संतोष कुमार झा, रेल थानेदार शाहजहां खाँ समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे,ट्रेन को रोककर शव बाहर निकाला गया और रेल थाना में सुरक्षित रख परिजनों को सूचना दी गई। बताया जाता है कि मृतक पहले डीआरएम के बॉडीगार्ड भी रह चुके थे।। घटना के बाद लोगों में गुस्सा देखते ही बन रहा था। यात्रियों ने मांग किया कि प्लेटफॉर्म निर्माण में लापरवाही की जांच हो। जिम्मेदार ठेकेदार पर प्राथमिकी दर्ज की जाए। लोगों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई।

कुसमाटांड़ पानी प्लांट में ट्रांसफॉर्मर चोरी, जल संकट से हाहाकार

धनबाद, संवाददाता

कुसमाटांड़ पानी प्लांट में सप्ताह भर पहले चोरों द्वार पानी प्लांट में अवस्थित ट्रांसफार्मर को चोरी हो जाने से बलियापुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना फेस 2 फेल हो गया जिससे 12 पंचायत के 27गांव के 4000 ग्रामीण पाइप लाइन के पानी से वंचित हो गए। लोग पानी के लिए त्राहिमाम करने लगे। मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी और विधायक प्रतिनिधि सह पंसस हीरालाल मोदक,पंचायत समिति सदस्य गण के साथ कुसमाटांड़ पानी प्लांट पहुंचे और प्लांट पहुंच कर प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी मुरारी नायक, पेयजल के अभियंता लखीराम माझी, वप्लांट हेड नवीन कुमार को तलब किया और कहे कि मामले पर उचित कार्रवाई कर 72 घंटे के अंदर बाधित जलापूर्ति को

पुनः चालू करे। इस पर प्रभारी प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बलियापुर थाना प्रभारी सत्यजित कुमार, बिजली विभाग के एस डी ओ और एस ई को मामले पर उचित कार्रवाई हेतु दूरभाष के माध्यम से दिशा निर्देश दिए इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने दूरभाष पर ही बिजली विभाग के एस डी ओ को जमकर खरीखोटी सुनाया। मामले पर पुनः प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी और विधायक प्रतिनिधि सह पंसस हीरालाल मोदक ने कहा कि जनता हित मे किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तय समय पर सुधार नहीं होने पर हम आंदोलन को बाध्य होंगे। प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी ने कहीं सरकार आपके द्वारा का कार्यक्रम भी चल रहा है जिसमें पदाधिकारी हो या संबंधित पंचायत के प्रतिनिधि हो सभी ने आमंत्रण किया दायित्व भी बन रहा था कि पंचायत में जाकर आपकी सरकार आपके द्वार के कार्यक्रम में भाग ले लेकिन वहां नहीं पहुंचकर मैं आवश्यकता समझा कि यह जलापूर्ति जो खराब हुई है आज सप्ताह भर से जिसमें 12 पंचायत के लोग प्रभावित हुए हैं इसे सही समय पर सुधार करना और ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराना और पानी को सुचारू रूप से चालू करना यह मेरे लिए पहली प्राथमिकता है जिसके लिए मैं सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाई। मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, पंसस तपन रजक, मथुरा महतो, जितेंद्र मंडल, भूदेव महतो, रिंकू निषाद, उमेश रवानी आदि लोग थे।

पत्रकार के भाई ने की बिना दहेज की शादी। शादी बना समाज के लिए मिसाल

धनबाद, संवाददाता

पुटकी। पुटकी बाजार निवासी सुभाष प्रसाद वर्णवाल के पुत्र डॉ कुश कुमार वर्णवाल की शादी बिना दहेज के गिरिडीह जिले के धवैया गांव निवासी बच्चू मोदी (वर्णवाल) की पुत्री शिल्पा कुमारी से धूमधाम से संपन्न हुई, जिसने समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया। डॉ कुश कुमार स्थानीय पत्रकार लव कुमार वर्णवाल के भाई हैं। कुश एसबीआई सीएसपी संचालक एवं कंप्यूटर इंस्टिट्यूट संचालक है। दोनों की शादी अरेंज मैरिज के रूप में तय हुई थी। बारात पुटकी से रवाना होकर सरिया स्थित एरीना लॉज पहुँची, जहां सभी पारंपरिक रीतिझरिवाजों के साथ हर्षोल्लास के माहौल में विवाह संपन्न हुआ। परिवार और गांव-समाज के लोगों ने दहेजमुक्त शादी के इस पहल की भरपूर सराहना की। परिजनों ने कहा कि दहेज प्रथा

को समाप्त करने के लिए ऐसे कदम समाज में जागरूकता बढ़ाने में सहायक हैं। स्थानीय लोगों ने इसे प्रेरणादायक बताते हुए नवदंपति को शुभकामनाएं दीं। डॉ कुश कुमार वर्णवाल ने बताया कि हमारा लक्ष्य सिर्फ शादी करना नहीं था, बल्कि समाज के सामने यह संदेश देना था कि दहेज के बिना भी रिश्ते सम्मान और विश्वास के साथ निभाए जा सकते हैं।

बीएसएल में गैस रिसाव आपदा से निपटने के लिए व्यापक मॉकड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में गैस रिसाव जैसी आपात स्थिति से निपटने की तैयारी परखने के लिए गुरुवार को वृहद पैमाने पर मॉकड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास में बीएसएल के गैस सेफ्टी (ईएमडी), सेफ्टी विभाग, ब्लास्ट फर्नेस, प्लांट कंट्रोल, चिकित्सा सेवाएँ, बीएसएल सिक्योरिटी के साथ-साथ CISF, जिला प्रशासन और NDRF की टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रातः करीब 11 बजे शुरू हुई यह मॉकड्रिल डेढ़ घंटे तक चली। अभ्यास में परिचालनीय तैयारी, प्रतिक्रिया समय, सूचना आदान-प्रदान की गति, मेडिकल सपोर्ट की मुस्तैदी, तथा मल्टी-एजेंसी समन्वय जैसे अहम बिंदुओं की गहन परख की गई। चिन्हित स्थानों

पर मौजूद पर्यवेक्षकों ने मॉकड्रिल के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में अपने-अपने अवलोकन साझा किए। मॉकड्रिल के दौरान जिला उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, बीएसएल के अधिशासी निदेशक (वर्क्स) प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त, डीडीसी शताब्दी मजूमदार, एसडीएम प्रांजल ढाडा समेत बीएसएल और जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी घटनास्थल पर बने इंसिडेंट पोस्ट पर मौजूद रहे। मॉकड्रिल सम्पन्न होने पर जिला आपदा पदाधिकारी शक्ति कुमार, CISF तथा NDRF 9वीं बटालियन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने प्रेक्षणों से अधिकारियों को अवगत कराया। गौरतलब है कि बीएसएल पूर्वी भारत की सबसे महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाइयों में से एक है। इस्पात उत्पादन से जुड़े थर्मो-सेंसिटिव वातावरण और रासायनिक जोखिमों के कारण यहां समय-समय पर CBRN मॉकड्रिल आयोजित की जाती है।

लोकगीतों के जरिये मधुकरपुर पंचायत में सरकारी योजनाओं की जागरूकता बढ़ी

बोकारो, संवाददाता

कसमार प्रखंड के मधुकरपुर पंचायत में गुरुवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहयोग से सरस्वती वंदना मंच, बोकारो की टीम ने लोकगीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में आकर्षक गीतों और लघु नाटिकाओं के जरिए प्रमाण पत्र निर्गमन, पेंशन योजनाएं, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्यान्न वितरण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से संदेश दिया गया। मंच की प्रस्तुति से ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने बताया कि सांस्कृतिक माध्यमों से जानकारी मिलने से योजनाओं को समझना आसान होता है। विभागीय अधिकारियों ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि अंतिम छोर तक के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना ग्रुप के हेमकांत मिश्रा, संजय पाठक, प्रेम पाठक और अमित महतो मौजूद रहे।

सहयोगिनी ने वर्षभर में बोकारो को बाल विवाह मुक्त बनाने का लिया संकल्प

बोकारो, संवाददाता

बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से मिटाने के उद्देश्य से गैरसरकारी संगठन सहयोगिनी ने घोषणा की है कि वह सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर एक वर्ष में पूरे बोकारो को बाल विवाह मुक्त बनाएगा। यह घोषणा भारत सरकार की 100 दिवसीय विशेष कार्ययोजना से प्रेरित होकर की गई है, जिसके तहत देशभर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान एक वर्ष पूरा होने पर नए सिरे से गति पकड़ रहा है। अभियान के तहत स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों, विवाह से जुड़े सेवा प्रदाताओं, पंचायतों और नगर निकायों में व्यापक जागरूकता फैलाने की रणनीति बनाई गई है।

सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि संगठन देशव्यापी नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का हिस्सा है, जिसने पिछले एक वर्ष में एक लाख से अधिक बाल विवाह रोके, जबकि सहयोगिनी ने बोकारो जिले में 235 बाल विवाह रुकवाए हैं। जिले के गोमिया, कसमार, दांतू, खैराचतर, चास, बहादुरपुर, कमलडीह, कस्तूरबा विद्यालय गोमिया और तेनुघाट में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान जागरूकता रैली, शपथ समारोह और सामुदायिक संवाद हुए। संगठन ने लोगों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की कानूनी धाराओं और इसमें शामिल होने पर होने वाली सजा के बारे में जागरूक किया। सागर ने कहा कि सरकार का यह 100 दिवसीय अभियान देश की दिशा बदलने वाला साबित होगा और समुदाय, जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासन के संयुक्त सहयोग से बोकारो को साल भर में बाल विवाह मुक्त बनाना पूरी तरह संभव है। कार्यक्रम में सहयोगिनी के रवि कुमार राय, सोनी कुमारी, अनिल हेंब्रम, प्रवीण कुमार यादव, मंजू देवी, सीता देवी, उषा देवी, पिंकी देवी, अंजू देवी, रोशनी कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रिया कुमारी, राशि कुमारी, सूरजमनी देवी, विकास कुमार गोस्वामी, किरण, अभय कुमार सिंह, प्रकाश कुमार महतो, विनीता देवी, रेखा देवी, पुष्पा देवी, संगीता देवी समेत कई लोग उपस्थित रहे।

बीएसएल में महिला स्वास्थ्य जागरूकता हेतु विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

बोकारो, संवाददाता

बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन और निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को बोकारो जनरल अस्पताल के हेल्थ रिट्रीट परिसर में सीआईएसएफ की महिला कर्मियों एवं संरक्षिका की महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बी. बी. करुणामय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। शिविर में डीआईजी नीति मित्तल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिन्दा मंडल, डॉ. इन्द्रनील चौधरी, एसीएमओ डॉ. दीपक कुमार सहित कई चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। शिविर में महिलाओं की ऊँचाई, वजन, बीएमआई, रक्तचाप, ईसीजी, रक्त परीक्षण और कैंसर स्क्रीनिंग सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांच की गईं। उल्लेखनीय है कि इसी प्रकार का शिविर अक्टूबर माह में भी आयोजित हुआ था। बीएसएल महिला स्वास्थ्य संरक्षण और निवारक चिकित्सा के प्रति निरंतर प्रयासरत है।

कांग्रेस की समीक्षा बैठक, कांग्रेस नेता दिल्ली रवाना

राजेश राम इस्तीफे पर बोले-केंद्रीय नेतृत्व जो बोलेगी,अमल करूंगा; योगी मॉडल पर पप्पू का पलटवार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के हार की समीक्षा के लिए कांग्रेस ने एक अहम बैठक बुलाई है। आज कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में 3 बजे से बैठक शुरू होगी। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, पूर्व CLP, सभी सांसद, विधायक, सभी कांग्रेस प्रत्याशी को बुलाया गया है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम सहित कांग्रेस के तमाम बड़े नेता पटना से दिल्ली रवाना हुए हैं। चुनावी नतीजों के बाद प्रदेश के नेताओं के साथ कांग्रेस नेतृत्व की यह पहली बैठक है। इस बैठक में विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा और आगे की रणनीति पर होगी चर्चा। बिहार चुनाव में कांग्रेस ने सिर्फ 6 सीट ही जीती है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कांग्रेस की दिल्ली में आज होने वाली बैठक पर कहा- चुनाव में हार के बाद यह पार्टी की समीक्षा बैठक है। चुनाव लड़ने वाले नेताओं और राज्य के नेताओं के साथ यह बैठक होगी। 14 दिसंबर को SIR पर दिल्ली में होने वाली रैली पर भी इस बैठक में चर्चा होगी। कांग्रेस को बिहार में मिली बड़ी हार के बाद पार्टी में विरोध पर कहा- कांग्रेस लोकतांत्रिक पार्टी है। टिकट नहीं मिलने से नेताओं में नाराजगी है। घर के लोग हैं, घर में ही नाराज होने पर घर में ही मांग करेंगे। हार की जिम्मेवारी को लेकर इस्तीफा देने की बात पर राजेश राम ने कहा- जिम्मेदारी केंद्रीय नेतृत्व फैसला करती है। केंद्रीय नेतृत्व जो फैसला करेगी, उसे पर अमल करूंगा। रोड पर इस तरह की चर्चा सामान्य होती है, यह कोई बड़ी बात नहीं है। नेतृत्व की इस्तीफा की मांग पर बोले पप्पू यादव बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद आज दिल्ली में कांग्रेस की समीक्षा बैठक को लेकर के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा- बिहार चुनाव की समीक्षा बैठक होगी। किसने जिम्मेदारी को अच्छे तरीके से निभाया, कैसे वोट चोरी की गई, कैसे आम जनता के अधिकारों को छीना गया, कैसे सबको लेकर के चुनाव आयोग ने गड़बड़ी की, इस मुद्दे को लेकर के सारी बैठक होगी। बिहार कांग्रेस के नेता नेतृत्व की इस्तीफा की मांग कर रहे हैं। बिहार कांग्रेस में विरोध दिखाई दे रहा है, इस पर पप्पू यादव ने कहा- यह मुद्दा डिसिप्लिन कमेटी का है। यह मुद्दा सिर्फ नेतृत्व का है। मैं इसमें कहीं नहीं आता हूं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह चलता रहता है। लेकिन जो लोग इस्तीफा मांग रहे हैं, उन्हें अपने गिरेबान में भी झांकना चाहिए। अपने दायित्व और जिम्मेदारी का एहसास करना चाहिए। राबड़ी आवास खाली करने को लेकर पप्पू यादव ने कहा- 'यह गलत है। यह लगातार बिहार में गरीबों का आशियाना छिना जा रहा है। दुकानदारों को मारा जा रहा है, आप कहीं किसी को आशियाना जमीन देंगे नहीं, यह हिटलर का राज थोड़ी है, जो बदले की भावना से काम करेंगे।'पप्पू यादव ने कहा, 'मैं सरकार से मांग करता हूं कि जो लगातार अपने नालंदा में गरीबों का घर तोड़ दिया, पटना में लगातार दुकान तोड़ रहे हो, ऐसा मैंने कभी भी लालू-नीतीश जी के राज में नहीं देखा और यह बर्दाश्त भी नहीं होगा। इसको मैं लोकसभा में भी रखूंगा और इसकी लड़ाई भी लड़ूंगा।'बिहार में योगी मॉडल पर कहा- यहां कोई बुलडोजर नहीं चल पाएगा। यहां नीतीश मॉडल की बात होनी चाहिए। यह बिहार है, ये कर्पूरी ठाकुर, जेपी और लोहिया का बिहार है। यह हिटलर का बिहार नहीं है। नेता पदाधिकारी और जमीन माफिया मिल करके इस तरह की हरकतें शुरू किए हैं, ताकि जमीन पर कब्जा किया जा सके। पप्पू यादव ने आगे कहा, आप फैक्ट्री लगाइए, भ्रष्टाचार खत्म कीजिए। लगातार मर्डर हो रहा है, गोली मारी जा रही है। आते ही ऐसी कौन सी राजनीतिक भावना से काम शुरू किया है। ना हम गरीबों के आशियाना उजड़ने देंगे और ना ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के साथ इनको कोई कार्य करने देंगे। सभी 61 प्रत्याशी देंगे अपने क्षेत्र की रिपोर्ट इस बैठक में जीते हुए छह विधायकों सहित उन सभी 61 प्रत्याशियों को बुलाया गया है, जिन्होंने इस चुनाव में पार्टी का प्रतिनिधित्व किया था। हर प्रत्याशी को अपने क्षेत्र की डिटेल रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें यह बताना जाएगा कि किस वजह से हार का सामना करना पड़ा, स्थानीय स्तर पर कौन से मुद्दे प्रभावी रहे और संगठनात्मक रूप से पार्टी किन मोर्चों पर पिछड़ गई। यह रिपोर्ट चुनावी रणनीति की समीक्षा का आधार बनेगी। छह साल के लिए 7 नेताओं को किया निष्कासित दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने 43 कांग्रेस नेताओं को कारण बताओ नोटिस भेजा था। इसमें से कांग्रेस ने पार्टी-विरोधी गतिविधियों के कारण 6 साल के लिए 7 नेताओं को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया। इसमें कांग्रेस सेवा दल के पूर्व उपाध्यक्ष आदित्य पासवान, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष शकीलुर रहमान, किसान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार राजन, अति पिछड़ा विभाग के पूर्व अध्यक्ष कुंदन गुप्ता, बांका जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष कंचना कुमारी और नालंदा जिला के रवि गोल्डन को पार्टी से निष्कासित किया गया है। बागी नेताओं ने भी दिल्ली में डेरा डाला हुआ है। डेरा कांग्रेस हाईकमान की बैठक के पहले कांग्रेस के नाराज नेता भी दिल्ली पहुंच चुके हुए हैं। इन नेताओं में पूर्व विधायक और पार्टी के अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। ये नेता प्रदेश नेतृत्व के साथ होने वाली बैठक के पूर्व आलाकमान से मिलने की कोशिश में हैं। ताकि केंद्रीय नेतृत्व को चुनाव में पराजय की वजह, टिकटों की खरीद-बिक्री, जिताऊ उम्मीदवारों की दरकिनार करने जैसे मुद्दे गिना सकें। इसके अलावा वह लोग प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के इस्तीफे की मांग भी करने वाले हैं।

मर्डर टू अटेंप्ट मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

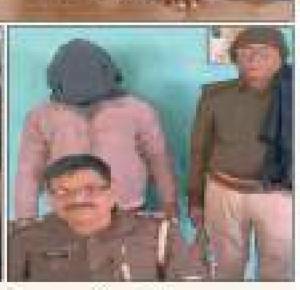

पटना। गयाजी के मुफस्सिल और कोंच थाना में दर्ज तीन अलग-अलग मर्डर टू अटेंप्ट मामले में 5 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जमीन विवाद में हमला 25 अगस्त 2025 को जमीन विवाद को लेकर प्रमोद कुमार और उसके सहयोगियों पर हमला करने का केस दर्ज किया गया था। पीड़ित ने थाने में दिए आवेदन में कहा था कि प्रमोद कुमार उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लोहे के रॉड और डंडे से हमला कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। इस मामले में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 857/25 दर्ज किया गया। विशेष अभियान के तहत खाकिन पंचवा से मुख्य आरोपी प्रमोद कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की दबिश जारी है। तीन आरोपी को पुलिस ने पकड़ा 24 नवंबर 2025 को दूसरे केस में बिंदु कुमार पर हमला करने का आरोप है। वादी ने बताया कि वह अपने घर में थे, तभी बिंदु कुमार और उसके सहयोगी पहुंचे। गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले में कांड संख्या 1211/25 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई में तेतरिया निवासी बिंदु कुमार, उसके पिता दरबारी यादव और एक महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। खेत में पटवन के दौरान हमला तीसरा मामला कोंच का है। 21 अगस्त 2025 को दर्ज तीसरे मामले में वादी ने बताया कि वह अपने खेत में पटवन कर रहे थे। उसी दौरान कुल्लु कुमार उर्फ शेरवा अपने सहयोगियों के साथ वहां पहुंचा। गाली-गलौज के बाद लोहे के रॉड और डंडे से गंभीर रूप से घायल कर दिया। कोंच थाना कांड संख्या 422/25 में नामजद आरोपी प्रधाना निवासी कुल्लु कुमार उर्फ शेरवा को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही एक नाबालिक को भी पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। थाना क्षेत्रों में गश्त और निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

गयाजी में हाथ-पैर बांधकर युवक की गोली मारकर हत्या

पटना। गयाजी में अफेयर में एक शख्स की हाथ-पैर बांधकर कनपट्टी और गर्दन में गोली मार कर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान संजय कुमार(18) के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि संजय को उसकी प्रेमिका ने फोन कर मिलने बुलाया था। जैसे ही संजय प्रेमिका के बताए जगह पर पहुंचे उसे कुछ लोगों ने पकड़ लिया। उसके हाथ-पैर को रस्सी से बांधने के बाद पहले उसकी पिटाई की, फिर गोली मारकर सभी फरार हो गए। घटना गुरुवार सुबह दरेजी बाजार से करीब एक किलोमीटर दूर बिजहार बधार के पास की है। संजय टिकारी ब्लॉक के काजिबिगहा का रहने वाला था। वो

दरेजी में अपने भाई के साथ बाइक सर्विसिंग की दुकान चलाता था। कुछ दिनों पहले संजय अपने प्रेमिका को लेकर भाग गया था और उससे शादी कर ली थी। हाल ही में वो अपने गांव लौटा था। जिसके बाद लड़की भी अपने घर चली गई थी। लड़की के साथ भाग था, लौटने पर मारी गोली संजय का कोंच थाना क्षेत्र में एक लड़की से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। कुछ दिन पहले लड़की को अपने साथ कहीं लेकर चला गया। फिर दोनों वापस लौट आए थे। दोनों के बीच कुछ दिनों से विवाद की स्थिति भी बनी हुई थी। आशंका जताई जा रही है कि उसी विवाद को लेकर संजय को निशाना बनाया गया। गोली युवक के सिर के पास लगी और वह मौके पर ही जमीन पर गिर पड़ा था। रास्ते से गुजर रहे लोगों और आसपास के लोगों ने गोली की आवाज सुनी तो भागते हुए मौके पहुंचे। सूचना मिलते ही कोंच थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने युवक को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए तुरंत गया रेफर कर दिया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाने में नहीं दिया आवेदन हालांकि परिजन अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं। डरे सहमे हुए हैं। अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में कोई आवेदन नहीं दिया गया है। घटनास्थल से एक खोखा बरामद थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि, प्रेम प्रसंग से जुड़ा लग रहा है। पुलिस घटनास्थल से सबूत जुटा रही है।

आसपास के लोगों के बयान भी लिए जा रहे हैं। मौके से एक खोखा बरामद किया गया है।

बुलडॉग के हमले में बच्ची की मौत-सिर की चमड़ी नोंची

पटना। मुजफ्फरपुर में अमेरिकन बुलडॉग ने एक बच्ची को दबोचकर लहूलुहान कर कर दिया। SKMCH में इलाज के दौरान बुधवार को शिवानी (3) की मौत हो गई। बच्ची के पिता कमलेश सहनी ने बताया कि मंगलवार को उसकी बेटी भाई-बहन के साथ गांव में देवी स्थान पर पूजा देखने जा रही थी। थोड़ी दूर पर दबंग परिवार का सदस्य कुत्ते को जंजीर में बांधे टहला रहा था। इसी दौरान युवक के हाथ से जंजीर छूट गई और कुत्ते ने बच्चों पर हमला कर दिया। दो बच्चे किसी तरह वहां से भाग गए, लेकिन कुत्ते ने शिवानी को जबड़े से पकड़ लिया। पिता बोले- सिर की चमड़ी के साथ बाल भी खींच लिए पिता के मुताबिक कुत्ते ने सिर पकड़कर उसकी चमड़ी समेत बाल खींच लिए। वह बेहोश होकर गिर गई। हम लोग तुरंत बच्ची को सीएचसी में ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद SKMCH रेफर कर दिया था।

शिवानी दो भाई और दो बहनों में सबसे छोटी थी दबंग परिवार ने 15 दिन पहले ही सोनपुर मेले से एक जोड़ी बुलडॉग कुत्ते खरीदकर लाया है। घटना पारू थाना क्षेत्र के मोहजम्मा गांव की है। SKMCH के इमरजेंसी वार्ड में डॉ. विजय भारद्वाज के यूनिट में घायल बच्ची को इलाज के लिए लाया गया था। बच्ची को हेड इंजरी बहुत गहरा था और हॉस्पिटल पहुंचने में देर हुई थी। इस वजह से उसकी मौत हो गई। पारू थाने के थानेदार चंदन कुमार ने बताया कि, परिजन से बात हुई है। काम क्रिया जो प्राथमिक तौर पर मृत्यु होने के बाद होता है वह कर रहे हैं। थाने में लिखित शिकायत देने को कहा गया है। कांड दर्ज करना है या नहीं करना है। इसके लिए परिजनों को लिखित देना होगा। अगर नहीं आते हैं तो उस हालत में चौकीदार के बयान पर पुलिस केस दर्ज करेग । अमेरिकन बुल डॉग भारत में बैन इंडिया में अमेरिकन बुलडॉग की खरीद बिक्री पर पूरी तरीके से रोक है। केंद्र सरकार ने इसे खतरनाक कुत्तों के नस्ल की लिस्ट में शामिल किया है। इसके खरीद बिक्री के साथ आयात-निर्यात और ब्रीडिंग पर भी बैन लगाया गया है। जिनके पास पहले से इस नस्ल के कुत्ते है। उन्हें 45 दिन के भीतर कुत्ते का रजिस्ट्रेशन करवाना था। आखिर क्यों खूंखार हो जाते हैं कुत्ते इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल एंड प्रोटक्शन के पूर्व डायरेक्टर अजीत कुमार बताते हैं कि 'कुत्ता कैनाइन फैमिली का एनिमल होता है। इसमें सियार और लोमड़ी के भी कुछ गुण होते हैं। खान-पान से उनका बिहेवियर चेंज हो जाता है।' 'पागल कुत्ते कभी मांस खाने के लिए नहीं काटते हैं। पागल होने के बाद उन्हें भय सताने लगता है। वह इंसानों और जानवरों से खुद को बड़ा खतरा महसूस करने लगते हैं।' 'इस कारण कोई भी सामने पड़ जाता है, वह उसे नोच लेते हैं। ऐसे कुत्तों के मुंह से हमेशा लार टपकता है, आंखें लाल हो जाती हैं। वह हमेशा मूवमेंट करते हैं, स्थिर नहीं रह पाते हैं।' '

जब कुत्ते जानवरों और इंसानों के मांस या खून खा लेते हैं, तब वह मांस खाने के लिए ही लोगों को काटते हैं।

पटना, गोपालगंज, बेतिया समेत 10 शहरों में घना कोहरा

बिहार में 6°C तक पहुंचेगा तापमान,कोहरे की वजह से 52 ट्रेनें रद, लेट से आई 14 फ्लाइट्स

पटना। बिहार में धीरे-धीरे ठंड बढ़ रही है। पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो अगले दो से तीन दिनों में कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक की और गिरावट दर्ज की जा सकती है। तापमान गिरने से ठंड ज्यादा बढ़ेगा। खासकर सुबह और शाम होते ही कोहरा छाया रहेगा। गुरुवार को भी पटना, बेतिया और गोपालगंज समेत 10 शहरों में घना कोहरा देखने को मिला। गोपालगंज में तो लोग अलाव का सहारा लेते दिखाई दिए। पटना एयरपोर्ट पर बुधवार को धुंध और कम विजिबिलिटी की वजह से 14 विमान देर से आए

और गए। वहीं हैदराबाद से आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 876 को रद्द हो गई। 52 ट्रेनों को रद्द किया गया पटना कोहरे की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित न हो, इसके लिए अबतक आधा दर्जन से अधिक उपाय किए गए। सुरक्षित परिचालन के लिए रेलवे ने 14 अधिकारियों को तैनात किया है। इसके बावजूद पूर्व मध्य रेल से खुलने और गुजरने वाली करीब 52 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। इन ट्रेनों से 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक करीब 45 लाख यात्री सफर नहीं कर सकेंगे। इसमें 20 ट्रेन पटना से खुलने और गुजरने वाली हैं।मौसम विज्ञान के मुताबिक, आने वाले 48 घंटों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, किशनगंज, औरंगाबाद, बांका, भागलपुर, सासाराम और कैमूर के कई हिस्सों में सुबह और देर रात हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। इन जिलों में विजिबिलिटी कम होने के कारण आवाजाही पर भी असर पड़ सकता है। 100 से 200 मीटर रही विजिबिलिटी पिछले 24 से 48 घंटों के दौरान पटना, खगड़िया, गोपालगंज, सारण, बेगूसराय, मधेपुरा, सुपौल, जहानाबाद और किशनगंज सहित 10 से अधिक जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में विजिबिलिटी 100 से 200 मीटर तक दर्ज की गई। इसके चलते सड़क पर वाहनों को हेडलाइट और फॉग लाइट का इस्तेमाल करना पड़ा। ट्रेनों की गति भी कई रूटों पर धीमी रही। राजधानी में भी पिछले दो दिनों से ठंड बढ़ रही है। IMD के अनुसार, अगले 48 घंटों तक सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रह सकता है। दिन में मौसम सामान्य रहेगा, लेकिन सुबह और देर शाम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है, जबकि अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री तक रहने की संभावना है। पटना एयरपोर्ट पर बुधवार को धुंध और कम विजिबिलिटी की वजह से 14 विमान देर से आए और गए। वहीं हैदराबाद से आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 876 को रद्द हो गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस की आईएक्स 1197, इंडिगो की 6ई5104, एअर इंडिया की एआई 2523, इंडिगो की 6ई6379, इंडिगो की 6ई6643, इंडिगो की 6ई6348, इंडिगो की 6ई2043, एअर इंडिया की एआई 2789, स्पाइसजेट की एसजी 336 लेट रही। गोपालगंज का पारा 16 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान लगभग 27 डिग्री तक पहुंच सकता है।

संक्षिप्त डायरी

नाबालिग के अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार

गया। जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के भलुआ गांव से 14 वर्षीय बच्ची के अपहरण के आरोपी मिनहाज मियां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने उसे मंगलवार रात गिरफ्तार किया और दोपहर 3 बजे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह मामला भलुआ गांव की निवासी लाछी देवी हेलेंद्र चौहान से जुड़ा है, जिन्होंने मिनहाज मियां पर अपनी 14 वर्षीय बेटी नीतू कुमारी के अपहरण का आरोप लगाया था। इस संबंध में बेलागंज थाने में कांड संख्या 421/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की लगातार छापेमारी थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने बताया कि आरोपी मिनहाज मियां घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने उसे मंगलवार रात धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद बुधवार को मिनहाज मियां को स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

आमस में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

गया। जिले के आमस प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित पंचायत समिति सभागार में प्रखंड प्रमुख लड्डन खान की अध्यक्षता में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के दायित्वों और कार्यों पर चर्चा की गई, साथ ही उर्वरक की बिक्री और बीज वितरण से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। किसानों को सही समय पर बीज और उर्वरक देने की अपील बैठक में प्रखंड प्रमुख लड्डन खान, बीस सूत्री अध्यक्ष रामवृक्ष प्रसाद, उपाध्यक्ष रंजय सिंह, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष माधुरी जायसवाल और प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने किसानों को सही समय पर और उचित मूल्य पर बीज व उर्वरक उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि समय पर बीज और उर्वरक मिलने से किसान अपनी फसल समय पर लगा सकेंगे और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। रबी फसल के लिए गेहूं के बीज का वितरण जारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीओ) सौरव कुमार ने बताया कि सभी बीजों का वितरण किसानों के बीच समय पर किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान में रबी फसल के लिए गेहूं के बीज का वितरण सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख लड्डन खान, बीओ सौरव कुमार, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष रंजय सिंह, माधुरी जायसवाल, हम प्रखंड अध्यक्ष उदित भोक्ता, लक्की खान और राजेंद्र सिंह सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। बैठक में किसानों की समस्याओं और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।

गयाजी में कार-बाइक की टक्कर, एक की मौत

गयाजी। के वजीरगंज प्रखंड स्थित दखिनगांव बाईपास पुरा रोड चौराहे पर शाम एक सड़क दुर्घटना हुई। कार और बाइक की जोरदार टक्कर में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएनएमएमसीएच) भेजा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक पर सवार तीन युवक तपोवन पथ से गुजर रहे थे। इसी दौरान नवादा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों युवक दूर जा गिरे। कार बेकाबू होकर एक सीमेंट पोल से टकराई और पास के पुल में जा घुसी। कार ड्राइवर मौके से हुए फरार हादसे में केनार के पीर बिगहा निवासी जुबैर रजा उर्फ कारू खान की मौके पर ही मौत हो गई। जुबैर अपने जयपुर निवासी बहनोई इलयास खान और साथी सौरभ के साथ बाइक से गेहलौर घूमने गए थे। लौटते समय यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। दुर्घटना के तुरंत बाद कार चालक और उसमें सवार अन्य लोग घटनास्थल से फरार हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार सवार पोसी थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने कार -बाइक को किया जब्त घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अभिनव कुमार ने बताया कि दुर्घटना में घायल कार सवारों और चालक की पहचान की जा रही है। मृतक जुबैर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार और बाइक को जब्त कर लिया है और आगे की जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस रास्ते पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से यहां स्पीड कंट्रोल उपाय और ट्रैफिक प्रबंधन को मजबूत करने की मांग की है।

नालंदा में अवैध हथियार रखने के आरोप में शख्स गिरफ्तार

नालंदा। के चिकसौरा थाना क्षेत्र में अवैध हथियार रखने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीएसपी हिलसा-2 ऋतुराज ने बताया कि 26 नवंबर को थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी। बेनुबिगहा गांव में एक शख्स ने अपने घर में अवैध हथियार छिपा कर रखा है। किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना की पुष्टि और आवश्यक कार्रवाई के लिए थानाध्यक्ष चिकसौरा अपने दल-बल के साथ बेनुबिगहा पहुंचे। इनपुट के आधार पर घेराबंदी कर मिथलेश प्रसाद के घर की तलाशी ली गई। इस दौरान एक कमरे से 2 देसी कट्टा और 9 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामद सामानों की विधिवत जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया है। चिकसौरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।भ किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। इस सफल अभियान में थानाध्यक्ष चिकसौरा थाना के गौरव सिंह के नेतृत्व में राहुल कुमार सिंह, अनुज कुमार, राजकुमार, सीमांचल कुमार, सौरभ सुमन, प्रवीण कुमार, सुरभी कुमारी और रिजर्व चिकसौरा थाना की टीम शामिल थी।

संक्षिप्त समाचार

नौबस्ता-घाटमपुर हाईवे पर भीषण हादसा, ट्रक से टकराकर ट्रैक्टर के दो टुकड़े, एक की मौत : दो गंभीर

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में नौबस्ता-घाटमपुर हाईवे पर बुधवार देर रात सेन चौकी अंतर्गत मौरंग मंडी के सामने एक बार फिर भीषण सड़क हादसा हो गया। एक ट्रक और ईंट लदे ट्रैक्टर के बीच हुई टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, नौबस्ता-घाटमपुर हाईवे पर ईंट लादकर नौबस्ता की ओर जा रहा एक ट्रैक्टर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर दो भागों में टूटकर अलग हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि हाईवे पर अवैध रूप से खड़े रहने वाले ट्रक और डंपर जानलेवा साबित होते हैं और आए दिन हादसों का कारण बनते हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया है और जांच शुरू कर दी है।

लोडर पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अलीगढ़, एजेंसी। क्षेत्र के गांव हरिरामपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास मंगलवार रात को एक लोडर पिकअप वाहन ने बाइक सवार में टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। हाथरस के थाना चंदपा क्षेत्र के गांव कोका निवासी रामकुमार (37) पुत्र शेर सिंह अपनी बुआ की धेवती के शादी समारोह में शामिल होने बाइक से झलारा स्थित एक गेस्ट हाउस में आया था। मंगलवार की रात को गांव के लिए वापस लौट रहा था। रास्ते में हरिरामपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास लोडर पिकअप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें रामकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे सीएचसी में भर्ती कराया है, जहां से जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी होने पर परिजन अस्पताल पहुंच गए। कोतवाल नरेंद्र यादव ने बताया है कि शव को परिजनों को सौंप दिया है। पिकअप को कब्जे में ले लिया गया है, चालक की तलाश की जा रही है

बरेली में बीएलओ की मौत: दो माह पहले कैंसर से शिक्षक की पत्नी की गई थी जान, दो जुड़वा बच्चे हुए बेसहारा

बरेली, एजेंसी। बरेली के भोजीपुरा ब्लॉक के परधौली गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कामकाज के दौरान बीएलओ सहायक अध्यापक सर्वेश कुमार गंगवार (47 वर्ष) को हार्ट अटैक आ गया। इससे उनकी मौत हो गई। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में मिनी बाइपास के निकट स्थित श्री कृष्णा होम कॉलोनी निवासी सर्वेश शाहजहांपुर के कटरा थाना क्षेत्र के कसरत गांव के मूल निवासी थे। दो महीने पहले बीमारी से उनकी मौत हो गई थी। शिक्षक की मौत से उनके दो बच्चे बेसहारा हो गए। प्राथमिक शिक्षक संघ ने पीड़ित परिवार के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की है। भोजीपुरा के खंड शिक्षा अधिकारी विवेक शर्मा ने बताया कि सुबह 11:30 बजे सर्वेश परधौली गांव स्थित अपने प्राथमिक विद्यालय में ही पुनरीक्षण संबंधी काम कर रहे थे। इस दौरान वह अचानक कुर्सी से गिर गए। उनकी नाक से खून बहने लगा और बेहोश हो गए। विद्यालय के शिक्षकों ने आसपास के डॉक्टरों को दिखाया। हालत में सुधार नहीं हुआ तो सर्वेश को मिनी बाइपास स्थित प्रताप अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी अविनाश सिंह भी हॉस्पिटल पहुंच गए। शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा घायल

अलीगढ़ , एजेंसी। गांव बरौला के समीप रविवार की शाम को एक ट्रैक्टर ने दो बाइक सवारों में टक्कर मार दी। इसमें एक युवक ने अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में दम तोड़ दिया। दूसरे युवक का अस्पताल में उपचार जारी है। गांव नेहरा निवासी मंजीत सिंह (22) दो भाइयों में बड़ा था। रविवार की शाम करीब अपने दोस्त अजीत निवासी नगला ताल हाथरस के साथ बाइक से अपने गांव जा रहा था। रास्ते में गोंडा–गोरई मार्ग स्थित गांव बरौला के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अजीत के पैर में फ्रैक्चर हो गया। पुलिस दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची, जहां से मंजीत को जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही मंजीत ने दम तोड़ दिया। सोमवार दोपहर को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया। गांव वालों के अनुसार मंजीत बहुत ही मिलनसार और हंसमुख था। प्रभारी निरीक्षक सरिता सिंह ने बताया है कि घटना में अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नेपाल के मंदिरों और मदरसों से स्लीपर सेल की फंडिंग

सामने आया आतंक का नया मॉड्यूल

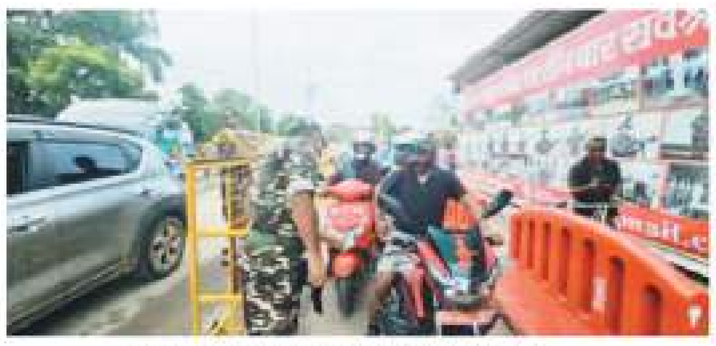

लखनऊ , एजेंसी। नेपाल में बने विदेशी मंदिरों से भी स्लीपर सेल को फंडिंग की जा रही है। हाल ही में महाराजगंज जिले से सटे भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी में ऐसी गतिविधि सामने आई है, जहां चीन की एक संस्था तराई क्षेत्र में समाज कल्याण के नाम पर युवाओं को पैसे मुहैया करा रही है। इसके लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने नेपाल से मदद मांगी है। बहराइच से लगे नेपालगंज के मदरसे में तुर्किए की संस्था आईएचएच ने इस वर्ष करीब 20 करोड़ का फंड मुहैया कराया है। इस मदरसे से श्रावस्ती के भी कुछ लोगों का जुड़ाव मिला है।

दिल्ली धमाके में तुर्किए की संलिप्तता के बाद नेपालगंज में आईएचएच की बढ़ी सक्रियता से सुरक्षा एजेंसियों ने चौकसी बढ़ाई है। नेपाल सीमा पर काम कर चुके पूर्व आईबी अधिकारी संतोष सिंह बताते हैं कि तुर्किए के इस कट्टरपंथी एनजीओ के तार शादत से जुड़े हैं, जिसका असल काम जिहादियों की भर्ती और फिर उन्हें प्रशिक्षित करना है। सीरिया, कतर, ब्रिटेन और अमेरिका तक की आतंकी गतिविधियों में शादत की संलिप्तता मिली है।

दिल्ली धमाके के बाद सफेदपोश आतंकवाद की जांच में जुटी सुरक्षा एजेंसियों को भी विदेशी मंदिरों और मदरसों से स्लीपर सेल की फंडिंग की जानकारी मिली है। इसे पाकिस्तान की आईएसआई व चीन की खुफिया एजेंसी मिनिस्ट्री ऑफ स्टेट सिक्योरिटी (एमएसएस) का बदले पैंतरा माना जा रहा है। इसी इनपुट के आधार पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बहराइच व श्रावस्ती में भी बीते सप्ताह दो ठिकानों को खंगाला है। महराजगंज के एक पूर्व नगर निकाय अध्यक्ष की भी जानकारी जुटाई गई है।

ये शहर और जिले भी संवेदनशील

अभी तक की जांच में संतकबीरनगर का मेहदावल, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, बहराइच, सुल्तानपुर, बलरामपुर, महराजगंज, बरेली, रायबरेली, गोंडा के साथ ही बाराबंकी बेहद संवेदनशील है। इनमें बरेली, रायबरेली और महराजगंज में लश्कर-ए-तैयबा का नेटवर्क सामने आ चुका है।

भाजपा ने 14 जिलाध्यक्षों का किया एलान, देर रात जारी की गई सूची, सत्ता के समीकरण पर पार्टी की पूरी नजर

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार देर रात उत्तर प्रदेश के 14 जिलों में जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा कर दी। बुधवार रात 14 जिलाध्यक्ष के नामों का एलान प्रदेश चुनाव अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय ने किया। भाजपा ने जिलाध्यक्ष का जिले स्तर पर चुनाव कराया था। इस चुनाव के बाद नामों का एलान लंबे समय से अटका हुआ था। इसी क्रम में बुधवार को 14 जिलों के अध्यक्षों का ऐलान किया गया।

हटाए गए विवादों में रहे फतेहपुर के अध्यक्ष : लंबे समय बाद भाजपा ने बुधवार की रात 14 और जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इसमें से पांच जिलों में पुराने चेहरों को ही दुबारा मौका दिया गया है। वहीं, गंभीर आरोपों से घिरे फतेहपुर के जिलाध्यक्ष को पार्टी ने हटा दिया बता दें कि पार्टी इससे पहले 70 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर चुकी है। ऐसे में अब 98 जिलों में से 84 जिलाध्यक्षों की घोषणा हो चुकी है। इस प्रकार वाराणसी समेत 14 जिले बचे हैं जिनके अध्यक्ष की घोषणा होना बाकी है।

प्रदेश भाजपा संगठन चुनाव के अधिकारी डा. महेन्द्र नाथ पांडेय ने बुधवार को 14 जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इनमें आधे यानी सात पिछड़ा वर्ग हैं जबकि छह सामान्य वर्ग के हैं। एक जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति के हैं। अलीगढ़ जिला, अलीगढ़ महानगर, फिरोजाबाद जिला, कौशांबी व फिरोजाबाद जिला में पार्टी ने पुराने चेहरों को फिर से जिम्मेदारी दी है। पार्टी ने फतेहपुर के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल को हटा दिया है। उन पर पार्टी में पद दिलाने के नाम पर 50 लाख रुपये लेने के आरोप लगे थे। उनके स्थान पर अनू श्रीवास्तव को फतेहपुर का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

योजना कॉलोनी सेक्टर-ए सीतापुर मार्ग स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर से धूमधाम से निकाली कलश यात्रा

लखनऊ , एजेंसी। योजना कॉलोनी सेक्टर-ए सीतापुर मार्ग स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर से बुधवार को कलश यात्रा धूमधाम से निकाली गई। मंदिर के 34वें स्थापना दिवस पर श्रीमद्भागवत कथा के उपलक्ष्य यह आयोजन किया गया।

सर्वेश्वरनाथ मंदिर, राम-राम बैंक चौराहा, महादेव होटल चौराहा, पल्टन छावनी सहित विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए यात्रा वापस मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई। महिला सत्संग मंडल की अध्यक्ष कमलेश दुबे ने बताया कि कथा बृहस्पतिवार से शुरू होकर तीन दिसंबर तक रोजाना दोपहर 12 से तीन बजे तक चलेगी। आचार्य पं. गोविंद मिश्रा कथा सुनाएंगे। शाम छह से रात नौ बजे तक वृंदावन के कलाकार रासलीला प्रस्तुत करेंगे। पं. गोविंद मिश्रा, सुमेरा मिश्रा, कमलेश दुबे, मीरा पांडेय, नीलम पांडेय, कौशल किशोर पांडेय, सावित्री सिंह मौजूद रहे।

कानपुर से पैदल पहुंची दिव्यांग खुशी से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात... उसके बनाए चित्रों को देख हुए भावुक

लखनऊ , एजेंसी। गरीबी व खामोशी से जूझ रही कानपुर की 20 वर्षीय खुशी गुप्ता के जीवन में बुधवार को नया सवेरा आया। अपने हाथों से बनाए चित्रों के माध्यम से सीएम योगी आदित्यनाथ तक अपना दर्द पहुंचाने की उसकी कोशिश रंग लाई।

खुद मुख्यमंत्री ने पहल करते हुए खुशी और उसके परिवार को अपने सरकारी आवास पर बुलाया, जहां न केवल उसके भविष्य को संवारने का वचन दिया गया, बल्कि परिवार की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए आवास और शिक्षा की जिम्मेदारी भी उठाई। बुधवार को कानपुर के ग्वालटोली अहरानी निवासी खुशी अपने पिता कालू गुप्ता, माता गीता गुप्ता और भाई जगत गुप्ता के साथ मुख्यमंत्री आवास आई थी। आर्थिक दिक्कतों से जूझ रहे इस परिवार से योगी ने स्नेहपूर्वक बात की।

खुशी के पिता पहले संविदा पर गार्ड की नौकरी करते थे, जो अब छूट चुकी है। मां गीता गुप्ता घरों में काम करके परिवार का खर्च चलाती हैं। खुशी अपने साथ पीएम मोदी का चित्र भी लेकर आई थी। योगी ने उसे पास बुलाकर उसके बनाए सभी चित्रों को ध्यान से देखा। मुलाकात के बाद परिजनों ने कहा कि यह अनुभव शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

बिना बताए घर से निकली : खुशी की कहानी दृढ़ संकल्प की है। 22 नवंबर को वह बिना बताए अपने घर से अकेली निकल पड़ी थी। उसका एकमात्र उद्देश्य मुख्यमंत्री को अपने हाथ से बनाया चित्र देना था। राजधानी पहुंचने के बाद वह रास्ता भटक गई और लोकभवन के बाहर बैठकर रोने लगी। हजरतगंज पुलिस ने उसे संभाला और उसके परिवार को सूचना दी। खुशी पढ़ी-लिखी नहीं है, लेकिन अपने पिता का नाम और मुख्यमंत्री का नाम लिखना जानती थी।

सीएम ने खुद बुलाया खुशी के बारे में पता चलने पर योगी ने तुरंत उसके परिवार को अपने आवास पर बुलाया। सीएम ने उसके लिए कानपुर स्थित मूकबधिर कॉलेज में शिक्षा की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। पढ़ाई और स्किल डेवलपमेंट के लिए मोबाइल और टैबलेट भी दिया। सरकार उसके कान के इलाज की भी व्यवस्था कर रही है। परिवार को आवास भी दिया जाएगा।

मतदाता पूछ रहे 2003 की सूची में कैसे देखें अपना नाम... हर रोज आ रहीं 200 कॉल

लखनऊ , एजेंसी। हेलो... कंट्रोल रूम... मुझे एसआईआर फॉर्म भरना है, लेकिन 2003 की वोटर लिस्ट नहीं मिल रही है...। फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी समझा दी जाए...। इस तरह की तमाम जानकारियां पाने के लिए मतदाता कंट्रोल रूम में कॉल कर रहे हैं। कंट्रोल रूम में तैनात कर्मचारी जानकारी जुटाकर मतदाताओं से साझा कर रहे हैं।

सहायक निर्वाचन अधिकारी अभय किशोर ने बताया कि कंट्रोल रूम जिला निर्वाचन कार्यालय में बनाया गया है, जिसका नंबर 0522-1950 है। कंट्रोल रूम में पांच कर्मचारी तैनात किए गए हैं। रोजाना करीब 200 कॉल आ रही हैं। अधिकतर मतदाता 2003 की वोटर लिस्ट और उसमें अपना या परिवार वालों का नाम नहीं खोज पा रहे हैं। कॉल रिसीव करने वाले कर्मचारी उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया समझा रहे हैं। यही नहीं, वोटर लिस्ट में किस बूथ पर और किस पेज पर नाम है, ये भी जानकारी दे रहे हैं।

सर... बीएलओ फॉर्म जमा करने नहीं आए: कुछ मतदाता बीएलओ की शिकायतें भी कर रहे हैं। रोजाना एक दो शिकायतें एसआईआर फॉर्म न मिलने की पहुंच रही हैं, लेकिन अधिकतर शिकायतें फॉर्म वापस जमा न कराने की हो रही हैं। मतलब बीएलओ ने पहले फॉर्म वितरित कर दिया और मतदाता उसे भरने के बाद वापस जमा करने के लिए बीएलओ का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे मामलों में कंट्रोल रूम से संबंधित बीएलओ को कॉल कर प्रपत्र एकत्र करने को कहा जा रहा है।

खुद भी सक्रियता दिखाएं.....: एक महीने के भीतर सभी मतदाताओं के एसआईआर फॉर्म भरवाकर जमा करवाना है। एक-एक बीएलओ पर बड़ा बोझ है। प्रशासन के एक अफसर ने बताया कि फॉर्म भरकर जमा करने में मतदाताओं को भी सक्रियता दिखानी होगी। जिन्हें अब तक फॉर्म नहीं मिला है, वह अपने बीएलओ से संपर्क करें और फॉर्म भरकर जरूर जमा कर दें। वर्ना लिस्ट से नाम कट सकता है।

गुजारा भत्ता पति का दायित्व, मजदूरी करके भी पत्नी को देने होंगे पैसे; ये कहकर नहीं बच सकते

लखनऊ , एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पारिवारिक विवाद के मामले में दिए फैसले में कहा कि मजदूरी करके भी पत्नी को गुजारा देना पति का दायित्व है। बेरोजगार होने की दलील देकर पति, पत्नी के भरण पोषण से मुकर नहीं सकता है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने पति की उस आपराधिक निगरानी याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें पत्नी को गुजारा भत्ता देने के लखनऊ के फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने अलग रह रही पत्नी को प्रति माह 2500 रुपए बतौर अंतरिम गुजारा भत्ता देने के फैमिली कोर्ट के आदेश को उचित करार दिया।

न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने यह अहम फैसला पति की निगरानी याचिका पर दिया। इसमें पति ने बीते 20 अगस्त के फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। मामले में पहले पत्नी ने फैमिली कोर्ट में पति से गुजारा दिलाए जाने की अर्जी दी थी। पत्नी की अर्जी के मुताबिक 28 नवंबर 2013 को दोनों का जालंधर, पंजाब में विवाह हुआ था। पत्नी का आरोप था कि विवाह के बाद उसके पति और ससुराल वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। इसपर वह 2021 में अपने भाई के साथ लखनऊ वापस आ गई। उधर, पति ने बेरोजगार होने की बात कहकर पत्नी को गुजारा न दे पाने का तर्क दिया। फैमिली कोर्ट ने यह मानते हुए कि पति सक्षम व्यक्ति है, ऐसे में यदि वह एक श्रमिक के रूप में भी काम करे तो वह प्रतिमाह 12500 रुपए न्यूनतम मजदूरी कमा सकता है। इस आधार पर फैमिली कोर्ट ने पत्नी को 2500 रुपए प्रतिमाह गुजारे के रूप में देने का आदेश पति को दिया था। हाईकोर्ट ने, फैमिली कोर्ट के इस आदेश में कोई कानूनी त्रुटि या अनियमितता न पाते हुए इसे उचित करार दिया और पति की निगरानी याचिका खारिज कर दी।

एबीवीपी ने प्रशासनिक गेट के ताले तोड़े, कुलपति को घेरा

अलीगढ़, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने बुधवार को राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में छात्रों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। प्रशासनिक भवन के गेट का ताला तोड़ दिया और कुलपति का घेराव किया। बाद में कुलपति को एक ज्ञापन सौंपा और सात दिन के भीतर समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ता बुधवार को प्रशासनिक गेट पर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। बाद में प्रशासनिक भवन के गेट पर लगा ताला तोड़कर भीतर घुस गए। कार्यकर्ताओं का कहना है कि पांच स्नातक पाठ्यक्रमों का सिलेबस अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। प्रायोगिक विषय की प्रयोगशालाएं तक शुरू नहीं हुई हैं। इन्होंने बैक पेपर परीक्षा शुल्क में की गई वृद्धि को कम करने की मांग की और कहा कि इसका असर सामान्य व गरीब छात्रों का पड़ रहा है। परीक्षा परिणाम में बार-बार त्रुटियां होने, प्रवेश के लिए वेब पंजीकरण समय पूर्व बंद करने पर भी रोष व्यक्त किया। प्रदर्शन में मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री विनोद, इकाई अध्यक्ष दीपक भारद्वाज, इकाई मंत्री प्रवीण, महानगर मंत्री पीयूष भारद्वाज, महानगर आंदोलन संयोजक यथार्थ सिंह, हिमांक अरोरा, जतिन आर्य, रजत गुप्ता, आकाश सिंह आदि कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

60 हजार की घूस लेकर गुपचुप शिफ्ट कर दी हाईटेंशन लाइन, जेई और एसडीओ समेत सात फंसे

लखनऊ , एजेंसी। लखनऊ के गोसाईंगंज के अमेठी उपकेंद्र इलाके में किसान से 60 हजार रुपये की घूस लेकर बिना शुल्क जमा कराए ही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन गुपचुप शिफ्ट कर दी। इस मामले में जेई-एसडीओ समेत सात कर्मचारी फंस गए हैं। इनमें दो जेई, एक एसडीओ, चार संविदा कर्मचारी शामिल हैं। इनमें से तीन संविदा कर्मियों को काम से हटा दिया गया। एक जेई भी निलंबित हो चुके हैं।

मध्यांचल निगम मुख्यालय के अफसरों ने बताया कि चमरतलिया गांव निवासी मंजीत की शिकायत पर अमौसी जोन के मुख्य अभियंता महफूज आलम को जांच के आदेश दिए गए थे। मुख्य अभियंता ने मोहनलालगंज के अधिशासी अभियंता श्रवण कुमार सिंह से जांच कराई।

जांच में जेई अमरेश सिंह, एसडीओ संतोष सिंह कुशवाहा, पूर्व जेई धीरज दीक्षित, संविदा कर्मी आरएम पांडेय, नौकरी से निष्कासित तीन संविदा कर्मी सुखदेव सिंह, संजीव व दिलीप दोषी पाए गए। अधिशासी अभियंता की जांच रिपोर्ट निगम मुख्यालय पहुंच चुकी है। जेई-एसडीओ से जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद कार्रवाई होगी।

इनकी जा चुकी नौकरी, ये हो चुके निलंबित : इस मामले में संविदा कर्मी सुखदेव सिंह, सिंह, संजीव एवं दिलीप को नौकरी से हटाया जा चुका है। इस उपकेंद्र में पूर्व में में तैनात रह चुके जेई धीरज दीक्षित भी निलंबित हो चुके हैं जो बाद में बहाल होते ही दूसरे निगम में ट्रांसफर कर दिए गए।

यह था मामला: किसान मंजीत के खेत के बीचोंबीच से हाइटेंशन लाइन निकली थी। मंजीत ने एक संविदा कर्मी से लाइन हटाने के लिए कहा, तो उसने 80 हजार रुपये का खर्च बताया। हालांकि, संविदा कर्मी ने 60 हजार रुपये में लाइन शिफ्ट कराने का ठेका ले लिया। पूरी रकम लेकर आधा-अधूरी लाइन ही शिफ्ट की, जिसके बाद मंजीत ने शिकायत की और मामला खुला।

जेई-एसडीओ को आरोपपत्र जारी : अमौसी जोन अधीक्षण अभियंता टेक्निकल भविष्य कुमार सक्सेना का कहना है कि किसान से शुल्क जमा कराए बिना ही हाइटेंशन लाइन को अवैध रूप से शिफ्ट करने के मामले में एसडीओ संतोष सिंह कुशवाहा एवं जेई अमरेश सिंह को आरोपपत्र जारी किया गया है। संविदा कर्मी आरएम पांडेय के खिलाफ भी कार्रवाई करने की रिपोर्ट मध्यांचल विद्युत वितरण निगम मुख्यालय भेजी गई है।

तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में तूफानी तेजी, 7 फीसदी उछलकर 515 पर पहुंचा

▸▸ एयरटेल ने पिछले दिनों सिग्नल उपकरणों की गुणवत्ता पर उठाए थे सवाल

नई दिल्ली

टाटा ग्रुप कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई। तेजस नेटवर्क्स के शेयर गुरुवार को 500 रुपए के ऊपर पहुंच गए। कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में 7 फीसदी से ज्यादा उछलकर 515 रुपए पर पहुंच गए। तेजस नेटवर्क्स के शेयर पिछले कुछ महीनों से दबाव में हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार को 52 हफ्ते के निचले स्तर 474.50 रुपए पर थे।

52 हफ्ते के उच्चतम स्तर से तेजस नेटवर्क्स के शेयर 66 फीसदी से ज्यादा टूट गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक टेलिकॉम कंपनी एयरटेल ने पिछले दिनों तेजस नेटवर्क्स के सिग्नल उपकरणों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। तेजस नेटवर्क्स ने इसके जवाब में कहा कि उसके टेलिकॉम उपकरण इंडस्ट्री के जरूरी क्वॉलिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं। तेजस नेटवर्क्स ने कहा है कि चूंकि, हमारे उपकरण सभी राज्यों की 100,000 साइट्स पर दूसरे ऑपरेटर्स के इक्विपमेंट के साथ मौजूद हैं और वहां कोई व्यवधान से जुड़े मामले नहीं हैं। ऐसे में केवल एक राज्य में एक बैंड पर यह खराब गुणवत्ता वाले नहीं हो सकते हैं।

मायटीवीएस अफ्रीका और यूरोप के बाजारों में वाणिज्यिक पेशकश पर कर रही विचार

2027 तक 2500 मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य

नई दिल्ली टीवीएस मोबिलिटी समूह की इकाई मल्टी-ब्रांड आफ्टरमार्केट चेन मायटीवीएस ने कहा है कि वह अपने वैश्विक विस्तार के हिस्से के रूप में अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों में वाणिज्यिक पेशकश पर विचार कर रही है। मायटीवीएस ने 2027 तक 2,500 मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। फिलहाल इसकी संख्या 1200 है। कंपनी यह कवायद तब कर रही है जब उसने 5.2 करोड़ कार सेवा सदस्यता में से 1 करोड़ सक्रिय सेवा सदस्यता हासिल की है। विदेशी योजना कंपनी द्वारा नवंबर की शुरुआत में ट्रांसगार्ड समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आई है, जिसका उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात में वाहन, विमानन और आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्रों को बदलना है। मायटीवीएस के प्रबंध निदेशक ने कहा कि हम जल्द ही अफ्रीका और यूरोप में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करेंगे। हमारे लिए, अफ्रीका और पश्चिम एशिया फोकस बाजार हैं। कुल मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क में से यह पहले से ही केंद्रों के एक बड़े हिस्से में इलेक्ट्रिक सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने सर्विस बाजार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे पास एक करोड़ सक्रिय सेवा सब्सक्रिप्शन है।

एस इंटरनैशनल ने जुटाए 305 करोड़ रुपए, वैश्विक निवेशक में मची होड़

कंपनी के चेयरमैन बोले- हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार

नई दिल्ली खाद्य और पोषण सामग्री क्षेत्र की कंपनी एस इंटरनैशनल लिमिटेड ने डच उद्यमिता विकास बैंक- एफएमओ, स्विट्जरलैंड की निवेश कंपनी- रिस्पॉन्सएबिलिटी, बेल्जियम की निवेश कंपनी- इन्वेस्टेरिन और फिल्ट्रेन वेंचर्स से 305 करोड़ रुपए की रकम जुटाई है। इस पूंजी से आंध्रप्रदेश के कप्पम में नई एकीकृत डेरी सामग्री और पोषण इकाई और परिसर बनाने में मदद मिलेगी। एस इंटरनैशनल के संस्थापक और चेयरमैन संजीव गोयल ने कहा कि यह साझेदारी रकम जुटाने की तुलना से कहीं ज्यादा है। यह उद्देश्य को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमने एक विश्वास के साथ एस को बनाया है कि खाद्य प्रौद्योगिकी में नवाचार से सभी के लिए बेहतर कारोबारी परिणाम और पोषण दोनों को ही बढ़ावा मिलेगा। इस निवेश के साथ हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार हैं। कप्पम की यह इकाई एशिया में पहली बार शुरू की जा रही डेरी पोषण क्षेत्र की अति आधुनिक प्रोसेसिंग तकनीक में सक्षम अग्रणी होगी। यह आधुनिक विनिर्माण इकाई दुनिया भर में ऐसी कुछ इकाइयों में से एक होगी। यह विशेष रूप से तैयार बेहतर प्रदर्शन करने वाली ऐसी पोषण सामग्री बनाने में सक्षम होगी, जो वैश्विक खाद्य और पोषण ब्रांडों की बदलती जरूरतों को पूरा करेगी। वर्टिकली इंटीग्रेटेड टॉय-टेक स्टार्टअप कंपनी मिराना टॉयज ने एक्सेल, इन्फो एज और स्ट्रैक्चरल हेल्डिंग्स की भागीदारी के साथ आर्कम वेंचर्स की अगुआई में 57.5 करोड़ रुपए जुटाए हैं। यह रकम सीरीज ए दौर में जुटाई गई। इस रकम का इस्तेमाल नई फैक्टरी बनाने में किया जाएगा, जिसमें इंजेक्शन-मोल्डिंग और डाई-कास्टिंग मशीनें लगाने के साथ-साथ इन-हाउस पैकेजिंग लाइनों की स्थापना शामिल है। इस पहल से कंपनी को देसी और निर्यात की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए मासिक उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। मिराना अंतरराष्ट्रीय वृद्धि तेज करने के लिए अपनी डिजाइन और बिक्री टीमों के विस्तार की भी योजना बना रही है। चूंकी वैश्विक ब्रांड चीन-प्लस-वन रणनीति के तहत आपूर्ति श्रृंखला में विविधता ला रहे हैं, इसलिए भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र रूप में तेजी से उभर रहा है।

हरियाणा में बिका सबसे महंगा वीआईपी नंबर, 1.17 करोड़ की लगी बोली

चंडीगढ़ वीआईपी नंबर प्लेटों की ऑनलाइन नीलामी में रिकॉर्ड टूट गया। यह रिकॉर्ड हरियाणा में टूटा है। फैंसी नंबर एचआर88बी8888 ने बोली के दौरान 1.17 करोड़ रुपए का आंकड़ा छू लिया। यह अब तक का देश का सबसे महंगा नंबर है। ये नंबर चरखी दादरी के वाहन का है। इस नंबर के लिए कुल 45 लोगों ने आवेदन किया था। बोली खत्म होते-होते शाम हो गई और कीमत 1.17 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो अब तक का सबसे महंगा वाहन नंबर बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 4500 रुपए में वीआईपी नंबर के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होता है, जिसमें अलग-अलग लोग अलग-अलग नंबर के लिए ऑनलाइन बोली लगाते हैं और इसके लिए पांच दिन का समय होता है। दिन के अंदर नंबर ब्लॉक करना होता है और बोली लगाई हुई फीस कटवानी होती है। अगर फीस नहीं कटवाते तो 4500 रुपए ब्लॉक हो जाते हैं। वह रिफंड नहीं होते और वह बोली से बाहर हो जाता है।

विशाखापत्तनम में बनेगा एआई सक्षम 1 गीगावॉट कर आधुनिक डेटा सेंटर

2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा

नई दिल्ली ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम- डिजिटल कनेक्शन ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में एआई सक्षम 1 गीगावॉट वाला अति आधुनिक डेटा सेंटर बनाने की घोषणा की। इस पर 2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा। इससे ठीक एक महीने पहले गूगल ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के निवेश से वैश्विक स्तर का एआई संचालित डेटा सेंटर बनाने की योजनाओं के बारे में बताया था। गूगल का अमेरिका के बाहर यह अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह डेटा सेंटर 400 एकड़ भू-क्षेत्र पर फैला होगा। 14 नवंबर को रिलायंस ने घोषणा की थी कि वह पूरी तरह से मॉड्यूलर, भविष्य के लिहाज से तैयार 1 गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर बनाएगी और यह दुनिया के सबसे आधुनिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू), टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) और एआई प्रोसेसर को होस्ट करने के लिहाज से बनाया जाएगा। इस समझौते पर विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के पहले दिन सीएम चंद्रबाबू नायडू, आईटी और उद्योग मंत्री नारा लोकेश तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक पीएमएस प्रसाद की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी के मुताबिक उसके डेटा सेंटर एआई वर्कलोड की निरंतर मदद के लिए बनाए गए हैं, जो हाइपरस्केलर और उद्यमों को भविष्य के लिहाज से तैयार सिस्टम, दमदार सबस्टेशन, प्रचुर बिजली और रैक डेंसिटी के साथ अगले दशक के नवाचारों को संचालित करने में मदद करेंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 110 अंक ऊपर आया, निफ्टी 26,215 पर पहुंचा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल एशियाई और अन्य बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 110.87 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 85,720.38 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान ये 86,055.86 का नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.25 अंक की हल्की बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान यह अपने पुराने शीर्ष स्तर 26,277 को तोड़कर 26,310.45 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। आज निफ्टी बैंक भी 59,866.60 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। यह कारोबार के अंत में 209.25 अंक करीब 0.35 फीसदी की तेजी के साथ 59,737.30 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एलएंडटी, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, सन फार्मा और एनटीपीसी शेयर्स में। मारुति सुजुकी, इटरनल (जोमैटो), अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टाटा स्टील, टीसीएस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, बीईएल, एक्सिस बैंक और एमएंडएम के शेयर गिरे।

वहीं लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 51 अंक की हल्की तेजी के साथ 61,113 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 95 अंक फिसलकर 17,876 पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा, कमोडिटीज, कंजम्पशन और पीएसई बढ़त पर बंद हुए। वहीं, प्राइवेट बैंक, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी और सर्विसेज के शेयर नीचे आये।

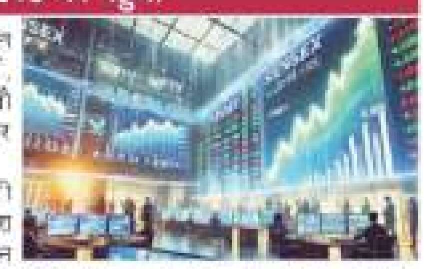

आज कारोबारी सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने नया उच्चतम स्तर बनाया पर इसके बाद बाजार नीचे आने लगा।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुयी। शुरुआती कारोबार में वित्तीय सेवा, वाहन और वाहन क्षेत्र में खरीदारी दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 268.37 अंक उछलकर 85,877.88 स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 72.40 अंक बढ़कर 26,277.70 स्तर पर था। निफ्टी बैंक 213.85 अंक करीब 0.36 फीसदी की बढ़त के साथ 59,741.90 स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 119.55 अंक ऊपर आकर 61,181.25 स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.90 अंक या 0.16 फीसदी की तेजी के साथ 17,999.75 स्तर पर था। एशियाई बाजारों में भी तेजी देखी गई, खासकर जापान का निक्केई और दक्षिण कोरिया का कोस्पी ऊपर आकर खुले। एसएंडपी 500 0.69 फीसदी और तकनीकी शेयरों वाला नैस्डैक 0.82 फीसदी बढ़ा। बाजार में यह बढ़त ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से प्रेरित रही। विदेशी मुद्रा बाजार में भी बढ़त रही है।

2026 के आखिर तक 30,000 पर पहुंचेगा निफ्टी

▸▸ इक्विटी बाजार के लिए मजबूत सहारा साबित होगी

नई दिल्ली

ग्लोबल निवेश बैंकिंग दिग्गज जेपी मॉर्गन ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना रुख और मजबूत कर दिया है। कंपनी ने भारत के बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स का बेस-केस लक्ष्य बढ़ाकर 2026 के आखिर तक 30,000 कर दिया है। हाल की रिपोर्ट में जेपी मॉर्गन ने कहा कि स्थिर राजकोषीय और मौद्रिक नीति, घरेलू मांग में मजबूती और बेहतर होते आर्थिक संकेतक भारतीय इक्विटी बाजार के लिए मजबूत सहारा साबित होंगे।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीद और विदेशी पूंजी प्रवाह में अनुकूल वैश्विक रुझानों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को अपने-अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 416.67 अंक उछलकर 86,026.18 अंक के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 27 सितंबर 2024 को यह 85,978.25 अंक पर पहुंचा था। एनएसई निफ्टी 101.65 अंक की बढ़त के साथ 26,306.95 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने इससे पहले 27 सितंबर 2024 को कारोबार में 26,277 अंक के उच्च स्तर को छुआ था। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा फायदे में रहे।

सर्दी परिधानों के खुदरा विक्रेता को तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली परिधानों के खुदरा विक्रेता चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद की जा रही है क्योंकि सर्दियों के कपड़ों की बिक्री बढ़ने लगी है। परिधान ब्रांड स्नोबेल रिपब्लिक के सह-संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी ने हाल में रिटेल इंडिया समिट ऐंड एक्सपो (राइज) के मौके कहा कि इस साल मनोबल काफी ज्यादा है क्योंकि सर्दी पहले आ गई। यह सीजन ज्यादा जोरदार होने की उम्मीद है। इसलिए आने वाले महीने में मांग बढ़ने की उम्मीद है। हमें दो अंकों की वृद्धि हासिल होने की काफी उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 नवंबर से 3 दिसंबर के बीच देश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहने के आसार हैं, पूर्वोत्तर भारत और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को छोड़कर, जहां इस सप्ताह तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहने की संभावना है। इसका मतलब यह है कि परिधानों के खुदरा विक्रेताओं के लिए नवंबर से जनवरी का समय पिछले साल की तुलना में ज्यादा जोरदार रहेगा। लैकोस्टे इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि इस साल मौसम ने हमें अच्छे सीजन की उम्मीद जगाई है। कड़ी ठंड पड़ने वाली है और हम नवंबर से दो अंकों की अच्छी वृद्धि की उम्मीद की जा रही है।

अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर मचा रहे धमाल.......लगातार दूसरे दिन 5 प्रतिशत का उछाल

मुंबई

अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में लगातार धमाल मचा रहे हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर दूसरे दिन गुरुवार को बीएसई में 5 प्रतिशत उछलकर 166.95 रुपये पर पहुंचे हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को भी 5 प्रतिशत के अपर सर्किट के साथ 159 रुपये पर बंद हुए थे। इसके पहले, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर लगातार 6 दिन लुढ़के हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार 25 नवंबर को 52 हफ्ते के नए निचले स्तर 149.85 रुपये पर जा पहुंचे थे। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 425 रुपये है।

अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर बीते 6 माह में 45 प्रतिशत से अधिक टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 27 मई 2025 को 306.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 27 नवंबर 2025 को 166.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। बीते एक महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दिखाई दी है। वहीं, इस साल अब तक अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर 47 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई से 60 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं। वहीं रिलायंस पावर के शेयरों में भी लगातार दूसरे दिन तेजी रही है। रिलायंस पावर के शेयर गुरुवार को 3 प्रतिशत की तेजी के साथ 40.79 रुपये पर जा पहुंचे हैं। रिलायंस पावर के शेयर बुधवार को 5 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ बीएसई में 39.47 रुपये पर बंद हुए थे। अनिल अंबानी की पावर कंपनी के शेयर पिछले छह महीने में 20 प्रतिशत से अधिक टूट गए हैं। बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 31.30 रुपये है।

आईएमएफ ने रुपए की विनिमय दर व्यवस्था के लिए 'फ्लोटिंग' लेबल फिर किया तय

▸▸ रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा में कम हस्तक्षेप का दिया हवाला

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने रुपए की विनिमय दर व्यवस्था के लिए 'फ्लोटिंग' लेबल को फिर से तय किया है। इसको लेकर समय में रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा में कम हस्तक्षेप का हवाला दिया है। 2023 में आईएमएफ ने फ्लोटिंग तमगे को हटा दिया था और भारत की वास्तविक विनिमय दर नीति को 'स्थिर व्यवस्था' बताया था जिससे संकेत मिलता है कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बहुत ज्यादा और बार-बार हस्तक्षेप कर रहा था।

आईएमएफ द्वारा अपने बोर्ड को प्रस्तुत 'भारत पर 2025 की स्टाफ रिपोर्ट' में कहा गया है कि रुपये की विनिमय दर अंतरबैंक बाजार में तय की जाती है जहां आरबीआई अक्सर हस्तक्षेप करता है। आरबीआई अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है। भारत की विनिमय दर व्यवस्था फ्लोटिंग है और इसकी वास्तविक विनिमय दर व्यवस्था को क्रॉल जैसी व्यवस्था के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में आईएमएफ के मुताबिक क्रॉल-जैसी व्यवस्था का तात्पर्य किसी देश और उसके व्यापारिक भागीदारों के बीच मुद्रास्फीति के अंतर को दर्शाने के लिए मुद्रा में छोटे, क्रमिक समायोजन से है। स्थिर व्यवस्था एक ऐसी प्रणाली को संदर्भित करती है जहां केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के जरिए किसी मुद्रा की हाजिर बाजार दर को लंबी अवधि, आम तौर पर छह महीने या उससे ज्यादा के लिए, एक संकुचित दायरे में रखा जाता है।

2026 में समग्र विज्ञापन उद्योग में होगी मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली

। इस साल की पहली छमाही में धीमी वृद्धि और पैसे वाले खेलों पर बैन के बाद उद्योग के अधिकारियों को लगता है कि 2026 में समग्र विज्ञापन उद्योग में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। यह एक अंक में सीमित होगी और इसे डिजिटल श्रेणी से बल मिलेगा। हालांकि डिजिटल श्रेणी के दो अंकों में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है क्योंकि इसका योगदान बढ़ रहा है और अब कुल विज्ञापन खर्च में करीब आधा योगदान देता है।

मीडिया रिपोर्ट में उद्योग के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह सब हो रहा है जब देश में 45 फीसदी कॉर्पोरेट फर्म विज्ञापन के लिए डिजिटल को प्राथमिकता देती हैं। इस साल फरवरी में डेंट्सु ईएम डिजिटल रिपोर्ट 2025 के मुताबिक भारत के विज्ञापन उद्योग को 2025 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया था। इस साल के आखिर तक 1.1 लाख रुपए के बाजार आकार तक पहुंचने की उम्मीद थी और इसका प्रमुख नेतृत्व डिजिटल श्रेणी द्वारा किए जाने की बात कही गई थी।

हवास की कंपनी पाइवट रूट्स के संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी शिबु शिवनंदन ने कहा कि कुल विज्ञापन खर्च में करीब 46 फीसदी हिस्सेदारी डिजिटल श्रेणी के होने की उम्मीद है और अनुमान जताया है कि यह 12 से 14 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है।

हवास प्ले के सीओओ ने बताया कि 2025 में अधिकांश वृद्धि डिजिटल-प्रथम श्रेणियों जैसे वित्तीय प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स और सीधे उपभोक्ता आधारित रोजमर्रा के सामान वाले ब्रांडों में देखी जाएगी। अगले साल लीनियर टीवी, ओओएच, रेडियो, प्रिंट जैसे पारंपरिक श्रेणियों के निम्न से मध्य एक अंकों में बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, टीवी और आउटडोर विज्ञापन श्रेणी उच्च-प्रभाव वाले कार्यक्रमों और क्षेत्रीय पहुंच से लाभान्वित होते रहेंगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि 2026 में इस साल के मुकाबले में थोड़ा बेहतर होगा, जिसका नेतृत्व ज्यादा आत्मविश्वासपूर्ण उपभोग वातावरण और सामग्री, खेल और डिजिटल पारिस्थितिकी प्रणालियों में बढ़े हुए ब्रांड खेल द्वारा किया जाएगा।

यह साल उद्योग के लिए मध्य-एक अंकों की वृद्धि के साथ समाप्त होगा।

30 नवंबर तक ये जरुरी काम कर लें.....केंद्र सरकार के वे कर्मचारी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार के वे कर्मचारी जो नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में स्विच होना चाहते हैं, उन्हें 30 नवंबर तक अपना विकल्प चुनना जरूरी है। अंतिम तारीख अब कुछ ही दिनों में आने वाली है, इसकारण वित्त मंत्रालय ने सभी पात्र कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों से निर्धारित समय सीमा से पहले आवेदन दाखिल करने की अपील की है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जो भी कर्मचारी या पेंशनर यूपीएस के तहत मिलने वाले लाभ पाना चाहते हैं, वे 30 नवंबर 2025 से पहले अपना अनुरोध अवश्य जमा करें। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम, जिसे जनवरी 2025 में अधिसूचित किया था, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस का एक नया विकल्प है। इसे 1 अप्रैल 2025 से लागू किया गया है। यूपीएस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह महंगाई से जुड़ी हुई गारंटीड पेंशन प्रदान करता है। यह एक कॉन्ट्रिब्यूटरी स्कीम है, जिसमें कर्मचारी को अपने बेसिक पे + डीए का 10 प्रतिशत योगदान देना होगा, जबकि नियोक्ता यानी केंद्र सरकार 18.5 प्रतिशत योगदान देगी। यह व्यवस्था एनपीएस की तुलना में अधिक स्थिर और पूर्वानुमेय पेंशन का वादा करती है। क्या यूपीएस, एनपीएस का हिस्सा है?

हां। यूपीएस पूरी तरह नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के ढांचे के भीतर संचालित होने वाली स्कीम है। इसे पीएफआरडीए द्वारा विनियमित किया जाता है और यह सेवा में मौजूद तथा कुछ शर्तों को पूरा करने वाले सेवानिवृत्त दोनों के लिए उपलब्ध है। यूपीएस के तहत कर्मचारियों को अंतिम 12 महीनों के औसत बेसिक पे का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलता है, बशर्ते कर्मचारी ने कम से कम 25 वर्ष की सेवा पूरी की हो।

2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में विश्व का स्वागत करने को तैयार भारत का नया युग

कांतिलाल मांडोत

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद को मिलना न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली की बैठक के अंत में यह घोषणा आधिकारिक रूप से मुहरबंद हुई, और 26 नवम्बर 2025 को अंतिम सहमति बनने के साथ ही भारत ने विश्व खेल मंच पर एक नया मील का पत्थर स्थापित कर दिया। यह अवसर केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की युवा ऊर्जा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास मॉडल और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का सामूहिक प्रदर्शन भी होगा।

अहमदाबाद, जिसे भारत के सबसे प्रगतिशील और योजनाबद्ध शहरों में गिना जाता है, अब विश्व खेल संस्कृति का केंद्र बनने जा रहा है। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स, कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी होंगे। इस तरह यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अगले सौ वर्षों की नींव रखने वाला ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा। भारत के लिए यह जिम्मेदारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह देश ऐसे समय में विश्व मंच पर उभर रही शक्ति के रूप में पहचान बना चुका है। आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी नवाचार और खेल प्रतिभा आदि सबका संगम इस आयोजन में उजागर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का अहमदाबाद में होना शहर और राज्य दोनों के विकास की कहानी को एक नई धार देगा। सबसे पहले, शहरी विकास को लेकर अहमदाबाद में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक परिवहन सुविधाएँ, खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए विशेष आवास व्यवस्था, पर्यावरण-अनुकूल शहरी मॉडल और डिजिटल स्मार्ट व्यवस्थाएँ सब मिलकर अहमदाबाद को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स सिटी में बदल देंगी। यह विकास केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के रोजमर्रा के जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा। नई सड़कें, नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर, सुरक्षित ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र और शहरी

सौंदर्यीकरण की योजनाएँ शहर को अगले स्तर पर ले जाएँगी।

रोजगार के लिहाज से यह आयोजन युवाओं के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोलेगा। निर्माण क्षेत्र, होटल उद्योग, पर्यटन, परिवहन, तकनीकी सेवाएँ, सुरक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और खेल प्रशिक्षण हर क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह आयोजन गुजरात के युवा कौशल और उद्यमिता को अंतरराष्ट्रीय मंच देगा, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य और मजबूत होगा। भारतीय खेल उद्योग, जो पहले से ही तेजी से उभर रहा है, इस आयोजन के माध्यम से और भी सशक्त होगा।

पर्यटन में वृद्धि कॉमनवेल्थ गेम्स का सबसे बड़ा प्रभावों में से एक होगा। दुनिया भर से लाखों पर्यटक, खिलाड़ी, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रेमी अहमदाबाद का रुख करेंगे। इसके साथ ही, गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत जैसे साबरमती आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ रण, मोढेरा सूर्य मंदिर, दांडी, पाटन की रानी की वाव, द्वारका और सौराष्ट्र का तटीय सौंदर्य-वैश्विक स्तर पर नई पहचान पाएँगे। यह आयोजन केवल अहमदाबाद ही नहीं, पूरे गुजरात को विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगा। कला, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजन, लोकनृत्य और सांस्कृतिक उत्सवों को भी इस अवसर पर वैश्विक मंच मिलेगा।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रोत्साहन देने के लिए भी 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स ऐतिहासिक सिद्ध होंगे। भारत की अतिथि देवो भवकी परंपरा दुनिया के सामने बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होगी। उद्घाटन और समापन समारोहों में भारत की समृद्ध विरासत, आधुनिक आकांक्षाएँ और विविधता की भावना का संगम दिखेगा। दुनिया भारत को केवल एक खेल राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सभ्यता और मानवीय मूल्यों के केंद्र के रूप में देखेगी। कॉमनवेल्थ के 72 देशों की मित्रता, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव अहमदाबाद में साकार होगा।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सामूहिक भूमिका इस आयोजन की सफलता की कुंजी होगी। केंद्र सरकार का विकसित भारत 2047 का संकल्प वैश्विक आयोजनों के माध्यम से मजबूत हो रहा है। राज्य सरकार की सक्रियता और सुशासन मॉडल इस आयोजन के लिए आधार तैयार करेंगे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया खेल आयोजन की तकनीकी, संचालनात्मक और अंतरराष्ट्रीय मानकों की जिम्मेदारी निभाएगी। यह त्रिकोणिक समन्वय भारत की हासिल की जा चुकी प्रतिष्ठा और भविष्य की संभावनाओं को और विस्तृत करेगा।

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

2030 का अहमदाबाद ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और जुनून से भरा शहर दिखाई देगा दुनिया का स्वागत करेगा। यह आयोजन भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और वैश्विक भूमिका को स्थापित करेगा। यह साबित करेगा कि भारत केवल भविष्य की शक्ति नहीं, बल्कि वर्तमान का नेतृत्वकर्ता देश भी है। गुजरात और भारत के लिए यह सदी का अवसर है।जहाँ अतीत की गौरवशाली परंपराएँ, वर्तमान की चुनौतियाँ और भविष्य के सुनहरे सपने एक साथ मिलकर नया इतिहास रचेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, इसीलिए, केवल खेलों का आयोजन नहीं बल्कि Sbse के विकसित होने की कहानी का सबसे उज्ज्वल अध्याय बनने जा रहा है।

संपादकीय

गवई गए, सूर्य कांत आए!

भूषण गवई सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में गवई से जनता को बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की तरह ये भी बड़ी-बड़ी बातें करते हुए रिटायर हो गए। मुख्य न्यायाधीश गवई ने इस दौरान संविधान पर भाषण दिए। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कहते थे, 'न्यायपालिका स्वतंत्र होनी चाहिए। पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश में जो हुआ, वह सबने देखा है। भारत के भीतर और बाहर कुछ समस्याएं होने के बावजूद, देश अखंड है। यह संविधान की देन है।' हालांकि, गवई की कही हर बात सही है, लेकिन आज हमारे देश में क्या स्थिति है? संविधान पर भाषण देना आसान है। क्या देश वास्तव में संविधान के अनुसार चलाया जा रहा है? आज भारतीय न्यायपालिका पर सरकारी दबाव है और उसी के अनुसार, संविधान को ताक पर रखकर सरकार द्वारा अपनी इच्छानुसार निर्णय लिए जा रहे हैं, यह एक ऐसा तथ्य है जिससे गवई इनकार नहीं कर सकते। भारत के लोकतंत्र पर कई तरह से हमले हो रहे हैं, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए क्या किया है? एक ईमानदार, गंभीर, सक्षम और निडर न्यायाधीश ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार होता है। यह आधार ही आज ढह गया है। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने स्वयं स्वीकार किया था कि महाराष्ट्र में एक असंवैधानिक, अवैध सरकार स्थापित की गई थी। चंद्रचूड़ ने स्वयं कहा था कि दलबदल विरोधी अधिनियम की धारा 10 का उल्लंघन हुआ था, लेकिन उन्होंने दलबदल करनेवालों को दंडित नहीं किया। चंद्रचूड़ ने भी अपनी राय व्यक्त की थी कि राज्यपाल का व्यवहार गलत था, लेकिन इससे क्या फायदा हुआ? शिवसेना का चुनाव चिह्न और पार्टी एक अवैध गुट को सौंपने का चुनाव आयोग का फैसला मूर्खतापूर्ण ही है और शिवसेना इसके खिलाफ संविधान के तहत न्याय पाने के लिए तीन साल से सुप्रीम कोर्ट में खड़ी है, लेकिन चंद्रचूड़ से लेकर गवई तक सिर्फ तारीखों का खेल चलता रहा। इसे

सरकारी दबाव- नहीं तो और क्या कह सकते हैं? अब जस्टिस गवई की जगह जस्टिस सूर्यकांत की नियुक्ति हो गई है। गव गए और पंत के आने से न्यायपालिका पर क्या असर पड़ेगा? ये मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत महोदय ही शिवसेना पार्टी और चुनाव चिह्न के मालिकाना हक के मुद्दे पर सुनवाई बार-बार टालते रहे और अब उन्होंने इसे जनवरी के अंत तक टाल दिया है। एक तरफ संविधान की रक्षा की बात करना और दूसरी तरफ इसके खिलाफ काम करना। अमित शाह के दबाव में चुनाव आयोग ने शिवसेना और चुनाव चिह्न शिंदे गुट को दे दिया और फिर सुप्रीम कोर्ट पर सरकार का दबाव है कि वह इस मामले में शिवसेना को न्याय न दे और तारीखों का खेल जारी रखे। प्रधानमंत्री जस्टिस चंद्रचूड़ के घर भगवान की पूजा करने जाते हैं और उनकी आरती उतारी जाती है। जस्टिस गवई ने भाषण तो खूब दिए, लेकिन उनमें डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जैसी निर्भीकता नहीं दिखी। सरकार ने कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को सालों तक जेल में ठूंस रखा। अदालत पर दबाव डाला गया कि सजा पूरी होने के बाद भी उन्हें जमानत न दी जाए। भाजपा और संघ परिवार के लोगों को सीधे उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्त किया गया।

चिंतन-मनन

रजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहेंगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।

साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बोझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावट से कैसे मिले छुटकारा

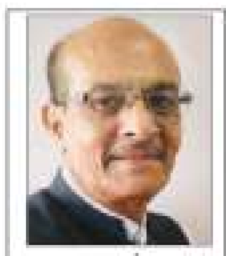

सनत जैन

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से परिपूर्ण देश में भोजन महज पोषण का स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का आधार भी है। यहां खास तरह के खान-पान लोगों की पहचान भी होती हैं, जो कि आस्था से भी जुड़ जाते हैं। बावजूद इसके आज इस मजबूत आधार को लगातार नुक्सान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह कहते हुए अफसोस होता है कि आज खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर और भयावह महामारी का रूप ले चुकी है। दूध, मसाले, मिठाइयाँ, तेल और यहां तक कि रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली सामान्य वस्तुएँ भी मिलावट से मुक्त नहीं रहीं। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब भुना हुआ चना, जो सदियों से पौष्टिक और सस्ता स्नैक माना जाता रहा है भी इस जहरीले खेल का शिकार हो गया है। हाल ही में यह तथ्य सामने आया है, कि बाजार में बिकने वाले चमकीले पीले भुने हुए चनों में औरामाइन नामक घातक इंडस्ट्रियल केमिकल की मिलावट की जा रही है। यह खुलासा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि हमारे खाद्य सुरक्षा ढांचे की कमजोरियों को भी उजागर करता है। दरअसल औरामाइन वह रसायन है जिसका प्रयोग कपड़ा, चमड़ा और कागज जैसे उद्योगों में किया जाता है, पर खाद्य पदार्थों में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) इसे संभावित कार्सिनोजन के रूप में वर्गीकृत कर चुकी है। लगातार सेवन करने पर यह लिवर, किडनी और ब्लैडर में कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ा देता है, साथ ही नर्वस सिस्टम और अन्य अंगों पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि मिलावट करने वाले इसका इस्तेमाल चने को आकर्षक दिखाने एवं मुनाफाखोरी के लिए कर रहे हैं। इसमें दो-राय नहीं कि चने का चमकीला रंग और कुरकुरेपन का अहसास उपभोक्ताओं को लुभाता है। वे नहीं जानते कि वो खाने के लिए क्या ले जा रहे हैं, अनजाने में जहर को खाद्य पदार्थ समझकर खुद भी खाते हैं और औरों को भी परोसते हैं। चने में हो रही मिलावट को सिद्ध करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है, कि गर्म पानी में चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है। इस दावे में यदि थोड़ी भी सच्चाई है तो यह वाकई बहुत ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि भुने चने का सेवन सभी वर्ग के अधिकांश लोग करते हैं। इस संबंध में राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी द्वारा स्वास्थ्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को लिखी गई चिट्ठी इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय हेल्थ अलर्ट जारी करने, व्यापक जांच अभियान चलाने और दोषियों को कठोर दंड देने की मांग भी की है।

यहां यह समझ लिया जाना चाहिए कि यह मिलावट केवल फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। ऐसे अपराध को किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि मिलावट रुपी इस समस्या की जड़ कहाँ है, और इससे छुटकारा कैसे मिलेगा? दरअसल पहले तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि खाद्य सुरक्षा केवल सरकार या किसी एजेंसी विशेष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति व समूह का दायित्व है। जहां तक सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी की बात है तो इसके लिए उन्हें ज्यादा सजग होने की आवश्यकता है। सरकार के साथ ही एफएसएसएआई और राज्य स्तरीय खाद्य सुरक्षा विभागों को अचानक निरीक्षण, नमूना परीक्षण और दोषियों पर त्वरित कानूनी कार्रवाई को और अधिक सख्ती से लागू करना होगा। यह भी सच है कि आज भी देश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है, जिससे बड़े पैमाने पर निगरानी करना कठिन हो जाता है। इस दिशा में संसाधनों और जनशक्ति में वृद्धि अत्यावश्यक है। इसमें उपभोक्ताओं की जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। लोगों को यह समझना होगा कि अत्यधिक चमकीले रंग, तेज गंध या असामान्य रूपहरूपांतर रखने वाले खाद्य पदार्थों से सतर्क रहें। इसके अलावा हमें शिकायत प्रणाली को मजबूत और सरल बनाना होगा। हर नागरिक को यह अधिकार और आत्मविश्वास होना चाहिए कि वह संदिग्ध खाद्य पदार्थों की शिकायत एफएसएसएआई, स्थानीय प्रशासन या उपभोक्ता फोरम में दर्ज करा सके। मिलावटखोरी के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड से नहीं जीती जा सकती है, बल्कि मिलावट रुपी राक्षस को नैतिकता और जिम्मेदारी के दम पर हराया जा सकता है। जब तक समाज में ईमानदारी और उपभोक्ता स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित नहीं होगी, तब तक कोई भी कानून पूर्ण प्रभावी सिद्ध नहीं हो सकेगा। अब वाकई यह समय आ गया है, जबकि मिलावट को सामान्य मानने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। भोजन में जहर की अनुमति नहीं दी जा सकती, न बाजार में, न नीतियों में और न ही हमारी उदासीनता में। मानव स्वास्थ्य के साथ किया जाने वाला यह खिलवाड़ का खेल अब बंद होना ही चाहिए।

भारत-कनाडा के रिश्तों में नई गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है। जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाडा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दस्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिस्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमन्द नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाना।

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात उस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाडा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समस्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं। यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाडा सबसे पसंदीदा जगहों में एक है। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है।

पीयूष गोयल के वक्तव्य में दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वास्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए, जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

हाल के वर्षों में दुनिया बहुध्रुवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पश्चिम एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनिश्चितताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है। भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है। कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे।

वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है। समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं। वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएं खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है

टीवी हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। छोटे पर्दे ने न सिर्फ हमें मनोरंजन दिया है, बल्कि हमारी सोच, हमारी भावनाओं और हमारे रिश्तों को समझने का तरीका भी बदल दिया है। वर्ल्ड टेलीविजन डे पर आईएएनएस से बात करते हुए टीवी एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे यह माध्यम उनके जीवन और करियर दोनों में एक अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना सिर्फ एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह उन्हें सीखने, बढ़ने और दर्शकों के साथ गहरे भावनात्मक रूप से जुड़ने का जरिया भी देता है। इंटरव्यू में अमनदीप ने कहा कि टीवी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा, टीवी सिर्फ करियर बनाने का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसने मुझे अपनी आवाज और मकसद खोजने में मदद की है। इसके जरिए मैं लोगों के साथ जुड़ पाती हूं और अपनी कहानियों के माध्यम से भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सकती हूं। टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है, जहां कहानी और भावनाएं सीधे लोगों तक पहुंचती हैं।

उन्होंने आगे कहा, टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है। एक्टिंग हमेशा से मेरा शौक रहा है और हर दिन नए किरदार में ढलना मुझे अंदर से बेहद खुशी देता है। हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नए सफर जैसा होता है, जो मेरे जीवन, संघर्ष और खुद को समझने का मौका देता है। टीवी ने सिखाया कि कैसे कठिनाइयों का सामना किया जाता है और जीवन के हर अनुभव से सीख ली जाती है। अमनदीप ने नागिन 6 के अनुभव को साझा करते हुए कहा, टीवी पर काम करने का सबसे खास हिस्सा है रोजाना का रूटीन और दर्शकों के साथ जुड़ाव। जब मैं किसी डेली सोप में काम करती हूं, तो मेरा किरदार समय के साथ विकसित होता है और मुझे व्यक्तिगत रूप से भी सीखने का मौका मिलता है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे खुशी देती है और यह अनुभव दर्शकों के बीच एक खास रिश्ता बनाता है।

बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म में काम करेंगी श्रद्धा कपूर

अपनी सादगी से फैंस के दिलों पर राज करने वाली श्रद्धा कपूर जहां इन दिनों पैर में फ्रैक्चर के कारण घर पर आराम फरमा रही है, वहीं उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके बाद उनके दीवानों की बांछे खिल गई हैं। स्त्री एक्ट्रेस ने कंफर्म किया है कि उनकी अगली फिल्म कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ होगी। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर है। श्रद्धा बीते दिनों फिल्म ईथा की शूटिंग के दौरान घायल हो गई। वह लावणी डांस सीक्वेंस शूट कर रही थी, जबकि उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। एक्ट्रेस ने हेल्थ अपडेट भी दिया है। बताया है कि सेहत मे सुधार है। श्रद्धा ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि ईथा के बाद वह राहुल मोदी की एक फिल्म में दिखेंगी, जो स्टार्टअप्स की दुनिया की कहानी होगी। श्रद्धा ने कहा कि फिल्म में उनका रोल बहुत चैलेंजिंग है।

शहीद विजय सालस्कर की बायोपिक करेंगी प्रोड्यूस

श्रद्धा कपूर ने ये भी बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर सुपर फैट स्टूडियो के साथ दो फिल्में को-प्रोड्यूस करने वाली हैं। इनमें से एक फिल्म जांबाज पुलिस ऑफसर एक पुलिसवाले विजय सालस्कर की कहानी होगी, जो 26/11 हमलों में शहीद हो गए थे। इसे अखिव अली डायरेक्ट करेंगे। विजय सालस्कर ने दगड़ी चॉल में अरुण गवली के गैंग के कई गुंडों का एनकाउंटर किया था।

एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी कर ली है पूरी

श्रद्धा कपूर ने एक और खुलासा किया कि उन्होंने एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, मैंने एक फिल्म की शूटिंग पहले ही कर ली है। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती। लेकिन जल्द ही इसको लेकर ऐलान होगा।

स्टार्टअप कल्चर पर आधारित होगी श्रद्धा-राहुल की फिल्म

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट के बाद वह अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म कर रही हैं। उन्होंने कहा, उसके बाद मैं राहुल की फिल्म कर रही हूं। उसके बारे में बिंदास बात कर सकती हूं। यह स्टार्टअप की दुनिया की फिल्म है। यह हसल कल्चर यानी बिजनस की दुनिया में मची हलचल और उसकी एनर्जी पर आधारित है। मेरे लिए एकदम नया किस्म का रोल है जो बहुत ज्यादा चैलेंजिंग है।

कौन हैं, कहां से हैं राहुल मोदी?

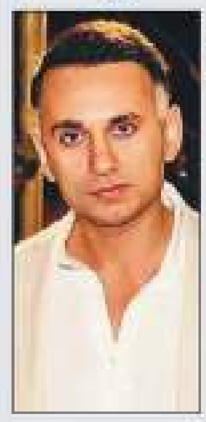

राहुल मोदी और श्रद्धा कपूर ने कभी खुलकर अपने रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई है, लेकिन एक्ट्रेस ने कई बार फैंस को अपने रिश्ते को लेकर हिंट दिया है। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर है। वह प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, और तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। राहुल मोदी मुंबई से ही है। उन्होंने लव रंजन की 2011 में रिलीज प्यार का पंचनामा के सेट पर बतौर इंटर्न करियर की शुरुआत की थी।

जान-बूझकर चुन रही है कम फिल्में

एक विलेन फेम एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह करियर के इस पड़ाव पर सिर्फ वैसे रोल ही चुन रही है, जो उन्हे एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ाए। श्रद्धा ने कहा, अभी मैं जान-बूझकर यही तय कर रही हू कि मुझे इस टाइप के रोल ही करने है, जहां पर मैं एक एक्टर के तौर पर बहुत ज्यादा चैलेंज होती हू और एक एक्टिव कैरेक्टर प्ले करती हू। इसलिए बहुत सोच समझकर स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हूं।

मनोज बाजपेयी ने 'फैमिली मैन' को भी बताया गेम चेंजर

इन दिनों अभिनेता मनोज बाजपेयी सीरीज द फैमिली मैन 3 को लेकर चर्चा में है। इस सीरीज में वह श्रीकांत तिवारी नाम के स्पेशल एजेंट का रोल करते हैं। द फैमिली मैन सीरीज ने वेब सीरीज की दुनिया में एक गेम चेंजर का काम किया है।

'द फैमिली मैन 3' का सफर कितना रोमांचक रहा?

सफर बेहद रोमांचक रहा। इस बार 'द फैमिली मैन' सिर्फ स्केल में बड़ा नहीं है, चुनौतियां भी कहीं ज्यादा बड़ी हैं। इस बार जो दुश्मन है वो भी बड़ा और है। और अगर उसमें जयदीप अहलावत और निमरत कौर जैसे नाम जुड़े हों, तो समझ सकते है कि ये ऐसे ही नहीं आए हैं।

क्या आप मानते हैं कि फैमिली मैन ने कहीं न कहीं गेमचेंजर का काम किया?

यकीनन, इसने पूरी मनोरंजन की दुनिया को उलट-पुलट करके रख दिया था। इसने ओटीटी को बहुत बड़ी पहचान दी और ऑडियंस को बताया कि थिएटर के अलावा भी एक मीडियम है जो आपका मनोरंजन कर सकता है। उसके बाद जब दूसरा सीजन आया.. वो तो बहुत ही बड़ा था। तब से मनोरंजन की पूरी परिभाषा ही बदल गई हमारे यहां पर।

क्या आपकी असल ज़िंदगी में कभी ऐसा वक्त आया जब काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा हो?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं।

मैं बार-बार नेगेटिव किरदार नहीं करना चाहता था

एक्टर जयदीप अहलावत ने द फैमिली मैन में नेगेटिव किरदार निभाया है और उनका सामना मनोज बाजपेयी से हुआ है। सीरीज में उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। नेगेटिव किरदार निभाने पर उनकी कैसी छवि बन गई थी इस पर उन्होंने बात की है। बातचीत में जयदीप अहलावत ने बताया एक समय ऐसा भी था जब मुझे कई ऑफर ठुकराने पड़े थे। यह मौका कमांडो में काम करने के बाद आया था। मुझे कई अजीब तरह के नेगेटिव किरदार के ऑफर आने लगे थे। फिल्म में मैंने जो किरदार किया था वह थोड़ा अजीब और अलग था। हर कोई मुझे अजीब तरह के नेगेटिव रोल ऑफर करता। वह परेशान करने वाला था। अगर आप कुछ अलग करते है तो आपके पास आने वाली हर दूसरी स्क्रिप्ट वैसी ही होती है। मैं ऐसे रोल क्यों करूं। मैं बार-बार वही किरदार नहीं करना चाहता। जयदीप ने आगे बताया कि उन्होंने कुछ फिल्मों और शोज में काम किया तब उनकी छवि में बदलाव हुआ।

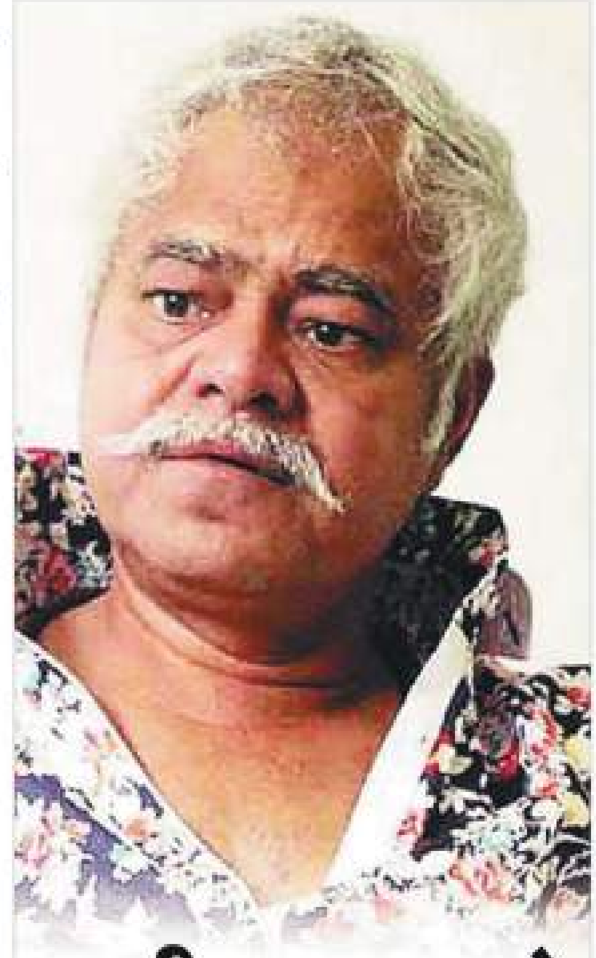

नीना गुप्ता से सीखते और अनुभव लेते हैं संजय मिश्रा

इन दिनों बॉलीवुड की कई जानी मानी हस्तियां 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार संजय मिश्रा भी फेस्टिवल में पहुंचे। यहां उन्होंने अपकमिंग फिल्म वध 2 की स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया। इस बीच उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी साथी कलाकार नीना गुप्ता की तारीफ की।

संजय मिश्रा ने नीना गुप्ता के बारे में कहा उनके साथ काम करके सीखने का मौका मिलता है और अनुभव मिलता है। नीना गुप्ता मेरी सीनियर है और आज भी मैं उनसे बहुत कुछ सीखता हूं। नीना गुप्ता स्वास्थ्य कारणों की वजह से फिल्म फेस्टिवल में नहीं आ सकीं। इस पर संजय मिश्रा ने कहा आज नहीं आ पाईं, उनकी तबियत थोड़ी खराब है वर्ना वह भी आपके पास होतीं।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

मिश्रा का मानना है कि ऐसी फिल्म के साथ लौटना उनके लिए इमोशनल है। यह फिल्म उन लोगों के माहौल को दिखाती है जो अजीब हालात का सामना करते हैं। फिल्म अगले साल 6 फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या है वध 2 की कहानी

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में वध 2 की स्क्रीनिंग हुई। इस फिल्म के निर्देशक जसपाल सिंह संधू हैं। इसके निर्माता लव रंजन और अंकूर गर्ग हैं। इस फिल्म में एक मिडिल क्लास जोड़े की कहानी दिखाई गई है। उनका बेटा उन्हें छोड़कर अमेरिका में बस जाता है। वह दोनों लोन की वजह से परेशान हो जाते हैं।

मेरी फिल्मों में हमेशा सोशल लेयर रहती है

फिल्ममेकर कबीर खान गोवा के पणजी में चल रहे 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंचे। इवेंट के दौरान उन्होंने बातचीत में अपने प्रोजेक्ट्स और सलमान खान के साथ काम करने को लेकर जैसे कई मुद्दों पर बात की। कबीर खान ने अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के लीड एक्टर कार्तिक आर्यन को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, कार्तिक ने इस फिल्म के लिए जिस लेवल की मेहनत की, वैसी मेहनत बहुत कम एक्टर करते हैं। डेढ़ साल तक उन्होंने खुद को पूरी तरह रोल के हवाले कर दिया। बॉक्सिंग सीखी, स्विमिंग सीखी, और सबसे मुश्किल बिना पैरों के स्विमिंग सीखना भी। उन्होंने अपने शरीर को 37 प्रतिशत फैट से घटाकर सिर्फ 7 प्रतिशत तक लाया। ये किसी आम कलाकार के बस की बात नहीं।

जब उनसे पूछा गया कि कार्तिक आर्यन, जिनकी पहचान प्यार का पंचनामा और लुका छुपी जैसी हल्की-फुल्की फिल्मों के किरदारों से रही है, उन्हें चंदू चैंपियन जैसे गंभीर और चुनौतीपूर्ण रोल के लिए क्यों चुना गया, तो इस पर कबीर खान ने बताया कि उनके करियर की खासियत यही रही है कि वे हमेशा कलाकारों को उनकी सहज छवि से बाहर निकालते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने न्यूयॉर्क में कैटरीना कैफ को लिया, तो वो उनके करियर का सबसे अलग रोल था। फिल्म काबुल एक्सप्रेस में जॉन अब्राहम, 83 में रणवीर सिंह और बजरंगी भाईजान में सलमान खान इन सबने अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए। अब कार्तिक ने भी वैसा ही किया है। मेरे लिए यही सिनेमा का असली मजा है किसी एक्टर के अंदर वो रॉ मटीरियल देखना और उसे नए किरदार मे ढाल देना। आने वाले प्रोजेक्ट्स पर कबीर खान ने बताया कि वे अगले महीने एक नई फिल्म की घोषणा करने वाले है। उन्होंने कहा, ये कहानी बहुत दिलचस्प है और इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया जा रहा है। अभी ज्यादा नहीं बता सकता, लेकिन ये मेरे अब तक के काम से थोड़ी हटकर होगी।

जब कबीर खान से पूछा गया कि उनकी फिल्मों में हमेशा सामाजिक या राजनीतिक परत देखने को मिलती है क्या वे कभी इससे अलग दिशा में, जैसे कॉमेडी या एक्शन जॉनर में कुछ नया करने का सोचते हैं?

इस पर उन्होंने कहा, मेरी फिल्मों में हमेशा एक सोशल या पॉलिटिकल लेयर रहती है, क्योंकि मुझे वैसा सिनेमा देखना पसंद है, इसलिए मैं वैसा ही बनाता हूं, लेकिन अगर किसी कहानी में बजरंगी भाईजान जैसी कॉमेडी होगी, तो वह अपने आप आ जाएगी और अगर कहानी में एक था टाइगर या फैंटम जैसा एक्शन होगा, तो वो भी आएगा। मैं कभी जॉनर के हिसाब से नहीं, कहानी के हिसाब से सोचता हूं। मेरे लिए मूल मे हमेशा ह्यूमन स्टोरी होती है।

आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं

जब उनसे पूछा गया कि क्या कोई ऐसा एक्टर है जो उनकी बकेट लिस्ट में शामिल है, जिनके साथ वे भविष्य में काम करना चाहते हैं, तो कबीर बोले, बहुत सारे हैं। शाहरुख खान है उन्होंने ट्यूबलाइट में मेरे साथ कैमियो किया था, लेकिन कभी पूरी फिल्म नहीं की। आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं।

बजरंगी भाईजान 2 पर बोले कबीर

सलमान खान के साथ फिर से काम करने के सवाल पर, कबीर ने कहा, मेरी और सलमान की जोड़ी हमेशा खास रही है। बजरंगी भाईजान को आज दस साल हो गए हैं, लेकिन लोगों का प्यार आज भी वैसा ही है। लोग बार-बार पूछते हैं कि बजरंगी भाईजान 2 कब बनेगी। मैं और सलमान भी इस पर बात करते हैं, लेकिन हम दोनों मानते हैं कि ऐसी फिल्म की लीगेसी को बिगाड़ना नहीं चाहिए। अगर हमें कोई शानदार स्क्रिप्ट मिलती है, तो जरूर बनाएंगे।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में दीप्ति को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा

सोफी को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए यहां हुई पहली मेगा में कुल 277 खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में ज जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। अमेलिया को 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को नहीं मिला खरीदार। इस मेगा नीलामी में अधिक से अधिक 73 खिलाड़ियों को ही खरीदा जा सकेगा। इसमें पांच टीमों में 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी के लिए ही स्लॉट है। हर फ्रेंचाइजी अपने स्क्वॉड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 प्लेयर ही शामिल कर सकती है।

इससे पहले टीमों ने कुल 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। ऐसे में टीमें अपने 2025 स्क्वॉड के खिलाड़ियों को वापस पाने के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिन फ्रेंचाइजी ने कम खिलाड़ियों को रिटेन किया, उनके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए मोटी रकम है। हर टीम का पर्स 15 करोड़ रुपये, जिसमें रिटेंशन भी शामिल है। मुम्बई और दिल्ली आरटीएम इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी क्योंकि उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है

यूपी वॉरियर्स : दीप्ति शर्मा ,सोफी और लैनिंग

स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वॉरियर्स में ही रहेंगी। उन्हें यूपी ने 3.2 करोड़ में लिया है। डीसी ने दीप्ति में दिलचस्पी दिखाई लेकिन यूपी ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर बाजी मार ली। वह महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

इंग्लैंड की सोफी को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में खरीदा है। यूपी ने आरटीएम ऑप्शन से सोफी को खरीदा। वहीं यूपी ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। लैनिंग का आधारमूल्य 50 लाख था। वह पिछले तीन सीजन दिल्ली के लिए खेली।

मुंबई इंडियंस : अमेलिया केर

अमेलिया केर 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस के साथ बनी रहेंगी। न्यूजीलैंड की ऑलराउंडर के लिए मुंबई और यूपी वॉरियर्स के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। गुजरात जायंट्स ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रुपये में लिया है।

गुजरात जायंट्स : सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की दिग्गज प्लेयर सोफी डिवाइन गुजरात जायंट्स का हिस्सा बन गई है। उन्हें जीजी ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली ने 1.9 करोड़ तक की बोली लगाई लेकिन बाजी जीजी ने मारी। उनका बेस प्राइस 50 लाख था।

वहीं 50 लाख रुपये आधार मूल्य वाली ऑस्ट्रेलियाई की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली को कोई खरीदार नहीं मिला।

शुभमन बोले, टीम और मजबूत होकर उभरेगी

शांत समुद्र नहीं तूफान ही रास्ता दिखाता है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने दक्षिण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार पर निराशा जताते हैं। शुभमन इस सीरीज के पहले टेस्ट में गर्दन में आई जकड़न के बाद बाहर हो गये थे। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारतीय टीम सीरीज के दोनों ही मैच हार गयी है। दूसरे टेस्ट में उसे 408 रनों से बड़ी हार मिली। शुभमन ने कहा है कि इस बार के बाद टीम और मजबूत होकर उभरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रन जबकि दूसरे में 408 रनों से हारी थी। इस हार से टीम के प्रदर्शन के साथ ही गंभीर की कोचिंग पर भी सवाल उठे है। वहीं शुभमन ने सोशल मीडिया में टीम के बचाव में लिखा, ''शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए संघर्ष करते हुए, आगे बढ़ते हुए मजबूत बनेंगे।'' एक साल के अंतराल में भारतीय टीम को दो बार घरेलू टेस्ट सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-0 और अब दक्षिण अफ्रीका से 2-0 की हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं और प्रशंसक उन्हें हटाने की मांग करते दिख रहे हैं। इससे भारतीय टीम की अपनी धरती पर अजेय रहने की छवि भी टूटी है।

गावस्कर ने गंभीर का बचाव किया, बोले हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा है कि उनके ही मार्गदर्शन में चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत मिली थी। गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। इसका कारण है कि उसे पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इन हालातों में जहां अधिकतर लोग गंभीर के विरोध में हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। वहीं गावस्कर का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। गावस्कर का कहना है कि आप जब हारते हैं, तभी कोच को दोष देते हैं, लेकिन जीत के लिए उसे उतना श्रेय नहीं मिलता।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कोच की आलोचना लोग शीघ्र करने लगते हैं पर सफलता के समय उन्हें श्रेय नहीं देते। गावस्कर ने कहा, -'वह एक कोच हैं। कोच एक टीम तैयार कर सकता है पर मैदान पर कोच नहीं खिलाड़ियों को प्रदर्शन करना होता है। अब, जो लोग कोच से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं तो मैं उनसे पूछता हूं कि जब भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत था तो आपने क्या किया था? क्या आपने उन्हें श्रेय दिया था?

उन्होंने साथ ही कहा, क्या आपने तब ऐसा कहा था? जो आप अब उनको निकालने की मांग कर रहे हैं—क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक लंबा अनुबंध दिया जाना चाहिए। जब कोई टीम अच्छा नहीं करती, तभी आप कोच को भला-बुरा कहते हैं। गावस्कर के अनुसार तीनों प्रारूपों में कोचिंग करना आसान नहीं है।

घरेलू खिलाड़ियों को मिलेगा मौका, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारतीय टीम में हो सकता है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है। कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उनमें कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे।' लेकिन संभवत: अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा, 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है।'

उन्होंने कहा, ''लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज्यादा से ज्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की जरूरत है।' रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान समय में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है।

टी20 विश्वकप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से खेलकर जीतना चाहते हैं सूर्यकुमार

मुंबई । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम 2026 विश्वकप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। सूर्यकुमार 2024 में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास थी। ऐसे में अब सूर्यकुमार अपनी कप्तानी में टीम को खिताब जिताने के इरादे से उतरेंगे। सूर्यकुमार चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हो जिसमें उसे हराकर अहमदाबाद के मैदान पर 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का बदला लिया जा सके। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था पर ये अलग मैदान थे। भारतीय खिलाड़ी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसी उसी मैदान पर हरायें जिसपर उसे 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में हार मिली थी। जब सूर्या से पूछा गया कि अगले साल के टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में वह किस टीम का सामना करना चाहेंगे तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, ''अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।'' वहीं भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी सूर्या की बात का समर्थन किया, जिनकी टीम ने हाल ही के विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद खिताब जीता था। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र टीम है जिसे हम हराना चाहते हैं, क्योंकि यह वह गेम है जो आपके साथ रहता है।''

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अश्विन का ऋषभ पंत पर तीखा तंज : जब तक जिम्मेदारी नहीं लेंगे, कुछ नहीं बदलेगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका खेल और डिफेंस शानदार है। हालांकि, उन्होंने पंत के लापरवाह शॉट चयन पर भी निराशा व्यक्त की, जिसके कारण अक्सर उन्हें आउट होना पड़ता है। अश्विन का मानना है कि पंत एक बहुत अच्छे खिलाड़ी है और उनमें महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अधिक जिम्मेदारी लेने और अपने शॉट्स के साथ अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। यह बात भारत को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 408 रनों से मिली शर्मनाक हार के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप श्रृंखला 0-2 से हार गई। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर कहा कि जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी करते थे तो ड्रेसिंग रूम में मेरी धड़कनें तेज हो जाती थी। उनका खेल और डिफेंस शानदार है, इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह ऐसे शॉट क्यों खेलते हैं। मैं अब भी कहूंगा कि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और जिस दिन वह जिम्मेदारी लेंगे, चीजें बदलने लगेंगी। मैं उनके एक्स-फैक्टर से इनकार नहीं करता। नाथन एस्टल ने एक बार क्राइस्टचर्च में 200 के करीब रन बनाए थे। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उसके बाद वह हर टेस्ट में एक जैसा नहीं खेला। इसी तरह, बल्लेबाज हर बार एक जैसा नहीं खेल सकते। मैंने ड्रेसिंग रूम में भी कहा है, लेकिन जब तक उसे इसका एहसास नहीं होगा, यह बदल नहीं सकता। अगर आप आज कप्तान है, तो 10 दूसरे आपके नक्शेकदम पर चलेंगे। इसलिए जिम्मेदारी जरूरी है। पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के कार्यवाहक कप्तान थे क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे। पंत का प्रतिवाज टेस्ट सीरीज में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने चार पारियों में सिर्फ 49 रन बनाए।

सुल्तान अजलान शाह कप: रोमांचक मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-3 से हराया

इपोह (मलेशिया) (एजेंसी)। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने मेजबान मलेशिया को 4-3 के रोमांचक मुकाबले में मात देकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए सेल्वम कार्थी (7'), सुखजीत सिंह (21'), अमित रोहिदास (39') और कप्तान संजय (53') ने गोल किए। वहीं मलेशिया के लिए फैजल सारी (13'), फितरी सारी (36') और कप्तान मरहान जलील (45') ने गोल दागे।

इस जीत के साथ भारत तीन मैचों में छह अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने पहला मुकाबला कोरिया के खिलाफ जीता था, जबकि दूसरे मैच में बेल्जियम से हार मिली थी।

पहला हाफ: तेज शुरुआत, फिर मलेशिया की बराबरी

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और शुरुआती मिनटों में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लगातार दबाव का फायदा टीम को 7वें मिनट में मिला जब सुखजीत के बेहतरीन मूव पर सेल्वम कार्थी ने आसान टैप-इन से गोल किया। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंत में जरदीप सिवाच की गलती से मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे फैजल सारी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरा क्वार्टर: भारत ने फिर बनाई बढ़त

21वें मिनट में अभिषेक के शॉट को रिबाउंड पर नियंत्रित करते हुए सुखजीत सिंह ने भारत के लिए दूसरा गोल किया। भारत को बढ़त बढ़ाने के अवसर मिले, लेकिन मलेशिया की डिफेंस ने और गोल नहीं होने दिया। हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरा क्वार्टर: दोनों टीमों का कड़ा संघर्ष

तीसरे क्वार्टर में शुरुआत भारत के पेनल्टी कॉर्नर से हुई, लेकिन टीम मौके को भुना नहीं पाई। इसके बाद 34वें मिनट में जुगराज सिंह को ग्रीन कार्ड मिला, जिसका फायदा उठाते हुए मलेशिया ने फितरी सारी की मदद से 2-2 की बराबरी कर ली। कुछ देर बाद भारत की ओर से अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर जोरदार हिट लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया। क्वार्टर के आखिरी मिनट में सेल्वम कार्थी येलो कार्ड से बाहर हुए और मलेशिया ने खिलाड़ियों की संख्या का फायदा उठाते हुए कप्तान मरहान जलील के जरिए मैच को फिर बराबरी पर ला दिया (3-3)।

आखिरी क्वार्टर: कप्तान संजय बने हीरो

अंतिम क्वार्टर में मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर था। भारतीय गोलकीपर पवन ने एक कठिन शॉट रोककर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। 53वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे कप्तान संजय ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को चौथी बार बढ़ा दिलाई (4-3)।

आखिरी मिनटों में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और पवन के शानदार बचाव ने जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया।

अगला मुकाबला

भारत अपना अगला सुल्तान अजलान शाह कप 2025 मैच गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

सिराज का एयर इंडिया एक्सप्रेस पर फूटा गुस्सा : 'सबसे घटिया एयरलाइन अनुभव', 4 घंटे की देरी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में हुई देरी पर अपनी निराशा और हताशा व्यक्त की है। उन्होंने इसे एयरलाइन की ओर से संचार और अपडेट की कमी के कारण सबसे खराब एयरलाइन अनुभव बताया है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रनों से शर्मनाक हार के बाद सिराज गुवाहाटी से हैदराबाद लौट रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दो मैचों की श्रृंखला 0-2 से हार गई। पिछले साल न्यूज़ीलैंड से 3-0 की हार के बाद, यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा क्लीन स्वीप है। सिराज ने बुधवार शाम को उड़ान में हुई देरी पर नाराज़गी जताई, जो शाम 7.25 बजे उड़ान भरने वाली थी। उन्होंने एयरलाइन की संचार की कमी को उजागर किया। एक एक्स पोस्ट में, सिराज ने लिखा कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या IX 2884 को 7.25 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है और बार-बार संपर्क करने के बाद भी उन्होंने बिना किसी उचित कारण के उड़ान में देरी कर दी है। यह वास्तव में निराशाजनक है और हर यात्री की यही आम शिकायत है। उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई और अभी तक कोई अपडेट नहीं मिलने से हम फंस गए हैं। एयरलाइन का सबसे खराब अनुभव। मैं वास्तव में किसी को भी इस उड़ान से जाने की सलाह नहीं दूंगा अगर वे कोई स्टैंड नहीं ले सकते। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली उसकी उड़ान (IX 2884) अप्रत्याशित परिचालन कारणों से रद्द कर दी गई है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब सिराज ने सार्वजनिक रूप से एयरलाइन पर गुवाहाटी से उड़ान में देरी और इस संबंध में संचार की कमी का आरोप लगाया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के X पोस्ट के जवाब में कहा कि हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि अप्रत्याशित परिचालन कारणों से उड़ान रद्द कर दी गई है। हवाई अड्डे पर हमारी टीम सभी मेहमानों को आवश्यक व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है। हम समझते हैं कि यह स्थिति कितनी कठिन है, और हम आपके धैर्य और समझ की सराहना करते हैं। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारी टीम आपको अपडेट देती रहेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

कमिंस को दूसरे और हेलवुड को तीसरे टेस्ट में उतार सकता है ऑस्ट्रेलिया : रिपोर्ट

ब्रिस्बेन । यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 4 दिसंबर से शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट की तैयारिया जारी है। इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस को उतार सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तेज गेंदबाज कमिंस के आने से मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रमक और मजबूत होगा। कमिंस अब फिट है और अभ्यास सत्र में जमकर गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्हें दूसरे एशेज टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से अभ्यास करते देखा गया, जो एक दिन-रात का मैच होगा. वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी अभ्यास सत्र में उतर गये है पर उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की संभावना है। हेजलवुड को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था। हेजलवुड को सिडनी के क्रिकेट सेंट्रल में नेट्स पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते देखा गया। ऐसे में ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट मैच के लिए उनके खेलने की संभावना कम है पर माना जा रहा है कि वह एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम को उम्मीद है कि हेजलवुड मौजूदा एशेज सीरीज के बाद के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, "मुझे पता है कि वह सीरीज के दौरान किसी न किसी समय उपलब्ध रहेंगे। हमें अभी थोड़ा सा शुरुआती पुनर्वास करना है जिससे यह तय किया जा सके कि वह सीरीज में कहाँ खेल सकते है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज में कुछ हिस्सा लेंगे। कोच मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस का रिहैब पूरा होने के करीब हैं।

राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम महिला टीम से मुलाकात कर जीत की बधाई दी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष में नेता राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात कर उसे जीत की बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। राहुल के दिल्ली स्थित निवास 10 जनपथ में विश्वकप विजेता टीम पहुंची थी। इस मौके पर राहुल ने खिलाड़ियों के धैर्य और खेल कौशल की भी सराहा। भारतीय टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया था। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट पर 114 रन बनाए थे। इसके बाद ये लक्ष्य भारतीय टीम ने 12.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय टीम की कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, हमें देश को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का अवसर है।

पंत का 'सॉरी' संदेश, टीम इंडिया के शर्मनाक प्रदर्शन पर फैंस से मांगी माफी, वापसी का लिया संकल्प

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टीम इंडिया के 0-2 से हारने के बाद, ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश पोस्ट करके प्रशंसकों से माफी मांगी। पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, हम हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं और अरबों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। माफ़ कीजिए, इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, लेकिन खेल आपको एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, सीखना, ढलना और आगे बढ़ना सिखाता है।

ऋषभ पंत ने आगे लिखा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है और हम एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और खुद को फिर से तैयार करेंगे। आपके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद! जय हिंद। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

पंत ने चार पारियों में 12.25 की खराब औसत से सिर्फ 49 रन बनाए। केएल राहुल 30 नवंबर से रांची में शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में टीम इंडिया की अगुवाई करेंगे। राहुल कप्तानी संभालेंगे क्योंकि भारत अपने नियुक्त एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के बिना होगा। 26 वर्षीय खिलाड़ी को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगी थी और पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदों का सामना करने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। वह दूसरे टेस्ट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए हैं और मुंबई में उनका मूल्यांकन जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

मानवाधिकार समूहों ने की ट्रंप प्रशासन की आलोचना

बैंकॉक, एजेंसी। मानवाधिकार समूहों ने ट्रंप प्रशासन के म्यांमार के नागरिकों के लिए निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा समाप्त करने के फैसले की आलोचना की है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि म्यांमार में शासन और स्थिरता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि सैन्य सरकार मुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारी कर रही है तथा सफल युद्धविराम समझौते हुए हैं। इस आधार पर उन्होंने दावा किया कि नागरिकों के लिए अपने देश लौटना सुरक्षित है। हालांकि, सैन्य प्रमुख मिन आंग हलाइंग ने 2021 में आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ किया था और सू ची अभी जेल में हैं।

अफगानों की वापसी से आर्थिक संकट की चेतावनी

काबुल, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने अफगान लोगों, विशेष रूप से निर्वासित प्रवासियों की आर्थिक संकट पर एक नई रिपोर्ट में चिंता जताई, पड़ोसी देशों से 23 लाख अफगान प्रवासियों की वापसी ने अफगानिस्तान पुनर्निर्माण प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। स्पष्ट है कि हमें ऐसे समाधानों की जरूरत है जो सहयोगात्मक, क्षेत्र-आधारित और समुदायों में निहित हों।

नाइजीरिया : केब्बी से किडनैप की गई सभी 24 स्कूली लड़कियों को बचाया

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के केब्बी राज्य में सोमवार (17 नवंबर) तड़के हथियारबंद हमलावरों ने गर्ल्स स्कूल पर हमला कर उप-प्रधानाचार्य की हत्या कर दी और 24 छात्राओं का अपहरण कर लिया। जिसके बाद अब नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार (25 नवंबर) को बताया कि स्कूल से हथियारबंद हमलावरों ने जिन 24 स्कूली लड़कियों को किडनैप किया था, उन सभी को बचा लिया गया है। लड़कियों को 17 नवंबर को किडनैप किया गया था, और उस समय पुलिस ने कहा था कि 25 को ले जाया गया है, लेकिन मंगलवार को एक बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया कि किडनैप की गई सभी 24 लड़कियों को बचा लिया गया है। हालांकि बचाव अभियान के बारे में कोई अधिक जानकारी साझा नहीं की गई। बता दें कि केब्बी में हुआ हमला नाइजीरिया में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर किडनैपिंग के मामलों में से एक था।

पेरिस : लूव्र म्यूजियम में चोरी के मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

पेरिस , एजेंसी। पेरिस के अभियोजक ने मंगलवार को चार और गिरफ्तारियों की जानकारी दी है। यह गिरफ्तारी अक्टूबर में लूव्र म्यूजियम में हुई उस चौंकाने वाली चोरी के सिलसिले में हुई है, जिसमें एक गैंग ने 10.2 करोड़ डॉलर के गहने चोरी किए थे। पड़ताल को लीड कर रही अभियोजक लॉरे बेकुओ ने कहा कि हिरासत में लिए गए दो पुरुष और दो महिलाएं पेरिस इलाके के हैं और उनकी उम्र 31 से 40 साल के बीच है। उनके बयान में यह नहीं बताया गया कि 19 अक्टूबर की चोरी में उन पर क्या भूमिका होने का शक है। पुलिस उनसे 96 घंटे तक पूछताछ कर सकती है। फ्रेंच मीडिया की रिपोर्ट है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक, 39 साल का आदमी जिसे पुलिस सर्विस पहले से जानती है, माना जा रहा है कि वह उस टीम का चौथा सदस्य है जिसने दिनदहाड़े इस बड़ी लूट को अंजाम दिया और वह ऑबरविलियर्स का रहने वाला है, जो पेरिस के उत्तर में एक सबअर्ब है, जिससे दूसरे संदिग्धों के कनेक्शन हैं।

सीरिया : हजारों अलावी लोगों ने सरकार के भेदभाव के खिलाफ प्रदर्शन किया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के हजारों लोगों ने मंगलवार को देश के मध्य और तटीय इलाकों में सरकार द्वारा कथित भेदभाव के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी विपक्षी निगरानी समूह ने दी, जबकि सरकारी मीडिया का कहना है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों की रक्षा की। मंगलवार का प्रदर्शन लताकिया, टार्टस और केंद्रीय शहर होम्स सहित 42 स्थानों पर हुआ। यह विरोध उस घटना के बाद शुरू हुआ, जिसमें एक बेदुईन दंपति की हत्या के बाद होम्स में बेदुईन समुदाय के लोगों ने अलावी बहुल इलाके पर हमला कर दिया था। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है, जब पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रपति बशर अल-असद को इस्लामी समूह 'हयात तहरीर अल-शाम' के नेतृत्व वाले विद्रोहियों द्वारा सत्ता से हटाए जाने के बाद देश में कई बार सांप्रदायिक झड़पें हो चुकी हैं। असद, जो स्वयं अलावी समुदाय से हैं, रूस भाग गए थे।

कौन होगा संयुक्त राष्ट्र का नया प्रमुख? कई बड़े नाम हैं दावेदार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच साल का कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद नए महासचिव को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद बेहद अहम होता है। ऐसे में कई बड़े नाम इस पद की रेस में शामिल है। तो आइए जानते है कि कैसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव का चुनाव होता है और इसका क्या पूरी प्रक्रिया होती है?

कब शुरू होगी प्रक्रिया : संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से मंगलवार से शुरू हो गई है। मंगलवार को 15 सदस्यों वाली संयुक्त सुरक्षा परिषद और 193 देशों की महासभा के अध्यक्ष ने एक संयुक्त पत्र जारी किया है। जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों देशों से अगले महासचिव के लिए नाम मांगे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का उम्मीदवार संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश का होना चाहिए। आमतौर पर यह पद क्षेत्रवार बदलता रहता है। मतलब मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस साल 2016 में चुने गए थे और वे पुर्तगाल यानी पूर्वी यूरोप के उम्मीदवार थे। अब यह पद किसी लैटिन अमेरिकी नेता को दिया जा सकता है। हालांकि कुछ राजनयिक अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों के नाम दे सकते हैं।

क्या है चुनाव की प्रक्रिया : नए महासचिव की चुनाव प्रक्रिया कई महीनों तक चलेगी, जिसमें कई राउंड की वोटिंग होगी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अगले साल के आखिर में 10वें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव के लिए 193 सदस्यों वाली महासभा को आधिकारिक तौर पर एक उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करेगी। सुरक्षा परिषद एक गुप्त मतदान करेगी, जिसे स्ट्रॉ पोल कहा जाता है। स्ट्रॉ पोल में हर उम्मीदवार के लिए काउंसिल मेंबर को ये विकल्प दिए जाते है: प्रेरित करना, हतोत्साहित करना या कोई राय नहीं। आखिर में, सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस - को एक उम्मीदवार के नाम पर सहमत होना होगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रॉ पोल में स्थायी सदस्य देशों के लिए के लिए और 10 चुने हुए सदस्यों के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र होते हैं। साल 2016 में जब गुटेरेस का चुनाव किया गया था तो सुरक्षा परिषद को सहमति पर पहुंचने के लिए छह बार स्ट्रॉ पोल कराया गया था। स्ट्रॉ पोल के बाद सुरक्षा परिषद बंद दरवाजे के पीछे एक प्रस्ताव पास कर नए महासचिव के नाम पर मुहर लगाती है। प्रस्ताव को पारित होने के लिए पक्ष में नौ वोट और किसी वीटो की जरूरत नहीं होती। कौन बन सकता है अगला यूएन महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बनने की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि कुछ नामों की चर्चा सबसे ज्यादा है, जो निम्न हैं- मिशेल बैचलेट-चिली: लैटिन अमेरिकी देश चिली की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिस ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि बैचलेट चिली की पहली महिला राष्ट्रपति थीं और वे दक्षिण अमेरिकी देशों के अध्यक्ष पद पर भी रह चुकी है। बैचलेट साल 2018-2022 के बीच संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त और उससे पहले यूएन वुमन की कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। रेबेका ग्रिनस्पान-कोस्टा रिका: कोस्टा रिका की तरफ से पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पान के नाम को प्रस्तावित किया जा सकता है। राष्ट्रपति रोड्रिगो शावेज ने इसकी जानकारी दी। 69 वर्षीय ग्रिनस्पान अभी संयुक्त राष्ट्र कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट के महासचिव पद पर सेवाएं दे रहे हैं। राफेल ग्रोसी-अर्जेंटीना: अर्जेंटीना की तरफ से राफेल ग्रोसी का नाम प्रस्तावित किया जा सकता है। ग्रोसी, अर्जेंटीना के पूर्व राजनयिक है और फिलहाल इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के महानिदेशक पद पर है।

रिपोर्ट का दावा- काश पटेल को एफबीआई निदेशक पद से हटाएंगे ट्रंप, व्हाइट हाउस ने किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया जा रहा है कि एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल का भविष्य सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट में इस मामले से परिचित तीन लोगों के हवाले से बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगामी महीनों में उन्हें हटाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस की ओर से इस रिपोर्ट को तुरंत खारिज कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा कि यह खबर पूरी तरह से मनगढ़ंत है। उन्होंने कहा कि जब यह शीर्षक प्रकाशित हुआ, तब वह ओवल ऑफिस में थीं, जहां ट्रंप पटेल और उनकी कानून प्रवर्तन टीम के साथ बैठक कर रहे थे।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगी पटेल के बारे में नकारात्मक सुर्खियों की लहर से परेशान हो गए हैं और उन्हें हटाने पर चर्चा शुरू कर दी है। कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति इस कहानी पर हंसे और पटेल के नेतृत्व में विश्वास दिखाने के लिए उनके साथ फोटो खिंचवाई।

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने सहयोगियों को बताया है कि वह एफबीआई निदेशक पद के लिए शीर्ष एफबीआई अधिकारी एंड्रयू बेली के नाम पर विचार कर रहे हैं। दो सूत्रों ने पटेल को बहुत ही कमजोर स्थिति में बताया था। सूत्रों ने कहा था कि उनका हटना पहले से कहीं ज्यादा नजदीक दिख रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद इस मामले का पटाक्षेप होता दिख रहा है।

पटेल को कई सप्ताह से ब्यूरो संसाधनों के प्रबंधन के संबंध में जांच का सामना करना पड़ रहा है। इनमें उनकी प्रेमिका की सुरक्षा व्यवस्था, सरकारी जेट के इस्तेमाल और ट्रंप के वफादार साथियों के साथ आंतरिक टकराव के बारे में सवाल शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में बताया था कि उन्होंने कई निजी यात्राओं के लिए सरकारी विमान का इस्तेमाल किया था। इनमें टेक्सास के एक लग्जरी रिसॉर्ट और टेनेसी में अपनी प्रेमिका के घर की यात्रा भी शामिल थी।

इथियोपिया में ज्वालामुखी का प्रकोप थमा

अदीस अबाबा, एजेंसी। उत्तरी इथियोपिया के लंबे समय से निष्क्रिय रहे हेली गुब्बी ज्वालामुखी में पिछले सप्ताहांत हुए विस्फोट के बाद अब ज्वालामुखीय गतिविधि कम हो गई है। इस विस्फोट ने आसपास के इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया और राख के बादल उड़ान मार्गों में फैल जाने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। अफार क्षेत्र के अफदेरा जिले के गांव राख की मोटी परत से ढक गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार लोग खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं और पशुधन के लिए पानी और घास पूरी तरह राख से ढक गई है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई एयरलाइंस ने प्रभावित रूटों पर उड़ानें रद्द कर दीं। मौसम विभाग के अनुसार राख के बादल देर शाम तक साफ होने की संभावना है। भारत की एयर इंडिया ने सोमवार और मंगलवार को 11 उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। एयरलाइन ने बताया कि भारतीय विमानन नियामक के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों से गुजरने वाले विमानों की जांच की जा रही है। भारत की अकासा एयर ने भी जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी जैसी मध्य पूर्व की उड़ानों पर रोक लगाई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कम से कम सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द हुईं, जबकि एक अधिकारी के अनुसार दर्जन भर उड़ानें देरी से रवाना हुईं। मौसम विभाग ने बताया कि 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई और हवा की गति 100 से 150 किमी प्रति घंटा होने के कारण राख का यह गुबार बड़ा खतरा नहीं बना। यह गुबार अब चीन की ओर बढ़ गया है।

इंडोनेशिया: मूसलाधार बारिश ने मचाई भीषण तबाही, सुमात्रा द्वीप पर बाढ़-भूस्खलन से 10 की मौत, कई लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पिछले हफ्ते हुई मानसूनी बारिश की वजह से नदियों के बांध टूट गए। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी गांवों में कीचड़ भर गया, चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे भारी तबाही हुई। इन घटनाओं के बाद बचाव दल उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान के अनुसार बचावकर्मियों ने बुधवार तक सबसे ज्यादा प्रभावित सिबोल्गा शहर से कम से कम पांच शव बरामद किए हैं। साथ ही तीन घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। पड़ोसी जिले मध्य तपनौली में भूस्खलन की चपेट में आकर कई घर तबाह हो गए, जिसमें कम से कम चार लोगों का एक परिवार मारा गया और बाढ़ से लगभग 2,000 घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण पेड़ों के उखड़ने से दक्षिण तपनौली जिले में एक ग्रामीण की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मंडेलिंग नटाल जिले में एक पुल नष्ट हो गया और 470 घर जलमग्न हो गए। बयान में कहा गया है कि नियास द्वीप में कीचड़ और मलबे की वजह से एक मुख्य सड़क बाधित हो गई है।

सिबोल्गा के पुलिस प्रमुख एडी इंटा ने कहा कि आपातकालीन आश्रय स्थल स्थापित कर दिए गए हैं और अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से तत्काल घर खाली करने का आग्रह किया है। पहाड़ी शहर में छह भूस्खलनों में 17 घर और एक कैफे ध्वस्त होने के बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बारिश से और ज्यादा भूस्खलन हो सकता है। इंटा ने कहा कि खराब मौसम और भूस्खलन के कारण बचाव अभियान में रुकावट आई है। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों के कठिन परिस्थितियों से जूझने के कारण पहुंच सीमित बनी हुई है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के दो इलाकों में 10 दिनों के अभियान के बाद राहत कार्यों की मंगलवार को आधिकारिक समाप्ति का एलान किया था। कुछ ही घंटों बाद सुमात्रा द्वीप पर बारिश की वजह से बाढ़ और भूस्खलन का कहर देखने को मिला। वहीं, मध्य जावा के सिलाकैप और बंजारनेगारा जिलों में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दबे लोगों की तलाश के लिए 1,000 से ज्यादा बचावकर्मियों को तैनात किया गया था। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 38 लोगों की मौत हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र की चौंकाने वाली रिपोर्ट: दुनिया में हर 10वें मिनट एक महिला की हत्या, हर दिन 137 महिलाओं की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया भर में लगभग हर 10 मिनट में किसी महिला या लड़की की हत्या उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा कर दी जाती है।

यह औसतन हर दिन 137 हत्याएं बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और यूएन विमेन की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फेमिसाइड (महिलाओं की लैंगिक आधार पर हत्या) अब भी लाखों महिलाओं और लड़कियों की जान ले रहा है और इस पर रोक लगाने में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही।

यूएनओडीसी के कार्यकारी निदेशक जॉन ब्रांडोलिनो ने कहा, दुनिया की बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के लिए घर आज भी खतरनाक और कई बार जानलेवा जगह बना हुआ है। उन्होंने फेमिसाइड रोकने के लिए बेहतर रोकथाम उपायों और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया। यूएन विमेन की नीति प्रभाग निदेशक सारा हेंड्रिक्स ने ऑनलाइन हिंसा की बढ़ती भूमिका पर चिंता जताई। उनके अनुसार, डिजिटल हिंसा कई बार ऑनलाइन से आगे बढ़कर वास्तविक दुनिया में पहुंचती है और चरम रूप में हत्या जैसी घटनाओं का कारण बन सकती है।

पिछले साल 83 हजार महिलाओं की हुई हत्या : रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष 83,000 महिलाओं और लड़कियों की जानबूझकर हत्या की गई, जिनमें से 60 फीसदी यानी 50,000 की हत्या उनके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों ने की। इसके मुकाबले पुरुषों की हत्या के सिर्फ 11 फीसदी मामलों में ही उनके साथी या परिजन शामिल थे। हालांकि 2024 में करीबी द्वारा हुई 50,000 हत्याएं, 2023 के अनुमान (51,100) से थोड़ी कम हैं, लेकिन रिपोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह कमी वास्तविक गिरावट नहीं है, बल्कि देशों से उपलब्ध आंकड़ों में अंतर की वजह से है।

अफ्रीका में हत्या की दर सबसे ज्यादा : रिपोर्ट में बताया गया कि अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा की गई फेमिसाइड की सबसे ज्यादा दर अफ्रीका (प्रति 1 लाख महिलाओं पर 3) में दर्ज की गई। इसके बाद अमेरिका (1.5), ओशिआनिया (1.4), एशिया (0.7) और यूरोप (0.5) का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि घर के बाहर होने वाली फेमिसाइड की घटनाओं के बारे में अभी भी पर्याप्त डाटा उपलब्ध नहीं है।

शेख हसीना की सजा के खिलाफ अवामी लीग का हल्लाबोल, 30 नवंबर तक देशव्यापी आंदोलन शुरू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की बेदखल पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दी गई मृत्युदंड की सजा के खिलाफ उनकी पार्टी अवामी लीग ने मंगलवार (25 नवंबर) को 30 नवंबर तक देशभर में विरोध प्रदर्शन और 'प्रतिरोध मार्च' निकालने का एलान किया है। पार्टी ने इस सजा को 'अवैध ट्राइब्यूनल का अवैध फैसला' बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है।

17 नवंबर को सुनाई थी फांसी की सजा : 17 नवंबर को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT-BD) ने 78 वर्षीय हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में फांसी की सजा सुनाई थी। दोनों नेताओं का मुकदमा अनुपस्थिति में चला। हसीना फिलहाल भारत में हैं, जबकि कमाल के भी भारत में छिपे होने की आशंका है।

अंतरिम सरकार की साजिश दिया करार : अवामी लीग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि यह फैसला मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार की साजिश है, ताकि हसीना और उनकी पार्टी को अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से दूर रखा जा सके। पार्टी ने 'अवैध ट्राइब्यूनल के अवैध फैसले' को अस्वीकार करते हुए यूनुस के इस्तीफे की मांग की और देश के सभी जिलों और उपजिलाओं में 30 नवंबर तक प्रदर्शन और प्रतिरोध रैलियां आयोजित करने की घोषणा की। अवामी लीग ने कहा कि यह फैसला 'तमाशा' है, जिसे जनता 'तिरस्कार' के साथ खारिज कर चुकी है।

पूरे देश में कड़े आंदोलन का एलान : अवामी लीग ने दावा किया कि वह जमीनी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक संगठनों के साथ मिलकर 'राष्ट्रविरोधी साजिशों' का मुकाबला करेगी और किसी भी कीमत पर 'मुक्ति संग्राम समर्थक ताकतों को चुनाव से बाहर करने की कोशिशों' को नाकाम करेगी। बयान में कहा गया कि बांग्लादेश में साजिश के जरिए चुनाव नहीं होने दिया जाएगा। किसी भी कीमत पर इसका विरोध किया जाएगा। अवामी लीग ने चेतावनी दी कि जल्द ही पूरे देश में कड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले साल 5 अगस्त को 'जुलाई विद्रोह' नाम का छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शन में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिरा दी गई थी।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान, राष्ट्रपति पेश करेंगे 40 अरब का अतिरिक्त रक्षा बजट

ताइपे, एजेंसी। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी है। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है।

राष्ट्रपति चिंग-ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा।

उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, 'यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।' उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा

लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है।

लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे , लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था। उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे। 2026 तक सरकार रक्षा खर्च को 949.5 अरब ताइवान डॉलर (30.25 अरब डॉलर) तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह जीडीपी के 3.32 फीसदी के बराबर है, जो 2009 के बाद पहली बार 3 फीसदी की सीमा को पार कर गया है। औपचारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद अमेरिका कानून के मुताबिक ताइवान को आत्मरक्षा के साधन मुहैया कराने के लिए बाध्य है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके प्रशासन ने अब तक ताइवान को केवल एक नए हथियार की बिक्री को मंजूरी दी है। जो लड़ाकू जेट और अन्य विमान भागों के लिए 330 मिलियन डॉलर का पैकेज है, जिसकी घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। लाई ने लिखा, 'हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व के महत्व को स्पष्ट कर दिया है। ट्रंप प्रशासन की ताकत के जरिए शांति की कोशिशों की वजह से आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय ज्यादा सुरक्षित है।' चीन की ओर से अलगाववादी घोषित किए जाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने चीन के साथ वार्ता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। लाई ने लिखा, 'हम इस समझ के साथ कि हमारा लोकतंत्र और स्वतंत्रता समझौता-योग्य नहीं है, दोनों देशों के बीच संवाद के अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट की धमकी, महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में जारी सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट करने की धमकी देने के आरोप में सुरक्षा बलों ने एक महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के साथ संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन केसीपी (एमएफएल) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक फेसबुक उपयोगकर्ता द्वारा पोस्ट किए वीडियो के बाद की गई, जिसमें 21 से 30 नवंबर तक आयोजित महोत्सव में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। उग्रवादियों को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों से पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है। पूर्वोत्तर राज्य में विस्थापित व्यक्तियों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा इस सांगई महोत्सव का बहिष्कार किया गया है। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु सेना के बीच जारी अभ्यास गरुड़ 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना (एफएएसएफ) के बीच चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास गरुड 2025 पर केंद्रित है। यह गरुड अभ्यास का आठवां संस्करण है, जो 16 से 27 नवंबर तक फ्रांस के मोंट-डी-मार्सन में आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद अंतर-संचालन को और मजबूत करना। दक्षता, सटीकता और एकजुट टीमवर्क के माध्यम से द्विपक्षीय साझेदारी की मजबूती को सुदृढ़ करना। यथार्थवादी परिचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना। आपसी शिक्षा और परिचालन ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। शामिल भारतीय वायुसेना के विमान: एसयू-30एमकेआई, सी-17 ग्लोबमास्टर तीसरी (प्रेरण और विप्रेषण चरणों के लिए एयरलिफ्ट सहायता)। आईएल-78 (हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए)। मिशन हवा से हवा में होने वाली मुठभेड़ों, वायु रक्षा अभियानों, और समन्वित हमले अभियानों पर केंद्रित हैं। यह अभ्यास मित्रवत विदेशी वायु सेनाओं के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और हवाई संचालन के क्षेत्र में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ में 13 लाख के इनामी माओवादी जोड़े ने किया सरेंडर

रायपुर (एजेंसी)। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 13 लाख रुपये के इनामी जोड़े ने पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। 'मुन्ना' (7 लाख इनामी) और उसकी साथी 'जूली' (6 लाख इनामी) ने छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 को जीवन बदलने वाला कदम बताया। यह 25 वर्षीय जोड़ा पिछले कई सालों से बस्तर के माड़ संभाग और मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) त्रि-राज्यीय क्षेत्र में सक्रिय था। दोनों कैडर भर्ती, रसद आपूर्ति और हिंसक वारदातों में शामिल रहे। घने जंगलों में छिपे रहकर पुलिस को लगातार चकमा देते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा ने बताया कि लगातार सर्जिकल ऑपरेशन, स्थानीय लोगों का सहयोग और सम्मानजनक पुनर्वास के वादे ने इस जोड़े को मुख्यधारा में लौटने को मजबूर किया। सरेंडर करने वालों को तत्काल वित्तीय सहायता, मासिक वजीफा, आवासीय प्लॉट, कौशल प्रशिक्षण और दीर्घकालिक सुरक्षा दी जाएगी। यह आत्मसमर्पण माओवाद विरोधी अभियान में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पिछले 23 महीनों में राज्य में 2,200 से अधिक माओवादी या तो सरेंडर कर चुके हैं या मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, संगठन के अंदर बढ़ता असंतोष, पूर्व साथियों का सफल पुनर्वास और सुरक्षाबलों का दबाव आत्मसमर्पण की रफ्तार बढ़ा रहा है। पुलिस इसे 'गेम-चेंजर' बता रही है। माना जा रहा है कि बस्तर और त्रि-राज्यीय सीमा के माओवादी गढ़ अब तेजी से खाली हो रहे हैं। सरकार की सख्ती और आकर्षक पुनर्वास नीति के सामने माओवादी विचारधारा लगातार कमजोर पड़ रही है।

राबड़ी को आवास खाली करने का नोटिस, गिरिराज सिंह ने कहा... सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्व सीएम राबड़ी देवी को आवास खाली करने के नोटिस को लेकर बयानबाजी जारी है। जहां केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, बिहार में कानून का राज है। कानून के तहत किसी को आवास मिलता है, तब आवास खाली किया जाता है। नहीं खाली करने पर पुलिस उन्हें बलपूर्वक हटा देती है। सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं होती है। वहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा है कि, किसी हालत में राबड़ी आवास खाली नहीं करेंगी। ये लालू परिवार को अपमानित करने की साजिश है। 20 साल से नीतीश कुमार सीएम हैं। उन्होंने ऐसा फैसला क्यों नहीं लिया। वहीं भाजपा नेता नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि राबड़ी पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली करने के दौरान टोंटी और अन्य सरकारी संपत्ति की चोरी ना हो, इसका ध्यान रखें। 20 साल बाद लालू परिवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। मंगलवार को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा है। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना केन्द्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।

कश्मीर के 5 जिलों में पुलिस का सर्च ऑपरेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में गुरुवार को पुलिस और सुरक्षाबलों ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बैन आतंकी संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े होने के शक में कई लोगों के घरों-ठिकानों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में सुरक्षा अभियान के तहत शोपियां, पुलवामा, श्रीनगर, बडगाम और कुलगाम में तलाशी ली है। इस दौरान पुलिस टीमों ने वेरिफिकेशन और कई लोगों से पूछताछ भी की। उन्होंने कहा कि सर्च ऑपरेशन का मकसद बैन संगठनों को दोबारा सक्रिय होने से रोकना, आतंकी सपोर्ट नेटवर्क और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। साथ ही आतंकियों को फाइनेंशियल और लॉजिस्टिक मदद करने वालों पर कार्रवाई करना है।

बीजेपी-चुनाव आयोग मिलकर विपक्षी पार्टियों के मतदाताओं के कटवा देते हैं नाम

-बिहार में महागठबंधन की करारी हार के बाद प्रमोद तिवारी ने लगाए गंभीर आरोप

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने फिर बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर कांग्रेस या फिर विपक्षी पार्टियों के मतदाताओं के नाम कटवा देते हैं। यही महाराष्ट्र में भी हुआ और अब यही दूसरे राज्यों में भी चल रहा है। राहुल गांधी ने वह घर और वह पोलिंग स्टेशन, सब दिखा दिया है। एक मकान में 500-600 लोगों के वोट दर्ज हैं। 65 लाख लोगों के बिहार में नाम काटे गए हैं जो कि एक रहस्यमयी कहानी है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भी यही हुआ। एक-एक घर में एक-एक हजार लोग महाराष्ट्र में निकल रहे हैं। ब्राजील की मॉडल का फोटो बनाकर हरियाणा का चुनाव करवाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि बीजेपी के मुंह में खून लग गया है और चुनाव आयोग पूरी तरह से खामोश इस बेईमानी को करवाने में शामिल नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग राहुल गांधी के सवालों का जवाब क्यों नहीं देता। वह भारत के नेता विरोधी दल हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये बातें कही हैं। यूपी में जो गोंडा में हुआ, फतेहपुर में हुआ। कहा यही जा रहा है कि जो बीजेपी का मतदाता नहीं है, कांग्रेस या विरोधियों का मतदाता है, उनके नाम जबरदस्ती हटाने का दबाव बनाया जा रहा है। इससे पहले कांग्रेस नेता कुमार केतकर ने आरोप लगाए थे कि अमेरिकी और इजराइली एजेंसियों ने मिलकर 2014 में कांग्रेस को हराने की योजना तैयार की थी। केतकर ने दावा किया कि इजराइली एजेंसी मोसाद ने राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा तैयार किया है। सीआईए और मोसाद के पास राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा है। उन्होंने कहा कि 2014 में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह के खिलाफ असंतोष था, लेकिन इस तरह से नहीं कि कांग्रेस की अपमानजनक हार हो और उनकी सीटें की

भुने चनों में कैंसर बनाने वाला केमिकल 'औरामाइन'! प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब भुना चना भी सुरक्षित नहीं रहा। बाजार में बिकने वाले चमकदार पीले-भुने चनों को आकर्षक बनाने के लिए मिलावटखोर घातक इंडस्ट्रियल केमिकल 'औरामाइन' मिला रहे हैं। यह वही जहरीला रंग है जो कपड़ा, चमड़ा और कागज उद्योग में इस्तेमाल होता है, लेकिन खाने-पीने की किसी भी चीज में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को पत्र लिखकर इस गंभीर खतरे की ओर ध्यान दिलाया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने मांग की है कि देशभर में तुरंत हेल्थ अलर्ट जारी हो, संदिग्ध भुने चनों की जांच हो और दोषी विक्रेताओं-निर्माताओं पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने इसे न सिर्फ फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन बताया, बल्कि लाखों भारतीयों की सेहत पर सीधा हमला करार दिया। औरामाइन एक चटक पीला सिंथेटिक डाई है, जो पानी में आसानी से घुल जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) ने इसे 'संभावित कार्सिनोजन' (ग्रुप 2बी) घोषित किया हुआ है। लंबे समय तक इसका सेवन करने से लिवर, किडनी और मूत्राशय (ब्लैडर) का कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा नर्वस सिस्टम को नुकसान, ऑर्गन फेल्योर और शरीर में टॉक्सिसिटी की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मिलावटखोर सस्ते में ज्यादा मुनाफे के लिए सादे भुने चनों पर औरामाइन का घोल छिड़क रहे हैं। इससे चने चमकदार पीले, कुरकुरे और थोड़े फूले हुए दिखते हैं, जो ग्राहकों को जल्दी आकर्षित करते हैं। खुले बाजार में यह जहरीला चना आसानी से मिल रहा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो डालकर दिखाया है कि गर्म पानी में ऐसे चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है- यह औरामाइन की पहचान है।

दिल्ली में प्रदूषण की वजह से बच्चा नहीं ले पा रहा था सांस, करानी पड़ी सर्जरी

-महिला ने वीडियो शेयर कर तकलीफ की बयां, यूजर्स बोले- यह बहुत डरावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोएडा में एक महिला ने कहा कि वायु प्रदूषण की वजह से उसके छोटे बेटे की तबीयत इतनी खराब हो गई कि उसे सर्जरी करवानी पड़ी। महिला ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया जिसमें वह अस्पताल में भर्ती अपने बेटे की हालत दिखाते हुए तकलीफ बयां कर रही थी। साक्षी पाहवा नाम की इस महिला ने लिखा कि वह दो साल पहले अपने परिवार के साथ दिल्ली-एनसीआर में शिफ्ट हुई थी। तभी से उनके बच्चे को लगातार सर्दी-खांसी, एलर्जी और सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कई दवाइयां आजमाईं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। साक्षी ने कहा कि प्रदूषण बढ़ता गया और उनके बच्चे की परेशानी भी बढ़ती गई।

पोस्ट में महिला ने लिखा- माता-पिता होने के नाते, उसे अस्पताल में रोता देखकर हमारा दिल टूट गया। हम टैक्स देते हैं और बदले में हमारे बच्चों को यही मिलता है। अब आवाज उठाने का समय आ गया है। दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण ने न सिर्फ हमारी सांस लेने वाली हवा को प्रभावित किया...बल्कि मेरे नन्हे-मुन्ने बच्चे को सर्जरी करवानी पड़ी। पोस्ट देखने के बाद कई लोगों ने अपनी चिंता और गुस्सा जाहिर किया।

एक यूजर ने सलाह दी- कृपया रहने की जगह बदल लें। दवाइयों और तकलीफ से बेहतर है कि आप किसी साफ हवा वाले शहर में चले जाएं। दूसरे ने लिखा- यह बहुत डरावना है। लोग बीमार हो रहे हैं और सरकार सच्चाई छिपाने में लगी है। तीसरे ने कहा- जिन्हें लगता है कि यह प्रदूषण की वजह से नहीं है, वे अस्पताल जाकर देखें। ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग खराब हवा की वजह से बीमार हो रहे हैं। बता दें बुधवार को दिल्ली का एक्यूआई 337 दर्ज किया गया था, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। शहर के 39 एयर मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 34 ने बहुत खराब और बाकी 5 ने खराब हवा दर्ज की थी।

मतुआ समुदाय को नागरिकता देने का किया था वादा, अब एसआईआर में नाम कटने का सता रहा डर

-पश्चिम बंगाल में गरमाई राजनीति, बढ़ती चिंता के बीच सीएए आवेदन केंद्र शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीति गरमा गई है। वजह है मतुआ समुदाय का बड़ा वोट बैंक। मतुआ वे हिंदू शरणार्थी हैं जो धार्मिक उत्पीड़न के चलते बांग्लादेश से भारत आ गए थे। ये लोग दशकों से भारतीय नागरिकता की मांग कर रहे हैं। बीजेपी ने सीएए के जरिए उन्हें नागरिकता देने का वादा किया था। 2014 के बाद हुए चुनावों में इस वादे के कारण मतुआ समुदाय ने बड़ी संख्या में बीजेपी का समर्थन किया था। अब मतुआ समुदाय के बीच गहरी चिंता है। वजह है पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के लिए शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज होने के बावजूद कई मतुआ लोग डर रहे हैं कि उनका नाम वोटर लिस्ट से हट सकता है। उनकी सबसे बड़ी परेशानी है कि वे अपनी पारिवारिक ऐतिहासिक कड़ियां साबित नहीं कर पाएंगे, क्योंकि उनकी जड़ें बांग्लादेश में हैं। समुदाय के सामने मुश्किल स्थिति है। वोटर लिस्ट में दोबारा नाम दर्ज कराने के लिए उन्हें आधिकारिक भारतीय नागरिक होना जरूरी है, लेकिन अगर वे सीएए के तहत आवेदन करते हैं, तो उन्हें खुद को औपचारिक रूप से बांग्लादेशी विदेशी नागरिक घोषित करना पड़ता है। इससे नागरिकता मिलने तक उनकी कानूनी स्थिति अनिश्चित और कमजोर हो जाती है।

इस स्थिति का दबाव केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर पर भी बढ़ रहा है। वे मतुआ समुदाय के सबसे बड़े राजनीतिक नेता माने जाते हैं। बढ़ती चिंता के बीच उन्होंने सीएए आवेदन केंद्र शुरू करवाए हैं। यहां ऑल इंडिया मतुआ महासंघ, जो कि समुदाय का प्रमुख संगठन है, आवेदन करने वालों को प्रमाण पत्र जारी कर रहा है। 52 साल के सुशील विश्वास जो 15 साल पहले बांग्लादेश से उत्पीड़न के कारण भारत आए थे, उन्होंने कहा कि मैं धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए भारत आया। मैं नागरिकता के लिए सीएए में आवेदन करने आया हूं। एसआईआर और इसके परिवार पर असर को लेकर मुझे डर है, लेकिन भारत सरकार ने हमें नागरिकता देने का वादा किया है।

हालांकि, मतुआ महासंघ की ओर से जारी इन प्रमाण पत्रों की कानूनी वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह भी पूछा जा रहा है कि क्या किसी केंद्रीय मंत्री को ऐसे दस्तावेज जारी करने का अधिकार है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बोंगांव की एक रैली में इसे लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये लोग 100 रुपए लेकर 'हिंदुत्व कार्ड' बांट रहे हैं। ये मतुआ लोगों का शोषण कर रहे हैं। यह पैसे कमाने की योजना है। सीएए के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। यह बीजेपी की पहले से बनी राजनीतिक साजिश है।

रिपोर्ट के मुताबिक शांतनु ठाकुर ने कहा कि सीएए गृह मंत्रालय के तहत आता है, जबकि एसआईआर चुनाव आयोग देखता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिनके पास पहले से वोटर कार्ड है, वे पहले से ही भारतीय नागरिक माने जाते हैं। मामला इसलिए और जटिल हो गया है क्योंकि एसआईआर फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 4 दिसंबर बहुत नजदीक है। मतुआ समुदाय की सबसे बड़ी जरूरत आधिकारिक नागरिकता है, ताकि उनका नाम नई वोटर लिस्ट में बना रहे, लेकिन सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार के लिए इतने कम समय में सीएए के जरिए लाखों मतुआ लोगों को नागरिकता देना असंभव है।

मंत्री शांतनु ठाकुर ने केंद्र सरकार से नागरिकता प्रक्रिया तेज करने की मांग की है। इस वक्त मतुआ समुदाय एक तरफ सालों से किए गए नागरिकता के वादे और दूसरी तरफ वोटर लिस्ट से नाम कटने के डर के बीच फंसा है। इससे उनका मानवीय संकट अब पश्चिम बंगाल में एक बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक संकट बन गया है।

राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा और असम के लिए नए एफआरआरओ नियुक्त

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चंडीगढ़, जयपुर और गुवाहाटी में आव्रजन ब्यूरो के तहत तीन नए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी नियुक्त किए है। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। बुधवार को जारी राजपत्र अधिसूचना के मुताबिक चंडीगढ़ के लिए नव नियुक्त विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) के कार्य क्षेत्र में यह केंद्र शासित प्रदेश और हरियाणा आएगा। जयपुर के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और गुवाहाटी के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में असम आएगा। इससे पहले दिल्ली के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और हरियाणा आते थे। वहीं अमृतसर के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में चंडीगढ़ आता था। असम राज्य कोलकाता के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र मेथा। ये नियुक्तियां नए आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत की गई है, जो इस साल 1 सितंबर को लागू हुआ है। नए अधिनियम में जाली पासपोर्ट या वीजा रखने वाले विदेशियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है।

मुंबई की मतदाता सूची में गड़बड़ी: 11 लाख से अधिक डुप्लीकेट नामों का हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। शहर के कुल 1.03 करोड़ मतदाताओं में से करीब 11 लाख से अधिक नाम दोहराए गए हैं, यानी लगभग 10.64 प्रतिशत प्रविष्टियां डुप्लीकेट हैं। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) द्वारा जारी आंकड़ों से यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि डुप्लीकेट एंट्रीज वाले शीर्ष वार्डों का प्रतिनिधित्व पहले विपक्षी दलों के पार्षद करते थे।

मसौदा मतदाता सूची में 4.33 लाख ऐसे मतदाता मिले हैं जिनके नाम दो बार से लेकर 103 बार तक दर्ज हैं। इससे कुल डुप्लीकेट प्रविष्टियां 11,01,505 तक पहुंच गई हैं। सबसे ज्यादा डुप्लीकेट नाम वाले पांच में से चार वार्ड पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के पार्षदों के पास थे। इनमें वर्ली विधानसभा क्षेत्र के दो वार्ड भी शामिल हैं, जहां से शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे विधायक हैं।

वर्ली के वार्ड नंबर 199 (पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर का पुराना वार्ड) में सबसे अधिक 8,207 डुप्लीकेट वोटर हैं। इसके बाद घाटकोपर (वार्ड 131) में 7,741, परेल-लालबाग (वार्ड 203) में 7,624, कालाचौकी (वार्ड 205) में 7,585 और सेंचुरी मिल (वार्ड 194) में 7,584 डुप्लीकेट प्रविष्टियां हैं।

आदित्य ठाकरे ने एक्स पर पोस्ट कर गंभीर आरोप लगाया है कि लाखों नाम जानबूझकर दोहराए गए हैं, घरों की गलत एंट्री की गई है और वोटर कार्ड में मूल जानकारी तक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि आपत्ति दर्ज करने की समयसीमा न बढ़ने से चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे।

निर्वाचन आयोग ने आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तारीख 27 नवंबर से बढ़ाकर 3 दिसंबर कर दी है। अंतिम मतदाता सूची 10 दिसंबर को प्रकाशित होगी। नाम दोहराने के कारणों में प्रिंटिंग त्रुटि, मतदाताओं का स्थानांतरण और मृत व्यक्तियों के नाम न हटाना बताया गया है। अब बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं। सभी 25 सहायक नगर आयुक्तों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। बीएमसी अधिकारियों का कहना है कि 11 लाख का आंकड़ा डुप्लीकेट व्यक्तियों की नहीं, बल्कि दोहराई गई प्रविष्टियों की संख्या है। सफाई अभियान तेज है, लेकिन इस देरी से बीएमसी चुनाव में भी विलंब हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 31 जनवरी 2026 तक चुनाव कराने थे, लेकिन अब फरवरी तक खिसकने की आशंका है। विपक्ष इसे सुनियोजित साजिश बता रहा है, जबकि सत्ताधारी पक्ष इसे तकनीकी खामी बता रहा है। मतदाता सूची की सफाई अब मुंबई के सियासी भविष्य की सबसे बड़ी परीक्षा बन गई है।

पाकिस्तान की राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर टिप्पणी, कांग्रेस नेता ने कहा... अपनी सीमा में रहना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि पाकिस्तान को अपनी सीमा में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय देश के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के साथ पाकिस्तान के चल रहे मुद्दों पर कांग्रेस नेता ने घोषणा की कि पाकिस्तान खुद विभाजन की ओर बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी हद में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करता। हमारे पास एक स्वस्थ लोकतंत्र और मजबूत संविधान है, और यह उनकी तरह हर 8-10 साल में नहीं बदलता। पाकिस्तान भारत के मामलों पर टिप्पणी करके अपनी मौत को न्योता दे रहा है... पाकिस्तान टूटने वाला है... हम अपने आंतरिक मामले खुद सुलझा सकते हैं। इससे पहले, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह की निंदा कर आरोप लगाया कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभावपूर्ण है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत सरकार से मुसलमानों सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करके और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के अनुसार उनके पूजा स्थलों की रक्षा करके अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया। लेकिन भारत ने भगवान राम मंदिर में ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और उनकी टिप्पणियों को उसी तिरस्कार के साथ खारिज कर दिया जिसके वे हकदार हैं और उनसे अपनी नजरें अंदर की ओर मोड़ने और अपने स्वयं के दयनीय मानवाधिकार रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

तलाक देने से पहले वैवाहिक रिश्ता टूटने के देने होंगे सबूत: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के मामलों में एक अहम दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी अदालत सिर्फ यह कहकर तलाक नहीं दे सकती कि वैवाहिक रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। इसके लिए ठोस सबूत होना जरूरी है कि एक पक्ष ने जानबूझकर दूसरे को छोड़ा हो या साथ रहने से स्पष्ट रूप से इनकार किया हो। अगर ऐसे सबूत नहीं है या अलगाव किसी मजबूरी या नियंत्रण से बाहर की परिस्थिति के कारण हुआ है, तो शादी को -अपूरणीय रूप से टूटा- हुआ नहीं माना जा सकता।

14 नवंबर 2025 को जस्टिस सूर्यकांत (वर्तमान मुख्य न्यायाधीश) और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस मामले में विस्तृत आदेश जारी किया। पीठ ने स्पष्ट किया कि तलाक देने से पहले अदालत की जिम्मेदारी है कि वह दोनों पक्षों के दावों, सामाजिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति और खासकर बच्चों के हित को ध्यान में रखकर गहन जाँच करे। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की मौजूदगी में यह सवाल और भी संवेदनशील हो जाता है, क्योंकि तलाक का सबसे ज्यादा असर उन पर ही पड़ता है। यह फैसला उत्तराखंड के एक दंपती के मामले में आया है। पति-पत्नी की शादी 2010 से पहले हुई थी। 2010 में पति ने क्रूरता का हवाला देकर तलाक की पहली अर्जी दी थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। 2013 में दूसरी याचिका दाखिल की गई, जिसमें दावा किया गया कि पत्नी ने घर छोड़ दिया है। ट्रायल कोर्ट ने 2018 में सबूत न मिलने के कारण याचिका खारिज कर दी। लेकिन 2019 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटते हुए पति को तलाक दे दिया।

महिला ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने पाया कि हाईकोर्ट ने सिर्फ पति के मौखिक बयानों पर भरोसा किया, जबकि पत्नी का दावा था कि उसे ससुराल वालों ने जबरन घर से निकाल दिया था और उसके बाद उसने अकेले बच्चे की परवरिश की। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीर चूक माना और कहा कि हाईकोर्ट ने कई महत्वपूर्ण कानूनी सवालों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

अदालत ने हिंदू विवाह अधिनियम की व्याख्या करते हुए कहा कि महज अलग रहना ही परित्याग नहीं है। इसके लिए यह साबित करना जरूरी है कि अलगाव जानबूझकर और बिना उचित कारण के किया गया हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि कई बार महिलाएं घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या मजबूरी में घर छोड़ती हैं-ऐसे में उन्हें ही दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं है। अंत में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट का 2019 का फैसला रद्द कर दिया और मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए हाईकोर्ट को लौटा दिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अब सभी तथ्यों, गवाहों और परिस्थितियों की फिर से जाँच की जाए। यह फैसला देश भर की निचली अदालतों और हाईकोर्ट के लिए एक नया मानदंड स्थापित करता है। अब

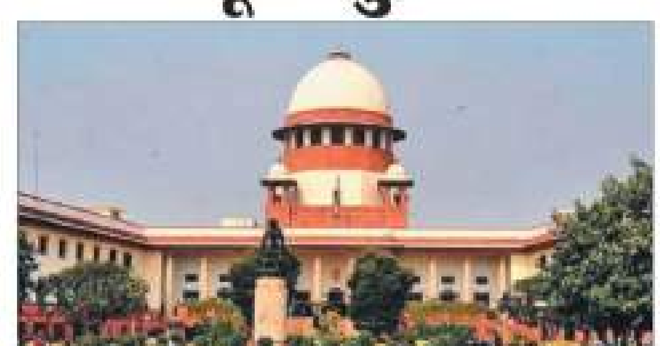

तलाक के मामलों में जल्दबाजी या एकतरफा बयानों पर फैसला देना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे न केवल कई शादियां बच सकती हैं, बल्कि महिलाओं और बच्चों को अनावश्यक मानसिक-आर्थिक आघात से भी बचाया जा सकेगा।